@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

शुक्रवार, 20 मार्च 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 134 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

हमें राम मंदिर हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ता है: द्रौपदी मुर्मु

•रामराज्य के आदर्शों से ही नैतिक और धर्माचरण आधारित राष्ट्र निर्माण संभवः राष्ट्रपति मुर्मु

एजेंसी

अयोध्या। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि प्रभु श्रीराम ने जिस अयोध्या नगरी में जन्म लिया उसकी पवित्र धूलि का स्पर्श प्राप्त करना ही मैं अपना परम सौभाग्य मानती हूं। स्वयं प्रभु श्रीराम ने अपनी इस जन्मभूमि को स्वर्ग से भी श्रेष्ठ बताया था। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर भाषा में संत कवि तुलसीदासजी ने 'श्री रामचरितमानस' की रचना की थी। रामचरितमानस में प्रभु श्रीराम सीताजी से कहते हैं कि यद्यपि सबने वैकुंठ का बखान किया है तथा वह वेद पुराणों में वर्णित है, जग-प्रसिद्ध है, लेकिन वैकुंठ भी मुझे अवधपुरी जितना प्रिय नहीं है। राष्ट्रपति ने कहा कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, संवत्सर स्थल पर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का भूमिपूजन, रामलला के दिव्य विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा, राम दरबार का भक्तजनों के लिए खोला जाना तथा मंदिर के शिखर पर धर्म-ध्वजारोहण की तिथियां हमारे इतिहास और संस्कृति की स्वर्णिम तिथियां हैं। प्राण प्रतिष्ठा के मर्मस्पर्शी अवसर पर मैंने प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा था।

का निर्माण, रामलला के दिव्य विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा और मंदिर के शिखर पर धर्म-ध्वजारोहण की तिथियां हमारे इतिहास और संस्कृति की स्वर्णिम तिथियां हैं। उन्होंने कहा कि रामराज्य के आदर्शों के पालन से ही नैतिक और धर्माचरण आधारित राष्ट्र निर्माण हो सकता है। राष्ट्रपति मुर्मु गुरुवार को अयोध्या में प्रभु श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में श्रीराम यंत्र की स्थापना के बाद देश की जनता को संबोधित कर रहीं थीं। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि इसी अयोध्या यानी अवधपुरी और आस-पास की लोक-2083 के शुभारंभ के दिन और नवरात्र के प्रथम दिवस पर यहां आकर मैं स्वयं को कृतार्थ अनुभव कर रही हूं।

मैं देश-विदेश में रहने वाले सभी भारतवासियों और रामभक्तों को नव वर्ष की आत्मिक बधाई देती हूं। नवरात्र के अंत में रामनवमी के दिन हम सब प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव मनाएंगे। मैं सभी को 'नवमी तिथि, मधुमास पुनीता' यानी रामनवमी के दिन मनाए जाने वाले पावन पर्व की अग्रिम बधाई देती हूं।

मुर्मु ने कहा कि इस परम पवित्र उस पत्र में मैंने यह भाव व्यक्त किया था, 'यह हम सभी का सौभाग्य है कि हम सब अपने राष्ट्र के पुनरुत्थान के एक नए कालचक्र के शुभारंभ के साक्षी बन रहे हैं।' उन्होंने कहा कि हम सभी एक समावेशी समाज और विकसित राष्ट्र के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद से वर्ष 2047 या शायद उससे पहले ही हम उन लक्ष्यों को प्राप्त कर लेंगे। इक्कीसवीं सदी में हमारे समावेशी समाज और विकसित राष्ट्र की परिकल्पना राम-राज्य के वर्णन में प्राप्त होती है।

दुनिया में युद्ध चल रहे और हम कर रहे हैं रामराज्य की अनुभूतिः मुख्यमंत्री योगी

अयोध्या। चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना पर गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब पीढ़ी नववर्ष पर ऐसे किसी टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर नहीं जाती, जहां सनातन के विरोध में कोई कार्य हो रहा है। वह नए वर्ष पर परिवार के साथ मंदिर जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरयू मैया अयोध्या धाम को पवित्र करते हुए अपने निर्मल जल से पूरे क्षेत्र को पवित्र करती हैं। रामराज्य की अनुभूति का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में युद्ध चल रहे हैं और हम श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना कार्यक्रम में सहभागी बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने वर्तमान पीढ़ी की प्रशंसा की और कहा कि यह पीढ़ी नववर्ष पर ऐसे किसी टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर नहीं जाती, जहां सनातन के विरोध में कोई कार्य हो रहा है। वह नए वर्ष पर परिवार के साथ मंदिर जाती है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में बने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन, श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा, रामदरबार के पवित्र विग्रह की स्थापना, ध्वजा आरोहण और आज श्रीराम यंत्र की स्थापना का कार्यक्रम हर सनातन धर्मावलम्बी व सच्चे भारतीय को आनंद से विभोर कर देता है और यही भारत की आस्था है। राम मंदिर को अंधविश्वास बताने वाले सत्ता बचाने के लिए नहीं जाते थे नोएडा मुख्यमंत्री योगी ने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि आस्था को अंधविश्वास कहकर अपमानित किया गया था। इसे अपमानित करने वाले वही लोग हैं, जो सत्ता बचाने के लिए नोएडा नहीं जाते थे। नोएडा न जाना उनके लिए अंधविश्वास नहीं था, लेकिन राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, कृष्ण-कन्हैया के मथुरा-वृंदावन की बात करना अंधविश्वास है। योगी ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर भारत के राष्ट्र मंदिर का प्रतीक बन गया है। यह रामराज्य की आधारशिला भी है। दुनिया में तमाम युद्ध, अव्यवस्था, आर्थिक अराजकता, भय-आतंक है।

पीएम मोदी ने वैश्विक निवेशकों से भारत के पावर सेक्टर में निवेश करने का किया आह्वान

•'वैश्विक निवेशकों को बिजली क्षेत्र में निवेश के लिए किया आमंत्रित

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वैश्विक निवेशकों से भारत के बिजली क्षेत्र में 'उत्पादन, निवेश, नवाचार और विस्तार' करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026' के पहले दिन केंद्रीय ऊर्जा सचिव पंकज अग्रवाल द्वारा पढ़े गए एक लिखित संदेश में पीएम मोदी ने कहा कि भारत अपनी ऊर्जा यात्रा के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं वैश्विक समुदाय को भारत में निर्माण करने, नवाचार करने, निवेश करने और भारत के साथ आगे बढ़ने के लिए आमंत्रित करता हूं। मुझे विश्वास है कि यह समिट सार्थक संवाद और मजबूत साझेदारी को बढ़ावा देगा, जो भारत की प्रगति को ऊर्जा देगा।'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस समिट का उद्देश्य पूरे पावर और एनर्जी सेक्टर को एक मंच पर लाना है ताकि विचारों का आदान-प्रदान हो, सहयोग बढ़े और क्षेत्र के विकास के लिए साझा दिशा तय की जा सके।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन सतत विकास के साथ आर्थिक प्रगति को आगे बढ़ाने, वैश्विक कनेक्टिविटी मजबूत करने और 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में एक अहम कदम है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहा है और सभी तक भरोसेमंद बिजली पहुंच सुनिश्चित कर रहा है।

उन्होंने बताया कि भारत ने पहले ही 50 प्रतिशत से ज्यादा गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता हासिल कर ली है और 2030 तक 500 गीगावाट क्षमता तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। जॉब्स और सुधारों के जरिए एक भरोसेमंद ऊर्जा साझेदार बन रहा है। 'शांति एक्ट 2025' से न्यूक्लियर एनर्जी के नए अवसर खुल रहे हैं, जबकि 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के जरिए सौर ऊर्जा को बढ़ावा मिल रहा है और टिकाऊ खपत को प्रोत्साहन मिल रहा है।

प्रधानमंत्री ने अपने लिखित संदेश में कहा कि बिजली वितरण

पीएम मोदी ने 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' जैसी पहल का जिक्र करते हुए कहा कि यह वैश्विक सहयोग की दिशा में भारत के विजन को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत मजबूत सप्लाई चेन, बैटरी निर्माण, ग्रीन क्षेत्र में हुए सुधारों से नुकसान (एटी एंड सी लॉस) कम हुआ है और वित्तीय स्थिति में सुधार आया है, जिससे यह सेक्टर और अधिक मजबूत और निवेश के लिए आकर्षक बन गया है।

सीबीआई ने अनिल अंबानी से आठ घंटे तक की पूछताछ

अनिल अंबानी को पूछताछ के लिए शुक्रवार को भी बुलाया गया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के चेयरमैन अनिल अंबानी और ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक अमित डांगी से गुरुवार को पूछताछ की। जांच एजेंसी ने अनिल अंबानी से आठ घंटे और डांगी से करीब सात घंटे तक कई सवाल पूछे। अनिल अंबानी को पूछताछ के लिए शुक्रवार को भी बुलाया गया है।

सीबीआई ने बताया कि अनिल अंबानी आज जांच एजेंसी के दिल्ली स्थित मुख्यालय पहुंचे और उनसे लगभग आठ घंटे तक पूछताछ की गई। उन्हें शुक्रवार को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। यह मामला 21 अगस्त 2025 को दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। इसमें रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, अनिल अंबानी और अन्य अज्ञात व्यक्तियों सहित कुछ अज्ञात लोक सेवकों को आरोपी बनाया गया है। शिकायत स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने की थी, जो 11 बैंकों के कंसोर्टियम की लीड बैंक है।

फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि 2013 से 2017 के बीच समूह कंपनियों के

बीच जटिल लेन-देन के जरिए बड़े पैमाने पर फंड डायवर्जन और दुरुपयोग किया गया। इससे एसबीआई को 2,929.05 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। कुल मिलाकर 17 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का एक्सपोजर 19,694.33 करोड़ रुपये था। इस मामले में सीबीआई ने मुंबई में रिलायंस कम्युनिकेशंस के दो आधिकारिक परिसरों और अनिल अंबानी के आवास पर तलाशी भी ली थी, जहां से कई अहम दस्तावेज जब्त किए गए। इसके अलावा पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, आईडीबीआई बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने भी अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई थीं। सीबीआई ने बताया कि रिलायंस कम्युनिकेशंस के खिलाफ एक और मामला इसी साल 25 फरवरी को दर्ज किया गया है, जिसमें बैंक ऑफ बड़ौदा की शिकायत शामिल है। इसी साल 5 मार्च को पंजाब नेशनल बैंक की शिकायत पर एक अन्य केस दर्ज किया गया है, जिसमें अनिल अंबानी और कंपनी की निदेशक मंजरी अशोक कक्कर को भी आरोपी बनाया गया है।

दूसरे मामले में सीबीआई ने रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड से जुड़े 57.47 करोड़ रुपये के बैंक फ्रॉड केस में अमित डांगी से पूछताछ की।

पश्चिम बंगाल चुनावः पीएम मोदी के 14 तो अमित शाह के 8 कार्यक्रम

लिस्ट में सीएम योगी का भी नाम

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा ने अपना मेगा कैंपेन प्लान तैयार कर लिया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इस बार चुनाव में भाजपा अपने शीर्ष नेताओं के जरिए बड़े पैमाने पर जनसंपर्क और शक्ति प्रदर्शन करने की रणनीति पर काम कर रही है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य में कुल 14 कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इन कार्यक्रमों में जनसभाएं और भव्य रोड शो शामिल होंगे, जिनके जरिए मतदाताओं तक संदेश पहुंचाने की कोशिश करेगी। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 8 कार्यक्रमों में भाग लेंगे, जिनमें रोड शो और जनसभाएं शामिल हैं। माना जा रहा है कि शाह का फोकस संगठन को मजबूत करने और बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर रहेगा। इसके अलावा, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीन नबीन प्रदेश भर में 7 जनसभाओं को संबोधित करेंगे, जबकि केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा 6 जनसभाओं के जरिए पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने का काम करेंगे। वहीं, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

भी बंगाल में 8 कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। उनके कार्यक्रमों में रोड शो और जनसभाएं शामिल होंगी। इसी तरह, फिल्म अभिनेता से नेता बने मिथुन चक्रवर्ती भी इस चुनावी अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। वह राज्य में 10 चुनावी कार्यक्रमों में भाग लेंगे, जिनमें रोड शो और जनसभाएं शामिल हैं।

भाजपा का यह प्लान साफ तौर पर दर्शाता है कि पार्टी इस बार पश्चिम बंगाल में पूरी ताकत झोंकने के मूड में है। लगातार रैलियों, रोड शो और जनसभाओं के जरिए भाजपा राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने और सत्ता हासिल करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। बता दें कि पश्चिम बंगाल में दो चरणों में विधानसभा चुनाव होंगे। 23 अप्रैल को पहले चरण के चुनाव में 152 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा, जबकि 29 अप्रैल को दूसरे चरण के चुनाव में 142 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा। इसके साथ ही, चार मई को चुनाव के परिणाम घोषित किए जाएंगे।

पश्चिम बंगाल चुनाव

भाजपा की दूसरी लिस्ट में 111 उम्मीदवार

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए अपनी दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। दूसरी लिस्ट में 111 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। जानें किस विधानसभा सीट से किस उम्मीदवार को भाजपा ने टिकट दिया है। भाजपा ने पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतारते हुए सियासी ताल ठोक दी है। मेखलीगंज (एससी) से दधिराम रॉय, माथाभांगा (एससी) से निशीथ प्रमाणिक, मदारीहाट (एसटी) से लक्ष्मण लिम्बू, धूपगुड़ी (एससी) से नरेश चंद्र रॉय और मयनागुड़ी (एससी) से कौशिक रॉय चुनाव लड़ेंगे, जबकि जलपाईगुड़ी (एससी) से अनंता देव अधिकारी और माल (एसटी) से सुक्रा मुंडा भी मैदान में हैं। कालिम्पोंग से भरत छेत्री और दार्जिलिंग से नोमन राय के अलावा कुर्सियांग से सोनम लामा, चोपड़ा से शंकर अधिकारी और इटाहर से सबिता बर्मन को टिकट दिया गया है। दूसरी ओर, हरीशचंद्रपुर से रतन दास, बैष्णवनगर से राजू कमाकर, फरक्का से सुनील चौधरी, समसेरगंज से शशंथि चरण घोष और जंगीपुर से चित्तो मुखर्जी चुनावी मैदान में हैं, जबकि सागरदिघी से तपस चक्रवर्ती और रानीनगर से राणा प्रताप सिंह रॉय भी किस्मत आजमा रहे हैं। नबाग्राम (एससी) से दिलीप साहा, खरग्राम (एससी) से मिताली माल, बुरवान (एससी) से सुखेन कुमार बागड़ी, कांडी से गर्गी दास घोष और भरतपुर से अनामिका घोष को पार्टी ने उतारा है। तेहट्टा से सुब्रत काबिराज, नकाशीपाड़ा से शांतनु डे, चापरा से सैकत सरकार और नबद्वीप से सृति शेखर गोस्वामी भी चुनाव लड़ेंगे।

पार्टी ने कृष्णानगर दक्षिण से साधन घोष, कृष्णानगर (एससी) से सुकांत विश्वास, रानाघाट दक्षिण (एससी) से असीम कुमार विश्वास और बोंगांव उत्तर (एससी) से अशोक किर्तनिया को टिकट दिया है, जबकि बोंगांव दक्षिण (एससी) से स्वपन मजूमदार और गाइघाटा (एससी) से सुभ्रत ठाकुर भी मैदान में हैं। स्वरूपनगर (एससी) से तारक साहा, हाबरा से देबदास मंडल, अशोकनगर से सोमोय हीरा और बिजपुर से सुदीप्ता दास चुनाव लड़ेंगे, वहीं जगद्दल से रजेश कुमार, नोआपारा से अर्जुन सिंह और बैरकपुर से कौस्तुभ बागची भी चुनावी दौड़ में हैं।

कांग्रेस ने वीबीएसए विधेयक को संघीय ढांचे का उल्लंघन बताया

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उच्च शिक्षा नियामक ढांचे में प्रस्तावित बदलावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि संसद की स्थायी समिति की रिपोर्ट में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) जैसी प्रमुख संस्थाओं में बड़ी संख्या में रिक्त पदों का खुलासा हुआ है। ऐसे समय में सरकार द्वारा लाया गया विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान (वीबीएसए) विधेयक-2025 चिंताजनक है। कांग्रेस महासचिव (संचार) एवं सांसद जयराम रमेश ने पार्टी का आधिकारिक पत्र जारी करते हुए कहा कि पार्टी को इस विधेयक के मौजूदा स्वरूप पर 7 आपत्तियां हैं। शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची में है, लेकिन इस विधेयक के मसौदे में राज्य सरकारों से कोई परामर्श नहीं किया गया। यह संघीय ढांचे का उल्लंघन है। पत्र में कहा गया है कि विधेयक में अनुदान देने वाली परिषद का प्रावधान नहीं है, जबकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में इसका स्पष्ट उल्लेख था। इससे अनुदान देने की शक्ति अकादमिक संस्थाओं से निकलकर मंत्रालय के हाथों में चली जाएगी।

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूलों के स्टाफ को उनका बनता हक देने के लिए वचनबद्धः कालका, काहलों

नई दिल्ली, 19 मार्च। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका और जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों ने कहा है कि कमेटी गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूलों के स्टाफ का एक-एक रुपया देने के लिए वचनबद्ध है और इसके लिए हमने जो एमओयू साइन किया है, उसके अनुसार एक-एक पैसा स्टाफ को दिया जाएगा। आज यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए सरदार हरमीत सिंह कालका और सरदार जगदीप सिंह काहलों ने भरोसा दिलाया कि हम इस पूरे मामले को हल करने के लिए प्रयासरत हैं और

962 में से 919 स्टाफ सदस्यों ने साबित कर दिया है कि वे हमारे साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने दिए भरोसे के अनुसार हर हाल में बकाया राशि देंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी द्वारा किए गए प्रयासों के चलते 7वें वेतन आयोग के अनुसार 38 प्रतिशत वेतन स्टाफ के खातों में पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने की जिम्मेदारी कमेटी की है, जिसके लिए हम पूरी गंभीरता से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम हर हाल में संगत के सहयोग से न केवल गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूलों को सफल बनाएंगे बल्कि गुरुद्वारा प्रबंधन तथा स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्रों में भी सफलता के साथ काम करेंगे। उन्होंने कहा कि यह कमेटी के लिए बहुत बड़ी बात है कि गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूलों के स्टाफ के बड़ी संख्या में सदस्यों ने हम पर भरोसा जताया है और हम अदालत के आदेशों के अनुसार हर कर्मचारी को उसका हक देने के लिए वचनबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि चाहे विरोधी कितना भी दुष्प्रचार करें, हमारा काम केवल अच्छा प्रबंधन देना है और हम उसी दिशा में काम कर रहे हैं।

पाकिस्तान को अमेरिकी खुफिया प्रमुख ने बताया खतरा

भारत ने कहा-इतिहास इसकी गवाही देता है

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को लेकर दुनिया को आगाह किया है। भारत का कहना है कि पाकिस्तान का इतिहास परमाणु हथियारों के प्रसार का रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का यह बयान अमेरिकी खुफिया एजेंसी की प्रमुख की तरफ से पाकिस्तान से संभावित खतरे को लेकर दिए गए बयान पर आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को

साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में एक प्रश्न के उत्तर में पड़ोसी देश पर निशाना साधा। उन्होंने पाकिस्तान के गुप्त परमाणु प्रसार के दस्तावेजी इतिहास पर प्रकाश डाला और कहा कि पाकिस्तान का गुप्त परमाणु प्रसार का इतिहास रहा है और इस तरह के बयान एक बार फिर यह स्पष्ट करते हैं कि उनके गुप्त परमाणु अभियानों के कारण वे दुनिया के लिए किस तरह का खतरा पैदा करते हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया (डीएनआई) के निदेशक के रूप में तुलसी गैबार्ड ने सीनेट की खुफिया मामलों की चयन समिति (एसएससीआई) के समक्ष बयान दिए। उन्होंने अमेरिका को होने वाले खतरे का आकलन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि खुफिया विभाग का आकलन है कि रूस, चीन, उत्तर कोरिया, ईरान और पाकिस्तान परमाणु और पारंपरिक पेलोड से लैस कई प्रकार की नवीन, उन्नत या पारंपरिक मिसाइल वितरण प्रणालियों पर शोध और विकास कर रहे हैं, जो हमारी धरती को खतरे की सीमा में ला सकती हैं।

'संघ की अच्छाई को विरोधी और कम्युनिस्ट भी स्वीकार करते हैं' : मोहन भागवत

एजेंसी

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने गुरुवार को नागपुर में कहा कि अब विरोधी और कम्युनिस्ट भी संघ की अच्छाई को स्वीकार करने लगे हैं। सरसंघचालक डॉ. भागवत आज महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और डॉ. विलास डांगरे की मौजूदगी में स्थानीय सुरेश भट्ट सभागार में आयोजित एक साक्षात्कार कार्यक्रम में बोल रहे थे। सरसंघचालक ने कहा कि परस्पर प्रेम और आत्मीयता के कारण ही संघ और उसका कार्य बढ़ा है। जब तक दो व्यक्ति एक-दूसरे से मिलते रहेंगे, तब तक संघ समाप्त नहीं होगा। अब विरोधी और कम्युनिस्ट भी संघ की अच्छाई को स्वीकार करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि अनुकूलता एक बड़ी चुनौती होती है और पतन की शुरुआत भी अनुकूलता से ही होती है। अभी तक संघ का स्वयंसेवक प्रसिद्धि के अनुरूप नहीं बना है और ऐसा न हो, इसके प्रयास भी किए जा रहे हैं। अनुकूल परिस्थितियों में कार्य कैसे किया जाए, यह विषय बौद्धिक वर्ग में चर्चा का विषय होता है। स्वयंसेवकों को अनुकूलता का दुष्प्रभाव न हो, इस पर विचार और प्रयास निरंतर जारी हैं। संघ प्रमुख ने बताया कि पिछले 100 वर्षों में संघ का कार्य व्यापक हुआ है, इसलिए संरचना का विकेंद्रीकरण आवश्यक हो गया। कार्य के दौरान कई बार शासन-प्रशासन से संपर्क होता है, इसलिए अलग व्यवस्था की आवश्यकता महसूस हुई। इसी विचार से प्रांत के स्थान पर अब 'विभाग' की संरचना बनाई गई है। लोगों से मित्रता स्थापित करना और अपने उदाहरण से परिवर्तन लाना ही संघ की कार्यपद्धति है। समय के अनुसार स्वरूप बदलता है, परंतु कार्यपद्धति वही रहती है। सरसंघचालक ने कहा कि संघ के प्रारंभिक काल में परिस्थितियां और चुनौतियां भिन्न थीं। विभाजन के समय हिंदुओं के विरुद्ध दंगे होते थे।

कानपुर में ट्रेन ट्रैक पर जला एलपीजी सिलेंडर मिला, यात्रियों में दहशत

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर कैंटोनमेंट इलाके में बुधवार शाम लगभग 7:30 बजे दिल्ली-प्रयागराज रेल मार्ग पर एक छोटा एलपीजी सिलेंडर जल गया। यह घटना कानपुर सेंट्रल स्टेशन से लगभग दो किलोमीटर दूर सुनसान इलाके में हुई। पांच किलो का सिलेंडर ट्रैक से लगभग सात फीट दूर मिला। स्थानीय निवासियों ने आग पर पुलिस और आरपीएफ के आने से पहले ही काबू पा लिया। पुलिस के अनुसार, सिलेंडर महाबोधि एक्सप्रेस से गिरा हो सकता है और गैस रिसाव के कारण उसमें आग लग गई। घटनास्थल से अधजला बोरा बरामद हुआ, जिसमें बर्तन, मोबाइल फोन और प्रतापगढ़ निवासी ओम प्रकाश मिश्रा का आधार कार्ड मिला। डीसीपी (ईस्ट) सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि मिश्रा दिल्ली में सुरक्षा गार्ड हैं और घर लौट रहे थे। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मामले की गहन जांच कर रही हैं। शुरुआती आकलन इसे हादसा मान रहा है, लेकिन शराब सेवन, लापरवाही या संभावित साजिश के पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

वर्धा रोड फ्लाईओवर पर चलती कार बनी आग का गोला, चालक ने कूदकर बचाई जान

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर में वर्धा रोड स्थित जयप्रकाश मेट्रो स्टेशन के पास डबलडेकर फ्लाईओवर पर बुधवार रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। एक चलती कार में अचानक भीषण आग लग गई, जिसके बाद देखते ही देखते पूरी गाड़ी धू-धू कर जल उठी। गनीमत यह रही कि कार चला रहे युवक ने समय रहते सूझबूझ दिखाई और गाड़ी से बाहर कूदकर अपनी जान बचा ली। जानकारी के अनुसार, यशोधरानगर निवासी अमजद खान उर्फ इमरान खान अपने एक रिश्तेदार से मुलाकात कर घर वापस लौट रहे थे। जब उनकी कार राजीव नगर के पास फ्लाईओवर पर पहुंची, तो अचानक बोनट से धुआं निकलने लगा। खतरे को भांपते हुए उन्होंने तुरंत गाड़ी रोकने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान कार के दरवाजे (सेंट्रल लॉकिंग) जाम हो गए। अमजद ने कड़ी मशक्कत के बाद खुद को सुरक्षित बाहर निकाला। उनके बाहर निकलते ही कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना के कारण फ्लाईओवर पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सुरक्षा के मद्देनजर यातायात को कुछ समय के लिए रोक दिया गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग के बेसा-पिपला और नरेंद्रनगर केंद्रों से दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि कार डीजल इंजन वाली थी और संभवत: शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी होगी। हालांकि, आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस और विशेषज्ञ जांच में जुटे हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और यातायात को सुचारू कर दिया गया है।

सिंगरौली में शराब पीकर स्कूल आने वाला शिक्षक निलंबित

सिंगरोली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में शिक्षा व्यवस्था को शर्मसार करने वाली एक तस्वीर सामने आई है। आरोप है कि सरकारी प्राथमिक पाठशाला में पदस्थ शिक्षक हर रोज शराब पीकर स्कूल पहुंचता है और हाजिरी लगाकर घर लौट जाता है। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने शिक्षक को निलंबत कर दिया है। लोगों का कहना है कि स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों का भविष्य दांव पर लगा है। शराबी शिक्षक के डर और पढ़ाई न होने की वजह से आधे से अधिक छात्रों ने स्कूल जाना छोड़ दिया है। पूरा मामला बरगवां थाना क्षेत्र स्थित शासकीय प्राथमिक पाठशाला मझौली टोला मजगवां सेकेंड का है। यहां शिक्षक लखपति सिंह पदस्थ हैं। इस स्कूल में कुल 25-30 बच्चे हैं, शिक्षक हर रोज शराब पीकर स्कूल आते हैं और अपनी हाजिरी लगाकर वापस घर लौट जाते हैं। आरोप है कि आरोपी शिक्षक लखपति जब तक स्कूल में होते हैं तब शराब के नशे में बच्चों के साथ बदतमीजी करते हैं। इस कारण आधे से अधिक छात्रों ने स्कूल जाना छोड़ दिया है। बच्चों के अभिभावक और स्थानीय निवासियों ने बताया कि लखपति सिंह सालों से शराब पीकर स्कूल आ रहे हैं। इससे बच्चों का भविष्य बर्बाद हो रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी एसबी सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है। शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है।

हरियाणा कांग्रेस में आंतरिक खींचतान, क्रॉस वोटिंग पर उठे सवाल

अंबाला (एजेंसी)। हरियाणा राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग को लेकर कांग्रेस के अंदरूनी मतभेद अब सार्वजनिक हो गए हैं। पूर्व प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष रामकिशन गुर्जर चौधरी ने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में प्रेस वार्ता करते हुए पार्टी नेतृत्व और नेताओं पर सीधे निशाना साधा। गुर्जर ने विधायक शैली चौधरी पर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह खारिज किया और कहा कि बिना सबूत किसी की छवि को नुकसान पहुंचाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि जरूरत पड़ी तो गीता भुक्कल को लीगल नोटिस भेजा जा सकता है। गुर्जर ने पार्टी में चापलूसी बढ़ाने वालों की निंदा की और क्रॉस वोटिंग के आरोपों पर सभी तथ्यों को सार्वजनिक करने की मांग की।

झारखंड में जादू टोने के शक में बुजुर्ग से मारपीट कर पेशाब पीने पर किया मजबूर

लातेहार (एजेंसी)। झारखंड के लातेहार जिले में ग्रामीणों ने एक बुजुर्ग व्यक्ति को 'जादू टोना करने वाला' करार देने के बाद उसे पेशाब पीने के लिए मजबूर किया। पीड़ित के बेटे बृजेश मुंडा ने आरोप लगाते हुए कहा कि यह घटना मंगलवार को नेतरहाट पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दौना गांव में हुई। बेटे ने बताया कि ग्रामीणों ने पीड़ित की पत्नी के साथ भी ऐसा ही करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने इसका विरोध किया। वहीं, एक स्वास्थ्यकर्मी को ग्रामीणों की इस हरकत का विरोध करने पर पीटा गया और वहां से भगा दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बृजेश मुंडा ने दावा किया है कि यह हमला हाल में एक सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत के बाद हुआ, जिसमें ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यह उसके पिता के काले जादू के कारण हुआ था। इसके बाद तकरीबन 15 ग्रामीणों के एक समूह ने बैठक बुलाई और कथित हमले से पहले उसके पिता को जादू टोना करने वाला करार दिया। वहीं एक स्वास्थ्यकर्मी के पति ने दावा किया कि इस घटना के दौरान उनकी पत्नी को पीटा गया। बृजेश मुंडा ने आरोप लगाया है कि बुधवार को पीड़ित ने पुलिस से संपर्क किया, लेकिन उसे वापस भेज दिया गया।

दुनिया ईरान-अमेरिका जंग में उलझी...इधर भारत ने कर दिया कमाल, पड़ोसी पाकिस्तान की जान हल्क में

-पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट के दो प्रोडक्शन बेंचों का सफल परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ओर मिडिल ईस्ट में ईरान की इजराइल और अमेरिका के साथ बेहद खतरनाक जंग जारी है। मिसाइलें, ड्रोन और एयर स्ट्राइक हर दिन हालात और ज्यादा गंभीर बना रहे हैं। लेकिन इसी बीच भारत ने चुपचाप एक ऐसा कदम उठाया हैं, जिसने पूरी दुनिया को दो टूक संदेश दिया कि भारत अब सिर्फ देख नहीं रहा बल्कि पूरी तैयारी में है। भारत ने पहली बार पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट के दो प्रोडक्शन बेंचों का सफल परीक्षण किया है। इस ऐतिहासिक परीक्षण को राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में अंजाम दिया गया। वहीं पोखरण जहां भारत ने अपने परमाणु परीक्षणों से दुनिया को चौंका दिया था और अब उसी धरती से फिर भारत की ताकत की गूंज सुनाई दे रही है। इस टेस्ट में कुल 24 पिनाका एनहांस रॉकेट लांच किए गए। इस परिक्षण के बाद पड़ोसी आंतकी मुल्क पाकिस्तान की हल्क में जान आ गई है।

इनका उद्देश्य था इनकी सटीकता, निरंतरता और मारक क्षमता को परखना और रिपोर्ट्स के मुताबिक इन रॉकेट्स ने हर पैरामीटर पर शानदार प्रदर्शन किया। अब सवाल उठता है कि यह पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट आखिर है क्या? दरअसल पिनाका एक मल्टीबैरल रॉकेट लांच सिस्टम है, जो कि पूरी तरह भारत में विकसित किया गया है। यह सिस्टम कुछ ही सेकंड में दर्जनों रॉकेट दाग सकता है और दुश्मन के बड़े इलाके को तबाह कर सकता है। लेकिन इस नए वर्जन यानी कि एक्सटेंडेड रेंज की खास बात यह है कि इसकी मारक क्षमता पहले से कहीं ज्यादा बढ़ा दी गई है। जहां पहले इसकी रेंज करीब 40 कि.मी.थी, वहीं अब 70 से 90 कि.मी. तक सटीक वार कर सकता है। यानी अब भारतीय सेना दुश्मन को दूर से और ज्यादा सटीक तरीके से निशाना बना सकती है। और सबसे बड़ी बात यह टेस्ट सिर्फ एक प्रोटोटाइप का नहीं था बल्कि दो अलग-अलग प्रोडक्शन बेंचों का था। इसका मतलब होता है कि अब यह टेक्नोलॉजी सिर्फ लैब तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए तैयार है।

इस पूरे परीक्षण को निजी डिफेंस कंपनी सोलार ग्रुप ने अंजाम दिया। यह दिखाता है कि भारत में प्राइवेट सेक्टर भी अब डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। अब जरा इस खबर को ग्लोबल परिपेक से समझिए। एक तरफ ईरान और इजराइल के बीच तनाव चरम पर है। अमेरिका भी संघर्ष में सीधे शामिल है। पूरी दुनिया में युद्ध जैसे हालात बनते जा रहे हैं। इसके बाद भारत का यह परीक्षण सिर्फ एक सैन्य उपलब्धि नहीं बल्कि एक रणनीतिक संदेश है। संदेश यह है कि भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार है। संदेश यह है कि भारत अब किसी पर निर्भर नहीं है और संदेश यह है कि भारत अब टेक्नोलॉजी और ताकत दोनों में तेजी से आगे बढ़ चुका है। बता दें, आधुनिक युद्ध सिर्फ सैनिकों की संख्या से नहीं जीते जाते। आज की लड़ाई टेक्नोलॉजी सटीकता और दूरी से लड़ी जाती है और पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट इसी नई युद्ध नीति का सबसे बड़ा हिस्सा है। खैर आज जब दुनिया में हर तरफ अनिश्चितता है।

हिमाचल बजट सत्र : सुक्खू सरकार के पास जनता को बताने के लिए कोई उपलब्धियां नहीं

-नेता प्रतिपक्ष ने सरकार की नीतियों, कार्यप्रणाली और कार्यकाल को लेकर साधा निशाना

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विपक्ष ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व सीएम जयराम ठाकुर ने सरकार की नीतियों, कार्यप्रणाली और तीन साल के कार्यकाल पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इस बार सरकार के पास जनता को बताने के लिए कोई उपलब्धियां नहीं हैं और पूरा भाषण आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रहा। सरकार लगातार केंद्र सरकार को कोस रही है जबकि बीजेपी के कार्यकाल में परिस्थितियां बिल्कुल अलग थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयराम ठाकुर ने कहा कि बीते चार साल में सरकार कोई बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं की है। प्रदेश में नई योजनाओं का अभाव रहा और कई संस्थान बंद कर दिए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य पर कर्ज बढ़कर करीब एक लाख 10 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गया है लेकिन इसके बावजूद जमीन पर कोई विकास कार्य नजर नहीं आ रहे हैं। पिछली सरकार पर ठेकेदारों को खुश करने के आरोपों का जवाब देते हुए जयराम ने कहा कि उस समय बनाए गए भवन जनता की मांग और विधायकों की सिफारिश पर बने थे। विपक्ष ने सवाल उठाया कि जिन उद्देश्यों के लिए ये भवन बनाए गए थे वर्तमान सरकार उन्हें पूरा क्यों नहीं कर रही और कई संस्थानों को बंद क्यों किया गया। संदिग्ध सत्यनिष्ठा वाले अधिकारियों के मुद्दे पर विपक्ष ने सरकार को घेरा। जयराम ठाकुर ने कहा कि ऐसे अधिकारियों को सेवा विस्तार नहीं दिया जाना चाहिए था। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि विस्तार के बाद इन अधिकारियों को जो जिम्मेदारियां दी गईं क्या उन्होंने उन्हें ईमानदारी से निभाया। राजनीतिक माहौल पर तंज कसते हुए जयराम ने सीएम सुक्खू के बयान पर पलटवार किया और कहा कि वे किसी तनाव में नहीं हैं बल्कि सीएम खुद चिंता में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के भीतर ही मंत्री यह कह रहे हैं कि सरकार बनने का श्रेय किसी और को जाता है और उपमुख्यमंत्री की भूमिका को लेकर भी बयानबाजी हो रही है।

शिवसेना (यूबीटी) के आधे से ज्यादा सांसद शिंदे के संपर्क में, बदलना चाहते हैं दल

-एकनाथ शिंदे के दिल्ली से ऑपरेशन टाइगर की चर्चा, उद्धव गुट में बढ़ी बेचैनी!

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की सियासत में क्या डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे एक बार खेला करने जा रहे हैं? शिंदे के दिल्ली दौरे से महाराष्ट्र में ऑपरेशन टाइगर की चर्चा तेज हो गई है, जिसे लेकर उद्धव ठाकरे गुट में बेचैनी बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि उद्धव के आधे से ज्यादा सांसद शिंदे गुट का दामन थाम सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि शिवसेना (यूबीटी) के आधे से ज्यादा सांसद डिप्टी सीएम एकनाथ शिंद के संपर्क में है और दल बदलने के लिए तैयार का रहे हैं। शिंदे का यह कदम उस बड़े मिशन का हिस्सा है, जिसका मकसद अपनी पार्टी की ताकत बढ़ाना और संसद में अपने सदस्यों की संख्या बढ़ाना है। महाराष्ट्र की राजनीति में फिर से बड़े बदलाव की संभावना जताई जा रही है। शिंदे के तीन दिवसीय दिल्ली दौरे ने उद्धव ठाकरे गुट की बेचैनी को बढ़ा दिया है। हालांकि, शिंदे के साथ दिल्ली दौरे पर मौजूद रहे उदय सामंत ने कहा कि यह दौरा पूरी तरह से सांसदों के साथ संवाद और मार्ग दर्शन के लिए था।

रिपोर्ट के मुताबिक डिप्टी सीएम एकनाथ ने अपने दिल्ली दौरे पर सबसे पहले संसद भवन पहुंचे। संसद भवन में पीएम मोदी से मुलाकात की और उसके केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भी मिले थे। सूत्रों की माने तो उद्धव ठाकरे के 9 लोकसभा सांसदों में से आधे से ज्यादा सांसद डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के संपर्क में है और पाला बदलने के इच्छुक हैं। शिवसेना के सूत्रों ने बताया है कि दिल्ली यात्रा के दौरान एकनाथ शिंदे ने अपने सांसदों के साथ पीएम मोदी से मुलाकात की और इस दौरान उन्होंने उद्धव गुट के सांसदों के पाला बदलने के मुद्दे पर चर्चा की। ऐसे शिंदे ने दिल्ली दौरे पर कानूनी विशेषज्ञों से इस संबंध में राय भी ली है। इसके बाद से ऑपरेशन टाइगर की चर्चा तेज हो गई।

बंगाल चुनाव से पहले चुनाव आयोग का बड़ा एक्शन, 40 से ज्यादा अफसरों का तबादला

शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर पुलिस महकमे तक व्यापक फेरबदल, राजनीतिक माहौल गरमाया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की घोषणा के तुरंत बाद निर्वाचन आयोग ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाते हुए राज्य में व्यापक फेरबदल किया है। अब तक 40 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों को उनके पदों से हटाया या स्थानांतरित किया जा चुका है, जिसे लेकर अब राजनीतिक गलियारे में भी हड़कंप मचा हुआ है।

राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा को उनके पदों से हटाकर चुनाव से जुड़े कार्यों से दूर कर दिया गया है। उनकी जगह दुश्मंता नरिवाला को नया मुख्य सचिव और संगमित्रा घोष को गृह सचिव नियुक्त किया गया है। प्रशासनिक स्तर पर इतनी तेजी से बदलाव को राज्य के इतिहास में दुर्लभ माना जा रहा है।

यह कार्रवाई केवल शीर्ष अधिकारियों तक सीमित नहीं रही। पुलिस विभाग में भी बड़े पैमाने पर तबादले किए गए हैं। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), कानून-व्यवस्था के महानिदेशक, दक्षिण बंगाल के अतिरिक्त महानिदेशक और उत्तर बंगाल के महानिरीक्षक सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों को बदला गया है। इसके साथ ही बैरकपुर, हावड़ा, आसनसोल और चंदननगर जैसे प्रमुख शहरों के पुलिस आयुक्तों का भी स्थानांतरण किया गया है।

क्षेत्रीय स्तर पर भी इसका व्यापक असर देखने को मिला है। मुर्शिदाबाद, बर्दवान, प्रेसिडेंसी रेंज, रायगंज और जलपाईगुड़ी के पांच डीआईजी को हटाया गया है, जबकि कूचबिहार, बीरभूम, हुगली ग्रामीण, मालदा और पूर्व-पश्चिम मेदिनीपुर समेत 12 जिलों के पुलिस अधीक्षकों का तबादला किया गया है। साथ ही 15 आईपीएस अधिकारियों को अन्य राज्यों में चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है।

राजनीतिक मोर्चे पर भी इस कार्रवाई को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने जहां चुनावी जीत का दावा किया है, वहीं ममता बनर्जी ने आयोग की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम बीजेपी के इशारे पर उठाया गया है। वहीं बीजेपी ने चुनाव आयोग के इस फैसले का समर्थन किया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि राज्य में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराने के लिए ऐसे कदम जरूरी थे।

चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि उसका उद्देश्य केवल स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव सुनिश्चित करना है। आयोग के अनुसार, इन बदलावों से प्रशासनिक निष्पक्षता बनी रहेगी और मतदाताओं का भरोसा मजबूत होगा। पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले हुआ यह बड़ा प्रशासनिक फेरबदल आने वाले दिनों में राज्य की राजनीति और चुनावी रणनीतियों पर गहरा असर डाल सकता है।

भारत निर्वाचन आयोग
Election Commission of India

सोनिया गांधी पर भड़के कांग्रेस नेता थरुर कहा- जंग पर सरकार की चुप्पी मोरल सरेंडर नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरुर लगातार कांग्रेस के खिलाफ बयान दे रहे हैं। कई मौकों पर उन्होंने तंस भी कसे हैं। इस बार कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी पर पलटवार किया है। सोनिया गांधी ने हाल ही में एक लेख के माध्यम से सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन और उसके राष्ट्राध्यक्ष की हत्या पर नई दिल्ली की खामोशी भारत की विदेश नीति की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के पक्ष में खड़े होने के अवसर को गंवाने जैसा बताया था। इसके जवाब में थरुर ने कहा है कि जंग पर सरकार की चुप्पी मोरल सरेंडर नहीं हो सकती।

पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष और ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद भारत सरकार के रुख को लेकर देश की राजनीति में नई बहस छिड़ गई है। विशेष रूप से कांग्रेस पार्टी के भीतर इस मुद्दे पर अलग-अलग राय सामने आ रही है। जहाँ पार्टी की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने सरकार की चुप्पी की तीखी आलोचना की है, वहीं तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने सरकार के इस कदम को एक सोची-समझी और जिम्मेदार कूटनीति (रिस्पॉन्सिबल स्टेटक्राफ्ट) करार दिया है।

हालांकि, पूर्व राजनयिक और कांग्रेस नेता शशि थरूर ने इस आलोचना से असहमति जताते हुए एक अलग दृष्टिकोण पेश किया है। थरूर का तर्क है कि भारत की चुप्पी कोई नैतिक आत्मसमर्पण नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अपनाया गया एक व्यावहारिक संतुलन है। उनके अनुसार, विदेश नीति केवल नैतिक भाषणबाजी का मंच नहीं है, बल्कि यह सिद्धांतों और शक्ति के बीच संतुलन साधने का क्षेत्र है। थरूर ने ऐतिहासिक उदाहरण देते हुए स्पष्ट किया कि भारत ने अतीत में भी कई बार राष्ट्रीय हितों के चलते चुप्पी साधी है, जैसे 1956 में हंगरी या 1979 में अफगानिस्तान में सोवियत हस्तक्षेप के दौरान। उन्होंने खाड़ी क्षेत्र की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि वहां 90 लाख भारतीय कार्यरत हैं और हमारा 200 अरब डॉलर का व्यापार उसी क्षेत्र पर निर्भर है। ऐसे में किसी एक पक्ष के खिलाफ कड़ा सार्वजनिक रुख अपनाना भारत की ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक हितों को प्रभावित कर सकता है। सांसद थरूर ने यह भी रेखांकित किया कि मौजूदा वैश्विक हालातों और अमेरिका के साथ रक्षा व तकनीकी साझेदारी को देखते हुए भारत का संयम ही उसकी असली ताकत है। उन्होंने कहा कि चुप्पी का मतलब युद्ध का समर्थन करना नहीं, बल्कि अनावश्यक टकराव से बचते हुए कूटनीतिक संवाद के रास्ते खुले रखना है।

नौसेना अलर्ट, भारत ने ऊर्जा सुरक्षा के लिए खाड़ी क्षेत्र में युद्धपोतों की तैनाती बढ़ाई

नई दिल्ली(एजेंसी)। पश्चिम एशिया में गहराते सैन्य संकट और युद्ध के बीच वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माने जाने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव चरम पर पहुंच गया है। इस संवेदनशील समुद्री मार्ग पर बढ़ते खतरों को देखते हुए भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। भारतीय नौसेना ने खाड़ी क्षेत्र में अपने युद्धपोतों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है, ताकि कच्चे तेल और गैस लेकर आने वाले भारतीय जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया जा सके।

रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस जलमार्ग के एक तरफ फारस की खाड़ी और दूसरी ओर ओमान की खाड़ी स्थित है। भारत अपनी तेल और गैस की जरूरतों के लिए कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों पर निर्भर है, जिनके टैंकर इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं। वर्तमान में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते टकराव के कारण इस मार्ग पर आवाजाही लगभग ठप हो गई है, जिससे भारत के करीब 22 व्यापारिक जहाज वहां फंसे हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नौसेना ने वहां मौजूद तीन युद्धपोतों के साथ अतिरिक्त जहाजों को तैनात करने का निर्णय लिया है, जिससे कुल संख्या छह से सात तक हो जाएगी। भारतीय नौसेना यह मिशन ऑपरेशन संकल्प के तहत चला रही है। इस अभियान की शुरुआत वर्ष 2019 में समुद्री सुरक्षा और भारतीय व्यापारिक जहाजों में भरोसा बनाए रखने के उद्देश्य से की गई थी। नौसेना की इस मुस्तैदी का सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिला है। हाल ही में शिवालिक और नंदा देवी नामक दो एलपीजी जहाजों को करीब 92,712 मीट्रिक टन गैस के साथ सुरक्षित भारतीय तटों तक पहुँचाया गया है। इसके अलावा, एक भारतीय युद्धपोत ने हाल ही में यूएई के फुजैरा पोर्ट से निकले तेल टैंकर को एस्कॉर्ट कर सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराया। उल्लेखनीय है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से वैश्विक कच्चे तेल की लगभग 20 प्रतिशत आपूर्ति होती है। ऐसे में भारत की यह सैन्य तैनाती न केवल राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अनिवार्य है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मार्गों में स्थिरता बनाए रखने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। नौसेना अदन की खाड़ी में भी 2008 से लगातार एंटी-पायरेसी मिशन चला रही है, जो समुद्र में भारत की बढ़ती शक्ति और जिम्मेदारी को दर्शाता है।

15 अप्रैल तक बन सकती है बिहार में नई सरकार, नीतीश कुमार यात्रा खत्म होते ही देंगे इस्तीफा

-बिहार का सीएम बीजेपी से ही होगा! शाह और केंद्रीय नेताओं की पसंद सम्राट चौधरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीतीश कुमार के राज्यसभा का सदस्य निर्वाचित होते ही सीएम पद से उनके इस्तीफे का काउंट डाउन शुरू हो गया है। उनके इस्तीफे की तारीख का अनुमान भी लोग लगाने लगे हैं। सीएम पद छोड़ने में थोड़ा वक्त लग सकता है लेकिन इतना तय है कि 15 अप्रैल तक वे सीएम पद से भी इस्तीफा दे देंगे। जन प्रतिनिधित्व कानून के मुताबिक कोई व्यक्ति एक साथ दो सदनों का सदस्य नहीं रह सकता। एक सदन का सदस्य रहते कोई दूसरे सदन का सदस्य निर्वाचित होता है तो उसे एक सदन से 14 दिनों के अंदर इस्तीफा देना होता है।

नीतीश कुमार राज्यसभा के लिए 16 मार्च को निर्वाचित हुए हैं। वे किस सदन का सदस्य रहेंगे, अब उन्हें तय करना है लेकिन हर हाल में उन्हें 14 दिनों के अंदर ही यह फैसला करना होगा। नीतीश के संदर्भ में वह तारीख 30 मार्च होगी। वे पहले से बिहार विधान परिषद के सदस्य हैं। अनुमान है कि नीतीश अपनी चल रही समृद्धि यात्रा खत्म होते ही इस्तीफा दे देंगे। हालांकि वे चाहें तो विधान परिषद से इस्तीफे के बाद भी 6 महीने तक सीएम पद पर बने रह सकते हैं। नीतीश के सीएम पद छोड़ने पर बीजेपी से नया सीएम बनना तय है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिहार में बीजेपी का सीएम बनना ऐतिहासिक पल होगा। बिहार में पहली बार बीजेपी का नेता सीएम बनेगा। बीजेपी की सालों पुरानी मुराद अब पूरी होने जा रही है। 2005 से नीतीश कुमार की अगुवाई में एनडीए सरकार चल रही है, मुख्यमंत्री हमेशा जेडीयू से ही रहा है। बीजेपी दो मौकों पर सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद सीएम पद से वंचित रही। अब नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले के साथ बीजेपी का यह लंबा इंतजार खत्म होने वाला है। 2020 में बीजेपी विधायकों की संख्या जेडीयू से ज्यादा थी। तब भी सीएम नीतीश कुमार ही बने थे। तब बीजेपी के 80 तो जेडीयू के 43 विधायक थे। 2025 में भी बीजेपी ने दूसरी बार जेडीयू से ज्यादा सीटें जीतीं। इसके बावजूद गठबंधन की शर्तों के मुताबिक बीजेपी ने सीएम की कुर्सी जेडीयू को ही सोंप दी। नीतीश ने 10वीं बार सीएम पद की शपथ ली। अब चूंकि नीतीश राज्यसभा के लिए चुन लिए गए हैं, इसलिए बीजेपी का सीएम बनना तय है।

बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व चाहता है कि नीतीश कुमार पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव शुरू होने के पहले सीएम की कुर्सी छोड़ दें। बिहार में बीजेपी का मुख्यमंत्री बनना पार्टी के लिए बंगाल में मनोबल बढ़ाने वाला होगा। बंगाल में बीजेपी पिछड़ा और अन्य वर्गों को साधने की कोशिश कर रही है, पिछड़े वर्ग के नेता का सीएम बनने बंगाल में भी संदेश जाएगा। नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना और बीजेपी का सीएम बनना एनडीए की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। वहीं विपक्षी महागठबंधन इसे बीजेपी की साजिश बता रहा है, लेकिन एनडीए इसे विकास और स्थिरता का प्रतीक मान रहा है।

नीतीश के इस्तीफे के बाद सीएम की रेस में कई नाम चर्चा में हैं। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय भी पिछड़ा वर्ग से आते हैं। यादव समाज की 14 फीसदी आबादी को देखते हुए उनके नाम की चर्चा हो रही है। वे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के विश्वासपात्र भी माने जाते हैं। उन्हें सीएम बनाया जाता है तो वे आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव की काट साबित होंगे। उनके अलावा पिछड़े वर्ग से आने वाले दिलीप जायसवाल के नाम की भी चर्चा है। बीजेपी ने अगर सवर्ण समाज से किसी को सीएम की कुर्सी सौंपने का मन बनाया तो विजय सिन्हा का नाम भी हो सकता है। वे अभी डेप्युटी सीएम हैं। इन सभी नामों के अलावा डेप्युटी सीएम सम्राट चौधरी का नाम सबसे अधिक चर्चा में है।

सम्राट चौधरी के नाम पर भाजपा में सहमति बनने की संभावना अधिक दिख रही है। बीजेपी ने उन्हें ओबीसी चेहरा बना कर पेश किया है, जो बिहार की जातीय समीकरण में अहम है। नीतीश कुमार के ईबीसी और दलित वोट बैंक को बनाए रखने के लिए सम्राट जैसे नेता की ही जरूरत है। अमित शाह और अन्य केंद्रीय नेताओं की पसंद भी सम्राट चौधरी ही हैं।

राजनीतिक गलियारे में यह चर्चा जोरों पर है कि 15 अप्रैल के पहले बिहार में नई सरकार बन जाएगी। बंगाल में उसके बाद विधानसभा के चुनाव शुरू होंगे। बंगाल की जनता को साधने के लिए बीजेपी ने पहले नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया है। बंगाल में कायस्थ इंटलेक्चुअल समाज का हिस्सा माने जाते हैं। नबीन कायस्थ बिरादरी से ही आते हैं। बंगाल के पिछड़े वोटरों को ध्यान में रख कर बीजेपी सम्राट के जरिए संदेश देना चाहेगी कि वह उनकी हितैषी है। बीजेपी का जोर युवा नेतृत्व पर भी बढ़ा है।

वित्त मंत्रालय
MINISTRY OF FINANCE

सत्यमेव जयते

INCOME TAX DEPARTMENT

सरल कर व्यवस्था के माध्यम से विकसित भारत की ओर

आयकर अधिनियम, 2025

01 अप्रैल, 2026 से लागू

इस समय देश का लक्ष्य है-
विकसित भारत, सशक्त भारत!
हमें तब तक नहीं रुकना है, जब तक
विकसित भारत का यह सपना पूरा न हो जाए।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

प्रारंभ 2026

आयकर अधिनियम 2025 पर
राष्ट्रस्तरीय जागरूकता अभियान का शुभारंभ

उद्घाटन

श्रीमती निर्मला सीतारामन
माननीया केन्द्रीय वित्त और कॉर्पोरेट कार्य मंत्री

20 मार्च 2026 | विज्ञान भवन, नई दिल्ली

हितधारक

आयकर विभाग	औद्योगिक संस्थान /व्यापार संघ/ICAI/ICMAI/ तकनीकी विशेषज्ञ	करदाता

अभियान के मुख्य बिंदु

जन-संपर्क
अप्रैल-जून, 2026 के मध्य देश भर में 320 से अधिक जन-संपर्क सत्र।

शैक्षणिक सामग्री
नए अधिनियम, नियम और फॉर्मों पर शैक्षणिक सामग्री। इसमें मार्गदर्शन के लिए समावेशी प्रकृति के notes, Brochures और tutorials शामिल हैं।

विषय आधारित सत्र
जन-संपर्क के सत्रों और सोशल मीडिया हैंडल्स पर विशेषज्ञों के नेतृत्व में नियमित चर्चा।

जन-सहभागिता
My Gov पोर्टल पर आयकर अधिनयम 2025 पर आधारित देशव्यापी प्रश्नोत्तरी (Quiz) प्रतियोगिता और विजेताओं के लिए आकर्षक पुरस्कार।

CBC 15401/13/0016/2526

'Income Tax Website, 2.0' का विशेष लॉन्च

LIVE YouTube चैनल पर प्रसारण

आयकर विभाग
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिक जानकारी के लिए, कृपया www.incometaxindia.gov.in पर जाएं

@IncomeTaxIndia | @IncomeTaxIndia.Official | @IncomeTaxIndiaOfficial | @Income Tax India | @Income Tax India Official

सरकारी कार्य में कोताही बरतने व आदेश न मानने पर नगर निगम के दो जेई निलंबित

एजेंसी

पानीपत। पानीपत नगर निगम में प्रशासनिक कार्यों में कोताही बरतने व कमिश्नर के निर्देशों की अवहेलना और सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट 'म्हारी सड़क' पोर्टल पर नक्शा तैयार करने व ऐप पर शिकायतों में रुचि न लेने पर दो जूनियर इंजीनियरों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। एडिशनल कमिश्नर द्वारा जारी आदेशों के अनुसार दो जेई, शिवराज और राजकुमार को उनकी ड्यूटी में भारी लापरवाही के चलने के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया है। इस बारे में एडिशनल कमिश्नर विवेक चौधरी ने बुधवार को कहा कि इन दोनों को लेटर जारी कर 19 मार्च तक जवाब देने को कहा गया है। जवाब मिलने पर आगामी कार्रवाई शुरू की जाएगी। निलंबन आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निदेशालय स्तर पर समय-समय पर 'म्हारी सड़क' पोर्टल पर वार्डों का नक्शा तैयार करने के निर्देश दिए गए थे। नगर निगम कमिश्नर ने बैठकों और आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से बार-बार चेतावनी दी थी, लेकिन इन दोनों जूनियर इंजीनियरों ने कार्य में कोई रुचि नहीं दिखाई, इसी लापरवाही का नतीजा रहा कि पूरे हरियाणा में पानीपत नगर निगम का प्रदर्शन सबसे निचले स्तर पर पाया गया। फरवरी को चंडीगढ़ में आयुक्त एवं सचिव, शहरी स्थानीय निकाय विभाग की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में पानीपत के खराब प्रदर्शन पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई थी। इसके बावजूद, 16 मार्च को जब निदेशालय ने दोबारा समीक्षा की, तो इन दो अधिकारियों के कार्य में कोई प्रगति नहीं मिली।

बिजली बिल बकाया पर कनेक्शन काटा, विवाद गहराया

सोनीपत। जिले के भटगांव बिजली उपकार्यालय से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जहां गांव तिहाड़ कलां में बकाया बिजली बिल के कारण सरपंच का कनेक्शन काटे जाने के बाद विवाद उत्पन्न हो गया। जानकारी के अनुसार बिजली विभाग की टीम बकाया वसूली के लिए गांव में पहुंची थी। विभागीय नियमों के तहत जिन उपभोक्ताओं के छह माह से एक वर्ष तक बिल लंबित रहते हैं, उनके कनेक्शन अस्थायी रूप से काटे जाते हैं। इसी क्रम में सरपंच पर लगभग 25 हजार रुपये का बकाया होने के कारण उनका कनेक्शन भी काट दिया गया। इसके बाद कर्मचारियों के साथ विवाद की स्थिति बन गई और धमकी देने के आरोप सामने आए हैं। बिजली निगम के कनिष्ठ अभियंता वेदांत के नेतृत्व में टीम में चार लाइनमैन शामिल थे। आरोप है कि कार्रवाई के दौरान कर्मचारियों को डराने-धमकाने का प्रयास किया गया। इस घटना के बाद कर्मचारियों में असुरक्षा का माहौल बन गया है। बिजली निगम कर्मचारी संघ ने बुधवार को इस मामले को गंभीरता से लेते हुए विरोध जताया है। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि कर्मचारी एक ओर विभागीय दबाव में बकाया वसूली का कार्य कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हें क्षेत्र स्तर पर विरोध और धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी परिस्थितियों में कार्य करना कठिन हो गया है।

नगर निगम चुनाव के लिए मतदाता सूची पर आपत्तियां सुनी गई

सोनीपत। नगर निगम चुनाव-2026 के मद्देनजर तैयार की जा रही मतदाता सूची को लेकर उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुशील सारवान ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित करने से पूर्व अपनी आपत्तियां दर्ज करवाने के विषय पर बातचीत की। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि किसी भी राजनीति दल के प्रतिनिधि को अंतिम मतदाता सूची से संबंधी कोई आपति है। वह अपनी आपत्ति पर 19 मार्च तक अपील कर सकते हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रत्येक आपत्ति और दावे को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से आपतियों का हल किया जाएगा। उपायुक्त सुशील सारवान ने बुधवार को कहा कि मतदाता सूची चुनाव प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण आधार होती है, इसलिए इसकी शुद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्राप्त दावे, आपत्तियां एवं अपीलों का समयबद्ध और नियमों के अनुसार निपटान किया जाए, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से वंचित न रहे और अपात्र नामों को हटाया जा सके। उन्होंने बताया कि सभी दावे एवं अपीलों के निपटान के उपरांत 27 मार्च को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

जेल लोक अदालत में एक बंदी रिहा

सिरसा। सिरसा जिला जेल में जे लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें एक बंदी को रिहा किया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने बताया कि जेल लोक अदालत में तीन मामलों की फाइलें प्रस्तुत की गईं, जिनमें से एक मामले का निपटारा करते हुए बंदी को रिहा किया गया। उन्होंने बताया कि जेल लोक अदालत का आयोजन प्रत्येक माह दो बार किया जाता है, जो माह के प्रथम एवं तृतीय आयोजित होती है। इस लोक अदालत का उद्देश्य छोटे मामलों में लंबे समय से जेल में बंद बंदियों को शीघ्र न्याय प्रदान करते हुए उन्हें रिहा करना है। जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर सिरसा के पंचायत भवन में आयोजित फील्ड ट्रेनर्स की कार्यशाला में प्रतिभागियों को हाउस लिस्टिंग एप से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान हाउस लिस्टिंग ब्लॉक का लेआउट मैप तैयार करना, हाउस लिस्टिंग एप पर डाटा दर्ज करना तथा सर्वे के दौरान पूछे जाने वाले प्रश्नों को विस्तार से समझाया गया। कार्यशाला में डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर हिमांशु और एसोसिएट प्रोफेसर एवं मास्टर ट्रेनर सुरेंद्र कुमार ने फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना की पूरी प्रक्रिया के विभिन्न चरणों से अवगत कराया।

प्राकृतिक खेती मानव कल्याण का विषय,राजनीति से ऊपर उठकर अपनाने की आवश्यकता: आचार्य देवव्रत

एजेंसी

चंडीगढ़। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने विधान सभा के बजट सत्र के दौरान प्राकृतिक खेती पर विशेष व्याख्यान देते हुए कहा कि यह विषय केवल कृषि तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने सभी दलों के जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण विषय को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर मानव कल्याण के दृष्टिकोण से सदन में उठाया गया।

विधानसभा में उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा प्राकृतिक कृषि मिशन को आगे बढ़ाने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इससे प्रदेश के लोगों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने बताया कि गुजरात में वर्तमान में लगभग 8 लाख किसान प्राकृतिक खेती अपना चुके हैं और इस दिशा में राज्य सरकार के साथ-साथ विपक्ष का भी सकारात्मक सहयोग मिल रहा है। राज्यपाल ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि गुरुकुल कुरुक्षेत्र में प्रधानाचार्य रहते हुए उन्होंने स्वयं रासायनिक खेती से प्राकृतिक खेती की ओर कदम बढ़ाया। एक घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कीटनाशक के संपर्क में आने से एक कर्मचारी के बेहोश हो जाने की घटना ने उन्हें सोचने पर मजबूर कर दिया कि रासायनिक खेती से उत्पन्न खाद्य पदार्थ मानव स्वास्थ्य के लिए कितने हानिकारक हो सकते हैं।उन्होंने स्पष्ट किया कि जैविक (ऑर्गेनिक) और प्राकृतिक खेती में मूलभूत अंतर है। जैविक खेती में भारी मात्रा में गोबर की खाद की आवश्यकता होती है, जबकि प्राकृतिक खेती सूक्ष्म जीवाणुओं पर आधारित होती है और इसमें लागत बहुत कम आती है। राज्यपाल ने चेतावनी दी कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता लगातार घट रही है और देश की भूमि का ऑर्गेनिक कार्बन स्तर गंभीर रूप से कम हो गया है, जिससे भूमि बंजर होने की स्थिति में पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते सुधार नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए न तो शुद्ध भोजन उपलब्ध रहेगा और न ही पीने योग्य पानी। उन्होंने रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा है, जल स्रोत दूषित हो रहे हैं और कैंसर, हृदय रोग तथा किडनी फेलियर जैसी बीमारियों में वृद्धि देखी जा रही है। प्राकृतिक खेती को समाधान बताते हुए उन्होंने कहा कि यह देशी गाय आधारित, कम लागत वाली और पर्यावरण के अनुकूल पद्धति है।

लोकतंत्र का गला घोंटने का काम स्वयं कांग्रेस पार्टी कर रही : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकतंत्र का गला घोंटने का काम स्वयं कांग्रेस पार्टी कर रही है। कांग्रेस द्वारा लोकतंत्र की हत्या के आरोप लगाना उनकी कुंठा का परिचायक है, जबकि वास्तविकता यह है कि लोकतंत्र की हत्या उनके बयानों से हुई है और कांग्रेस को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए।

मुख्यमंत्री हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में राज्यसभा चुनाव के संबंध में बोल रहे थे। नायब सिंह सैनी ने स्पष्ट किया कि यह विषय सदन की चर्चा का हिस्सा नहीं है, लेकिन डॉ.रघुबीर सिंह कादियान, जो सबसे वरिष्ठ सदस्य हैं और वे विधानसभा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं, उन्होंने ये कहा कि तीसरे उम्मीदवार की क्या आवश्यकता थी। विधायक गीता भुक्कल ने मीडिया में यह बयान दिया कि सरकार के मंत्रियों ने हमारे विधायकों को खरीदा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीसरा उम्मीदवार हमारा नहीं था, वो तो

> ● लोकतंत्र की हत्या कांग्रेस के बयानों से हुई, इसके लिए माफी मांगें

आजाद उम्मीदवार थे और निर्दलीय सदस्यों द्वारा उन्हें चुनाव में खड़ा किया गया था। लोकतंत्र में चुनाव लडने् का अधिकार सभी को है। तीसरे आजाद उम्मीदवार हमारे पास वोट मांगने आए, वो तो कांग्रेस के पास भी गए वोट मांगने। जिनकी अंतरआत्मा जाग गई, उन्होंने उन्हें वोट किया। फिर इसमें किसी को क्या दिक्कत है।

हरियाणा सरकार का दावा, पांच दिन में सप्लाई किए सवा दो लाख सिलेंडर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर ने कहा है कि राज्य में पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू एलपीजी गैस की आपूर्ति पूरी तरह से सामान्य है। नागर ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि राज्य भर में आयल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा पिछले पांच दिनों में 14.2 किलो के कुल दो लाख 26 हजार 162 घरेलू गैस सिलेंडरों की सप्लाई की गई है।

इस समय राज्य भर में बॉटलिंग प्लांट्स पर एलपीजी गैस सिलेंडर की कुल भंडार संख्या 11 लाख 39 हजार 787 है। उन्होंने बताया कि राज्य भर में पिछले तीस दिनों में 19 किलो के कुल 1422 कमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई की गई है। इस समय राज्य भर में बॉटलिंग प्लांट्स पर कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कुल भंडार संख्या एक लाख 90 हजार 88 है। राज्यमंत्री नागर ने कहा कि वर्तमान में हरियाणा राज्य में पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू एलपीजी गैस की आपूर्ति पूरी तरह सुचारू रूप से चल रही है।

प्रमुख तेल कंपनियों - इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) एवं हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। राज्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य स्तर पर मजबूत वितरण नेटवर्क विकसित किया है, जिसमें 5,000 से अधिक वितरक शामिल हैं। इनके माध्यम से प्रतिदिन लाखों सिलेंडर वितरित किए जा रहे हैं।

हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र समाप्त
55 घंटे चली कार्यवाही

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बजट सत्र 2026-27 की समाप्ति के उपरांत पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सत्र 20 फरवरी को राज्यपाल के अभिभाषण से प्रारंभ होकर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि कुल 13 दिनों तक चले इस सत्र में 13 बैठकें आयोजित हुईं, जिनमें लगभग 55 घंटे चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने 2 मार्च को वित्त मंत्री के रूप में अपना दूसरा बजट प्रस्तुत किया, जिस पर सदन में 10 घंटे 3 मिनट तक विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान विपक्ष के 7 सदस्यों ने 2 घंटे 47 मिनट तथा सत्ता पक्ष के 15 सदस्यों ने 6 घंटे 47 मिनट तक अपनी बात रखी, जबकि निर्दलीय

सदस्यों ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि सत्र के दौरान 3 महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए, जिनमें आवासन बोर्ड को भंग करने, सफाई कर्मचारी नियोजन एवं शुष्क शौचालय निर्माण अधिनियम, 1993 के निरसन तथा जीएसटी से जुड़े टैक्स ढांचे में संशोधन शामिल हैं। इसके अलावा 'विकसित भारत जी-राम' योजना के प्रावधानों पर भी चर्चा हुई और जनता व ग्रामीण मजदूरों की आशंकाओं पर विचार किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न विधायकों द्वारा दिए गए ध्यानाकर्षण प्रस्तावों पर भी विषयवार चर्चा की गई। इनमें धान एवं अन्य फसलों की खरीद, राज्य में गन्ने की प्रति एकड़ घटती पैदावार तथा आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत निजी अस्पतालों द्वारा सेवाएं बंद करने जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। उन्होंने बताया कि सदन में कुल 8 विधेयकों पर चर्चा की गई, जिनमें हरियाणा विनियोग (संख्या 1 व 2) विधेयक 2026, प्राध्यापक सेवा सुरक्षा संशोधन विधेयक, ट्रैवल एजेंट्स पंजीकरण एवं विनियमन संशोधन विधेयक, पुलिस संशोधन विधेयक, राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन संशोधन विधेयक, नगरीय क्षेत्र विकास संशोधन विधेयक तथा भूमि समेकन संशोधन विधेयक शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने सत्र के अंतिम दिन गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत द्वारा प्राकृतिक खेती पर दिए गए व्याख्यान का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से सदन को नई दिशा मिली।

चंडीगढ़ में कांग्रेस मुख्यालय के बाहर दो विधायकों ने दिया धरना

एजेंसी

चंडीगढ़। राज्यसभा की दो सीटों के लिए हुए चुनाव में कांग्रेस विधायकों द्वारा क्रास वोटिंग करने तथा वोट रद्द होने को लेकर छिड़ा विवाद गहरा हो गया है। कांग्रेस प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने वोट क्रास करने वाले चार विधायकों के नाम जारी किए वहीं वोट रद्द होने के आरोपों को झेल रहे दो विधायकों ने चंडीगढ़ में कांग्रेस मुख्यालय के बाहर धरना दिया। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र हुड्डा ने धरना देने वाले दोनो विधायकों को वहां से उठाया।

कांग्रेस के पांच विधायकों ने क्रास वोट करके निर्दलीय प्रत्याशी सतीश नांदल के पक्ष में मतदान किया। रोचक पहलू यह है कि हरियाणा मामलों के प्रभारी बीके हरिप्रसाद तथा पूर्व सीएम व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा खुद पोलिंग एजेंट थे, लेकिन पार्टी ने क्रॉस वोटिंग के आरोप में चार ही विधायकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। बीके हरिप्रसाद ने नई दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस करके चार 'बागी' विधायकों नारायणगढ़ विधायक शैली चौधरी, सढ़ौरा विधायक रेणु बाला, पुन्हाना

विधायक मोहम्मद इलियास व हथीन विधायक मोहम्मद इसराइल के नाम सार्वजनिक किए। हरिप्रसाद की ओर से चारों विधायकों के नाम हरियाणा की अनुशासन समिति के पास भी भेज दिए गए हैं। अनुशासनात्मक कार्यवाही समिति के चेयरमैन धर्मपाल सिंह मलिक ने चारों विधायकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिए हैं। इन चुनावों में कांग्रेस के पांच विधायकों ने क्रॉस वोट किया है, लेकिन पार्टी हाईकमान को पांचवें विधायक के विरूद्ध कोई ठोस सबूत नहीं मिला। जिसके चलते उसका नाम सार्वजनिक नहीं किया गया। पूर्व सीएम व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी लगातार यह कह रहे हैं कि पांच विधायकों ने क्रॉस वोट किया। कांग्रेस प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने आरोप लगाए हैं कि चुनाव आयोग, भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए भाजपा ने साम-दाम-दंड भेद सहित सभी तरह के हथकंडे अपनाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के चार विधायकों के वोट भी गलत तरीके से रद्द किए गए। प्रभारी ने कहा कि कांग्रेस के साथ दगा करने वाले विधायकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। क्रॉस वोटिंग के खिलाफ कांग्रेस के ही दो विधायक अपनी ही पार्टी के खिलाफ धरने पर बैठ गए। चंडीगढ़ के सेक्टर-9 स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में सिरसा विधायक गोकुल सेतिया ने धरना दिया। धरने पर कुछ देर बाद ही नांगल-चौधरी विधायक मंजू चौधरी भी पहुंच गई। गोकुल सेतिया ने कहा कि कांग्रेस को उन विधायकों के नाम पब्लिक करने चाहिए, जिन्होंने पार्टी को धोखा दिया और क्रॉस वोटिंग की।

विधानसभा में राज्य सभा वोटिंग पर दूसरे दिन भी हंगामा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में राज्य सभा चुनाव के दौरान क्रास वोटिंग के मुद्दे पर लगातार दूसरे दिन विधानसभा में हंगामा हुआ। हंगामा इतना बढ़ा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी तथा नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बीच तीखी बहस हुई। सदन में बहस के बीच मुख्यमंत्री नायब सैनी ने दावा किया कि राज्य सभा चुनाव लड़ने वाला तीसरा विधायक भाजपा का नहीं था। इस मुद्दे पर सदन में 26 मिनट तक हंगामा चलता रहा।

विधानसभा में प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद गन्नौर से निर्दलीय विधायक देवेंद्र कादियान ने मंगलवार को हुए विवाद का हवाला देते हुए अपनी बात रखनी शुरू की। देवेंद्र कादियान ने कहा कि राज्य सभा चुनाव में सतीश नांदल को निर्दलीय विधायकों ने खड़ा किया था। देवेंद्र कादियान का विरोध करते हुए कांग्रेस के विधायक खड़े हो गए और उन्होंने स्पीकर द्वारा उन्हें सदन में बात रखने पर आपत्ति जताई। शोरगुल के बीच संसदीय कार्यमंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि लोकतंत्र के हनन का आरोप लगाने वाली कांग्रेस बताए कि वर्ष 2009 में हुड्डा सरकार के गठन के लिए हजकां को तोड़ा गया और सरकार बनाई गई। भाजपा पर आरोप लगाने की बजाए कांग्रेस अपने विधायकों को संभाले। पूर्व स्पीकर रघुबीर कादियान ने स्पीकर हरविंद्र कल्याण को कहा कि उन्हें मंगलवार को बोलने नहीं दिया और आज चर्चा हो रही है। हंगामा बढ़ते देख मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मोर्चा संभाला और कहा कि सतीश नांदल भाजपा के प्रत्याशी है। भाजपा ने संजय भाटिया को चुनाव मैदान में उतारा था और वह जीत गए थे। सतीश नांदल ने निर्दलीय होने के नाते भाजपा और कांग्रेस विधायकों से समर्थन मांगा। विधायकों ने उन्हें वोट दिया। इसके बावजूद गीता भुक्कल ने भाजपा पर विधायकों को खरीदने के आरोप लगाकर लोकतंत्र का मजाक बनाया है।

'पीछा करो अभियान' के तहत पकड़े जाएं पीओ व बेल जंपर : संगीता कालिया

एजेंसी

हिसार : पुलिस उप महानिरीक्षक संगीता कालिया ने निर्देश दिए हैं कि सभी थानों में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना सुनिश्चित कर उनकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए, थाना स्तर पर क्राइम हॉटस्पॉट चिन्हित कर उन क्षेत्रों में विशेष गश्त एवं कार्रवाई बढ़ाई जाए तथा एनसीएल व निर्धारित समय सीमा के तहत मामलों का निपटान प्राथमिकता से किया जाए। उप महानिरीक्षक संगीता कालिया जिले के जीओ मेस में क्राइम रिव्यू मीटिंग में अधिकारियों को निर्देश दे रही थीं। बैठक में जिले के सभी पुलिस अधिकारियों व थाना प्रभारियों ने भाग लिया। इसमें अपराध नियंत्रण बारे सख्त निर्देश जारी किए गए। उन्होंने पिछली बैठकों में दिए गए निर्देशों की प्रगति की समीक्षा कर लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उप महानिरीक्षक संगीता कालिया ने कहा कि नशा मुक्त अभियान को गांव व कॉलोनी स्तर तक प्रभावी रूप से लागू करके अपराधियों की पहचान की जाए, ट्रैफिक ब्लैक स्पॉट्स को चिन्हित कर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएं, लंबित मामलों की जांच में तेजी लाते हुए 60/90 दिनों के भीतर निपटान

सुनिश्चित किया जाए। बैठक में प्रत्येक आईओ को प्रति माह कम से कम एक केस का निष्पादन करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने जिला स्तर पर अपराध के अधिक पंजीकरण वाले क्षेत्रों व अपराधों को चिन्हित कर विशेष अभियान चलाने के भी निर्देश दिए और कहा कि पीओ व बेल जंपर मामलों में 'पीछा करो अभियान' के तहत आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बीएनएसएस के प्रावधानों के अनुसार मामलों की जांच व कैंसलेशन प्रक्रिया का पालन किया जाए, धारा 41 व 41ए के तहत नोटिस तामील की प्रक्रिया को विशेषकर क्षेत्राधिकार से बाहर प्रभावी बनाया जाए, थानों, पुलिस पोस्ट व सीआईए में पुलिस कर्मचारियों की उपलब्धता विशेषकर रात्रि समय में सुनिश्चित की जाए तथा गुमशुदा व्यक्तियों की टीमों को सक्रिय कर उनकी कार्यप्रणाली में सुधार लाया जाए। उप महानिरीक्षक संगीता कालिया ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए तथा आमजन में सुरक्षा का विश्वास मजबूत किया जाए। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा व ईमानदारी से करें।

हरियाणा में बढ़ा डिजिटल भुगतान, फोन-पे, जी-पे और पेटीएम का चलन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि प्रदेश में डिजिटल भुगतान बढ़ रहा है। फोन-पे, जी-पे ओर पेटीएम के अलावा क्रेडिट कार्ड से खरीद का प्रचलन राज्य में बढ़ रहा है। ऑनलाइन खरीददारी और पेमेंट से प्रदेश के छोटे दुकानदारों व लघु खुदरा विक्रेताओं पर कोई प्रतिकुल असर नहीं पड़ रहा है। फतेहाबाद विधायक बलवान दौलतपुरिया ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया। सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत विश्व में वह शक्ति बनकर उभरा है, जहां रेहड़ी–फड़ी वाले भी यूपीआई डिजिटल पेमेंट का उपयोग कर रहे हैं। किसी व्यापारी या दुकानदार को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं है। यदि दिक्कत किसी को है तो वो कांग्रेस को है। विधायक द्वारा छोटे खुदरा व्यापारियों को समर्थन देने के लिए ऑनलाइन खरीदारी पर भारी कर लगाने के प्रस्ताव के सवाल पर मुख्यमंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि कोरोना काल में भी किसी रेहड़ी-फड़ी वालों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए केंद्र सरकार ने रेहड़ी-फड़ी वालों को बिना ब्याज के 10 हजार रुपये तक का लोन दिया था। व्यापारियों को कहीं

किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हो रही है, दिक्कत केवल कांग्रेस को हो रही है कि पैसा ऑनलाइन क्यों जा रहा है, सीधा आना चाहिए था। दौलतपुरिया ने ऑनलाइन खरीद पर टैक्स बढ़ाने की मांग की तो सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने सीएम की ओर से जवाब देते हुए कहा कि यह फैसला जीएसटी काउंसिल करती है। उन्होंने कहा कि 2017 के बाद से सभी प्रकार के टैक्स का निर्णय जीएसटी काउंसिल में ही होता है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश डिजिटल की ओर बढ़ रहा है।

पांच साल में 18 से 45 आयु के 17 हजार की हार्ट अटैक से मौत

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में कोरोना के बाद से लेकर अब तक 17 हजार 973 लोगों की हार्ट अटैक से मौत हुई है। मरने वाले सभी लोगों की उम्र 18 साल से लेकर 45 साल के बीच में थी। हरियाणा सरकार ने विधानसभा में इस संबंध में रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2022 से अब तक हार्ट अटैक से होने वाली मौतों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। बजट सत्र के अंतिम दिन जुलाना की विधायक विनेश फोगाट ने यह सवाल उठाते हुए पूछा कि वर्ष 2020 में कोरोना काल की शुरूआत से लेकर आजतक राज्य में 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के कितने युवाओं की हार्ट अटैक से मौत हुई है। विनेश फोगाट ने सरकार से पूछा कि क्या इस बारे में कोई अध्ययन किया गया है कि इन मौतों का कोविड 19 संक्रमण या कोविड 19 टीकाकरण से कोई संबंध है। इस संबंध में सरकार की तरफ से क्या कार्रवाई की गई है। विधानसभा में जिस समय विनेश फोगाट का यह सवाल उठा तो वह सदन में नहीं थी। इसके बावजूद सरकार ने रिपोर्ट टेबल करते हुए बताया कि वर्ष 2020 में हार्ट अटैक के कारण 18 से 45 वर्ष की आयु के 2394 लोगों की मौत हुई है। 2021 में कुल 3188, वर्ष 2022 में 2796 युवाओं की मौत हुई है। सरकार द्वारा पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार 2023

में 2886, 2024 में 3063, 2025 में 3255 युवाओं की हार्ट अटैक से मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्री द्वारा पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष में जनवरी माह के दौरान 391 युवाओं की हार्ट अटैक से मौत हो चुकी है। विनेश फोगाट ने सरकार से इस बारे में अध्ययन करवाने को लेकर पूछा तो सरकार ने इस संबंध में इनकार कर दिया कि इन मौतों का कोरोना टीकाकरण से कोई संबंध है। ऐसे में किसी प्रकार सर्वे आदि करवाने की कोई योजना नहीं है। हरियाणा सरकार द्वारा पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2026 में हार्ट अटैक के कारण सबसे अधिक मौत यमुनानगर जिले में हुई हैं। यहां एक माह के भीतर 71 युवाओं की मौत हो चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक भिवानी जिले में नौ, चरखी दादरी में छह, फरीदाबाद में 43, फतेहाबाद में 30, गुरुग्राम में आठ, झज्जर में 17, जींद में 12, कैथल में 12, करनाल में आठ, कुरुक्षेत्र में 14, नूंह में 36, नारनौल में छह, पंचकूला में 19, पानीपत में पांच, पलवल में 37, रेवाड़ी में 17, सिरसा में 35, सोनीपत में छह तथा यमुनानगर जिले में 71 युवाओं की हार्ट अटैक से मौत हुई है। प्रदेश में रोहतक, हिसार तथा अंबाला में एक माह के भीतर हार्ट अटैक से कोई मौत नहीं हुई है।

जिले की 40 हजार से अधिक पात्र महिलाओं ने उठाया लाडो लक्ष्मी योजना योजना का लाभ, खातों में पहुंची सहायता राशि

एजेंसी

कैथल। महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में हरियाणा सरकार की दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना जिले में प्रभावी रूप से लागू हो रही है। जिले में अब तक 40 हजार 160 पात्र महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल चुका है, जिनके खातों में प्रतिमाह सहायता राशि सीधे ट्रांसफर की जा रही है। उपायुक्त अपराजिता ने बताया कि यह योजना मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में शुरू की गई महिला कल्याण के उद्देश्य से वह महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को सशक्त बनाना है। जिला प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि कोई भी पात्र महिला इस योजना से वंचित न रहे। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना के तहत दी जाने वाली राशि सीधा लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जा रही है, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2100 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इस राशि में से 1100 रुपये लाभार्थी के बैंक खाते में तथा शेष 1000 रुपये आरडी/एफडी के खाते में डाल जाते हैं। इससे महिलाओं को अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल रही है और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। डीसी अपराजिता ने जिले की सभी पात्र महिलाओं से अपील करते हुए कहा कि पात्र महिलाएं योजना का लाभ उठाने के लिए पंजीकरण करवाएं। योजना महिलाओं के जीवन स्तर को सुधारने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिला समाज कल्याण अधिकारी अमितेंद्र श्योकंद ने बताया कि सरकार द्वारा योजना का विस्तार करते हुए पूर्व निर्धारित नियमों के अलावा उन महिलाओं को भी शामिल किया गया है।

सिंचाई प्रणाली की मज़बूती के लिए 6700 करोड़ रुपये खर्च, टेल एंड तक खेतों में पानी की पहुंच सुनिश्चित: बरिंदर कुमार गोयल

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़/काठगढ़ (एस.बी.एस. नगर), 19 मार्च। पंजाब के जल संसाधन एवं भूमि व जल संरक्षण मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने आज कहा कि भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार हर क्षेत्र में अपने वादे निभा रही है और सभी गारंटियां बिना किसी भेदभाव के पूरी की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से उपेक्षा का शिकार रहे कंडी क्षेत्र में मान सरकार ने सिंचाई के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है और अर्ध-पहाड़ी इलाके को खेती योग्य अवसरों में बदल दिया है। मान सरकार ने 214 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की गई काठगढ़ लिफ्ट सिंचाई योजना के माध्यम से पहली बार नहरी पानी को ऊंचे इलाकों तक पहुंचाया है। उन्होंने आम आदमी पार्टी सरकार की किसान-हितैषी नीतियों पर ज़ोर देते हुए कहा कि इस परियोजना से पानी का बेहतर उपयोग होगा, बड़े स्तर पर ढांचागत निवेश होगा और किसानों को राहत देने के साथ उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने की दूरदर्शी सोच को मज़बूती मिलेगी। इस ऐतिहासिक कदम के तहत बरिंदर कुमार गोयल ने आज 214 करोड़ रुपये की लागत से तैयार काठगढ़ लिफ्ट सिंचाई योजना का उद्घाटन किया। इस योजना के माध्यम से पहली बार नहरी पानी को ऊंचे क्षेत्रों तक सफ़लतापूर्वक पहुंचाया गया है, जिससे कंडी क्षेत्र की सूखी और वर्षा पर निर्भर भूमि को सिंचाई सुविधाएं प्राप्त होंगी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना से लगभग 33 गांवों की 11,500 एकड़ भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी और किसानों की आय में इजाफ़ा होगा। यह पहल क्षेत्र की कृषि तस्वीर को बदलने में मील का पत्थर साबित होगी और किसानों को बेहतर फ़सलें उगाने के साथ-साथ भूमि की

कीमत बढ़ाने में भी मदद करेगी। उद्घाटन के बाद जन सभा को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने कहा, काठगढ़ लिफ्ट सिंचाई योजना कंडी नहर सिस्टम और बिस्त-दोआब प्रणाली के माध्यम से, ऊंचाई के कारण सिंचाई से वंचित क्षेत्रों को सिंचाई सुविधा प्रदान करने का एक ऐतिहासिक प्रयास है। इस परियोजना से क्षेत्र को बहुत लाभ होगा और भूजल पर दबाव भी कम होगा। उन्होंने आगे बताया कि इस परियोजना को तीन चरणों में पूरा किया जाएगा। पहला चरण 67 करोड़ रुपये की लागत वाला फरवरी 2026 में पूरा हो चुका है, जिसके तहत 13 गांवों के 4,000 एकड़ क्षेत्र को कवर किया गया है। दूसरा चरण 107 करोड़ रुपये की लागत वाला सितंबर 2026 तक पूरा होने की संभावना है, जिसमें 14 गांवों के 5,500 एकड़ क्षेत्र को शामिल किया जाएगा, जबकि तीसरा चरण से 40 करोड़ रुपये में 6 गांवों के 2,000 एकड़ क्षेत्र को सिंचाई सुविधा दी जाएगी। इसके साथ ही बिजली के बोझ को कम करने के लिए 650 किलोवाट का सोलर प्लांट भी स्थापित किया गया है। तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने बताया कि इस योजना को बिस्त-दोआब नहर से जोड़ा गया है, जिसकी जल वहन क्षमता 67 क्यूसेक है। इसके तहत पंपों के माध्यम से पानी को ऊपर उठाकर ऊंचे-नीचे और अर्ध-पहाड़ी क्षेत्रों में विस्तृत पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए पहुंचाया जाएगा। पंप हाउस के लिए विभाग की मौजूदा भूमि का उपयोग किया गया, जिससे भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं पड़ी। इस परियोजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि भूजल स्तर में गिरावट और ट्यूबवेलों के बंद होने के कारण कंडी क्षेत्र के किसान वर्षा पर निर्भर हो गए थे, जिससे फसली विविधता और उत्पादन सीमित था। अर्ध-पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण पारंपरिक नहर प्रणाली पहले संभव नहीं थी, जिससे भूमि की कीमतें भी कम थीं। इस परियोजना को डिजाइन करने के लिए आधुनिक सैटेलाइट और ड्रोन सर्वेक्षण किए गए और आईआईटी रुड़की तथा आईआईटी रोपड़ में तकनीकी कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया, जिसके बाद इसे छह महीनों के भीतर युद्ध स्तर पर लागू किया गया। उन्होंने आगे बताया कि इस परियोजना से पहले बलाचौर क्षेत्र के 72 गांवों में 28,205 एकड़ भूमि पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध थी, जो अब बढ़कर 105 गांवों की 39,705 एकड़ भूमि तक पहुंच जाएगी। खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए लगभग 94,000 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई गई है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य ने सिंचाई ढांचे को मज़बूत करने और निर्बाध नहरी पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अब तक 6700 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। पहले जहां केवल 22 प्रतिशत पानी का उपयोग होता था, अब यह बढ़कर 78 प्रतिशत हो गया है। नहरों की मज़बूती से भूजल स्तर में सुधार, बिजली की खपत में कमी और मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि हुई है। कंडी नहर के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि यह नहर तलवाड़ा से बलाचौर तक जाती है, जिसकी कुल लंबाई 129.035 किलोमीटर और जल वहन क्षमता 463 क्यूसेक है। 1980 में शुरू होने के बावजूद पहले पानी अंतिम छोर तक नहीं पहुंचता था। सरकार ने पानी के निरंतर प्रवाह को सुनिश्चित किया, 1500 किलोमीटर पुरानी पाइपलाइनों की मरम्मत की, 300 किलोमीटर नई पाइपलाइन बिछाई और 120 किलोमीटर नहरों व खालों की री-लाइनिंग की, जिससे तीन दशकों बाद 12 ब्लॉकों की 1,28,740 एकड़ भूमि को लाभ मिला। लोक-कल्याणकारी पहलों का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार 10 लाख रुपये तक के बीमा कवर के साथ मुफ्त एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और घरों को 600 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान कर रही है। लोगों से किए गए सभी वादे बिना किसी भेदभाव के पूरे किए जा रहे हैं। इस अवसर पर बंगा से विधायक डॉ. सुखविंदर सुख्खी, बलाचौर से विधायक संतोष कटारिया, डिप्टी कमिश्नर गुलप्रीत सिंह औलख, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर बलबीर राज सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अरावली में मिट्टी का नुकसान बढ़ा, हर साल औसतन 13.8 फीसदी अधिक हो रहा कटाव; शोध में खुलासा

नई दिल्ली। अरावली पर्वत श्रृंखला में पिछले कुछ साल में मिट्टी का नुकसान लगातार बढ़ रहा है। हालिया शोध के अनुसार, 2017 से 2024 के बीच हर साल औसतन 13.8 प्रतिशत मिट्टी का कटाव हुआ है। यह डेटा तब सामने आया जब शोधकर्ताओं ने लैंड यूज और लैंड कवर पैटर्न का विश्लेषण किया। अध्ययन में पाया गया कि हालांकि जंगलों का क्षेत्र बढ़ा है, लेकिन इंसानी गतिविधियों और बने हुए क्षेत्रों की वृद्धि के कारण मिट्टी का नुकसान तेज हुआ है। ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी खड़गपुर के शोधकर्ताओं ने 2001 से 2021 तक के डेटा का विश्लेषण करते हुए यह निष्कर्ष निकाला। शोध में पाया गया कि खड़ी ढलान वाली जमीन, संवेदनशील मिट्टी वाले इलाके और माइनिंग क्षेत्र मिट्टी कटाव के मुख्य हॉटस्पॉट हैं। इसके अनुसार, अरावली के पुराने पहाड़ों की मिट्टी गहरी और जटिल इकोसिस्टम वाली है, जो प्राकृतिक रूप से संतुलित है। जियोग्राफीज जर्नल में प्रकाशित इस शोध में बताया गया कि पेड़ लगाने और जंगल के क्षेत्र में वृद्धि के बावजूद मिट्टी का इरोजन तेजी से बढ़ रहा है। इससे साफ होता है कि स्थानीय संरक्षण प्रयास जैसे पेड़ लगाना, बड़े पैमाने पर हुए लैंड कन्वर्जन और इंसानी गतिविधियों की भरपाई नहीं कर सकते। विशेषज्ञों के अनुसार, अरावली पर्वत प्रणाली देश के सबसे महत्वपूर्ण मिनरल बेस में से एक है। यहां कई तरह के मेटैलिक और नॉन-मेटैलिक मिनरल पाए जाते हैं, और यह देश के खनिज संसाधनों की नींव भी है। इस वजह से मिट्टी का कटाव केवल पर्यावरणीय खतरा नहीं है, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी चिंता का विषय है। शोध टीम ने 2017 और 2024 के हाई-रिजॉल्यूशन डेटा का उपयोग करते हुए मिट्टी कटाव की औसत दर मापी। उनके अनुसार, 2017 से 2024 के बीच इंसानी गतिविधियों और जलवायु परिवर्तन दोनों ने मिलकर मिट्टी कटाव में वृद्धि की है। पेड़-पौधों और सेमी-नेचुरल सतहों को बनावट वाले, इम्परवियस क्षेत्रों में बदलने से जमीन की प्राकृतिक रक्षा प्रणाली कमजोर हुई है। शोध में यह भी बताया गया कि कुल जंगल कवर बढ़ा है, लेकिन बड़ी संख्या में बने हुए क्षेत्रों, फसलों की भूमि और चरागाहों की कमी ने मिट्टी कटाव की दर को बढ़ा दिया। 2017-2024 के बीच मिट्टी के इरोजन की औसत दर 1.59 से 1.81 टन प्रति हेक्टेयर प्रति साल बढ़ गई है। शोधकर्ताओं ने कहा कि इंसानी गतिविधियों और क्लाइमेट चेंज का असर एक-दूसरे पर निर्भर करता है। मानव गतिविधियों से मिट्टी कमजोर होती है, वहीं बदलते मौसम और जलवायु परिवर्तन की वजह से कटाव और तेजी से बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि इस वजह से मिट्टी कटाव की दर में 13.83 प्रतिशत की वृद्धि एक सीधा और पहले से अनुमानित असर बन गई है। शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी कि अगर बड़े पैमाने पर लैंड कन्वर्ज़न और निर्माण की गतिविधियां जारी रहीं, तो अरावली में मिट्टी के कटाव का खतरा और बढ़ सकता है। इससे बचने के लिए स्थानीय संरक्षण के साथ बड़े पैमाने पर टिकाऊ लैंड मैनेजमेंट और विकास नीति पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि अरावली में फसल और चरागाह भूमि की सतत उपयोग योजना बनाई जाए।

एंट्रिक्स-देवास डील घोटाला मामले में कोर्ट ने सीबीआई का आरोप पत्र लौटाया

नई दिल्ली। एंट्रिक्स-देवास सैटेलाइट डील से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई का आरोप पत्र लौटा दिया है। कोर्ट ने सीबीआई की ओर से 2016 में दाखिल चार्जशीट को क्षेत्राधिकार की कमी बताते हुए जांच एजेंसी को लौटा दिया है। यह फैसला लगभग 10 साल बाद आया है, जिससे सुनवाई में और विलंब की आशंका बढ़ गई है। स्पेशल सीबीआई जज अतुल कृष्ण अग्रवाल ने आरोपी वीणा एस राव की अर्जी मंजूर करते हुए चार्जशीट लौटाई। अदालत ने माना कि अपराध के मुख्य घटक, जैसे साजिश, भ्रष्टाचार और अनुचित लाभ, बेंगलुरु में हुए थे, न कि दिल्ली में। इसलिए दिल्ली की अदालत के पास मामले की सुनवाई का क्षेत्राधिकार नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने सीबीआई को छूट दी है कि वह चार्जशीट को बेंगलुरु की सक्षम स्पेशल अदालत में दोबारा दाखिल कर सकती है। यह मामला 2005 में इसरो की कॉमर्शियल शाखा एंट्रिक्स कॉर्पोरेशन और देवास मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड के बीच हुए सैटेलाइट समझौते से जुड़ा है। 2011 में केंद्र सरकार ने यह डील रद्द कर दी थी, जिसमें स्पेक्ट्रम आवंटन में धोखाधड़ी और सरकारी नुकसान (लगभग 578 करोड़ रुपये) का आरोप लगा था। सीबीआई ने 2015 में एफआईआर दर्ज की और 2016 में पूर्व इसरो अधिकारियों समेत कई लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी।

NAME CHANGE

I, REKHA DEVI Mother of No-17022253N Rank-HAV Name-VIKASH KUMAR Presently serving in 25 FIELD WORKSHOP (ENGR BDE), PANARAGH MILITARY STATION WEST BENGAL Presently residing at VPO-KURTHALA, TEH-NUH, DISTT-NUH (MEWAT), HARYANA-122107, have changed my name from REKHA DEVI to REKHA RANI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 06/08/1974 instead of my correct date of birth as 22/05/1972 vide Affidavit dated 19/03/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, Astha Shrivastava W/O Ankit Shrivastava R/O E105, Apex Golf Avenue, Sector-1, Noida Extension, Gautam Budha Nagar, UP-201318 Have changed my name to Astha Pradhan Shrivastava for all future purposes.

Public Notice

The public at large is informed that my client , Smt. Krishna W/o Late Sh. Tara Chand, aged about 76 years, resident of 10A, Main Road, Chhattarpur, New Delhi -110074 has disowned/debarred her son, namely Vinod Kumar, from her movable and immovable properties due to his disrespectful behaviour, out of control, and has severed her relations with him for all intents and purposes with immediate effect. Anyone who deals with him will do so at their own risk and responsibility. **Vivek Kumar Karn (Advocate)**

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री रविन्दर सोलंकी, श्री जुबिन सोलंकी से खसरा संख्या 441 के अंतर्गत आने वाली 271 वर्ग गज भूमि (प्लॉट), जो ग्राम नासिरपुर, दिल्ली के राजस्व क्षेत्र में स्थित है तथा ग्राम नासिरपुर, दिल्ली की पुरानी आबादी के निकट है, क्रय करना चाहते हैं। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी राजस्व अभिलेखों के अनुसार श्री दरयाओ सिंह एवं अन्य थे। श्री दरयाओ सिंह ने दिनांक 28.02.2006 को एक पंजीकृत वसीयत श्री जुबिन सोलंकी के पक्ष में निष्पादित की थी। दुर्भाग्यवश, स्वर्गीय श्री दरयाओ सिंह सोलंकी, पुत्र भग माल, का निधन दिनांक 14.09.2010 को हो गया तथा उनके पुत्र स्वर्गीय श्री नरेंद्र सिंह सोलंकी का भी निधन दिनांक 04.12.2022 को हो गया। उनके पश्चात निम्नलिखित विधिक वारिस रह गए- श्रीमती राकेश सोलंकी (पत्नी), सुश्री सोफिया सोलंकी (पुत्री) एवं श्री जुबिन सोलंकी (पुत्र)। अतः उक्त वसीयत के अनुसार, श्री जुबिन सोलंकी उपर्युक्त संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी हैं। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, देयता, प्रभार या अन्य किसी दावे से मुक्त है। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति को Bajaj Housing Finance Ltd., Gurgaon Branch, Haryana के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE

This is for information of General Public that my client Mr. Ripu Daman Chanan S/o Mr. C L Chanan who is the owner of Property as Residential DDA built up Flat No. 147-D, on Third Floor, Under LIG Category, Pocket- E, Situated at Dilshad Garden, Delhi-110095. who has lost E-Stamp Certificate No. IN-DL27708164170009O dated 09.12.2016 of Conveyance Deed Registration No. 18078 dated 21.12.2016 in favour of Mr. Ripu Daman Chanan. In case anybody finds the above said document and any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed that there is no claim against the said property and my client may proceed with its intended object as mentioned above.

Mr. Ripu Daman Chanan
15/F, R-Block, Dilshad Garden
Delhi- 110095,
9958194923,
chananabhiraj@gmail.com

NAME CHANGE

I, Sr. M. Flory Faustine M C, D/o B Kaningba Angelus, R/o Willong Khullen Village, P.O. Karong, P.S. Mao Maram Sub-Division Willong, Senapati District, Manipur-795007, have changed my name from Sr. M. Flory Faustine M C to K. MARY HUILA for all purposes.

NAME CHANGE

I, FALACK SHER KHAN, Son of Late Sh. Mohd. Asghar Khan, R/o A-230/1, Thokar No.7, Shaheen Bagh, Okhla, Jamia Nagar, New Delhi-110025, have changed my name from FALACK SHER KHAN to FALAK SHER KHAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Sahil sammani S/o Amrullah Miya R/o Tower B2-102 puri emerald bay tech, Chand Nagar Sector 104, Gurgaon Haryana 122006. Have changed my name Sahil Malik for all purpose

NAME CHANGE

I, GANDHARV S/o Late. Mahesh Chand R/o D-12/59, First Floor, Rohini, Sector-7, Delhi-110085, have changed my name to GANDHARV SONI permanently

NAME CHANGE

I hitherto known as SHUBHAM KUMAR S/o RANBIR SINGH, R/o 92/17, Ground Floor, Zakir Nagar, Okhla, South Delhi, Delhi-110025, have changed my name and shall hereafter be known as AKASH RANA.

NAME CHANGE

I, Abhishek S/O Raj Kishor R/O E-9, Milap Nagar, Uttam Nagar, west Delhi 110059, Changed my name to Abhishek Singh.

NAME CHANGE

I,Raj Kishor Singh S/O Balwant Singh R/O E-9, Milap Nagar, Uttam Nagar, west Delhi 110059, Changed my name to Raj Kishore.

NAME CHANGE

I, V Arunajatesan S/O S Varadarajan R/O AG 518 Shalimar Bagh new delhi 110088, Changed my name to V Arunajatesan.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client S. Amandeep Singh Lamba, S. Amrit Pal Singh and Mr. Vinod Kumar Mahajan is the owner of Third floor, built on Property bearing no. 15, Land admeasuring 75 Sq. Yards, out of Khasra no. 34/12 and 40/1/2, situated in the Revenue estate of Village Nilothi Delhi State and the colony Known as Dalip Vihar, Nilothi Extn. New Delhi- 110041., vide Authorization Slip dated 19.02.2026 registered as doc. no. 2026/6/I/1481, book no.1, vol. no. 6997, Page no. 1 to 10, on 28.02.2026, SRO- West Punjabi Bagh. and Intend to mortgage the said property with Aditya Birla Housing Finance Ltd. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुनीता वर्मा, संपत्ति संख्या R-24 की पूरी दूसरी मंजिल (छत/टेरेस अधिकारों के बिना), जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है तथा जिसका खसरा संख्या 1172/620/407 है, की विधिवत मालिक हैं। उक्त संपत्ति नवीन शाहदरा की आबादी में, ग्राम उल्धनपुर, इलाका शाहदरा, दिल्ली में स्थित है। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता थे, जिन्होंने दिनांक 07.07.2005 की बिक्री विलेख (Sale Deed) तथा दिनांक 30.08.2005 की संशोधन विलेख (Rectification Deed) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती जय देवी को बेची थी। दुर्भाग्यवश, श्रीमती जय देवी का निधन हो गया, जिनके पश्चात उनके निम्नलिखित वैधानिक उत्तराधिकारी रहे- श्री केवल बुधिराजा, श्रीमती कांता खन्ना एवं श्री अंकुर तलवार, जिन्होंने अपने-अपने हिस्से श्री महेन्द्र बुधिराजा के पक्ष में त्याग दिए। श्री केवल बुधिराजा, श्रीमती कांता खन्ना एवं श्री अंकुर तलवार ने दिनांक 16.07.2020 की परित्याग विलेख (Relinquishment Deed) के माध्यम से अपने-अपने हिस्से श्री महेन्द्र बुधिराजा के पक्ष में हस्तांतरित कर दिए। इसके पश्चात, श्री महेन्द्र बुधिराजा ने दिनांक 22.09.2020 की बिक्री विलेख (Sale Deed) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती सुनीता वर्मा को बेच दी। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के भार, बंधक, ऋण, दावा या अन्य किसी प्रकार के दायित्वों से मुक्त है। श्रीमती सुनीता वर्मा ने हमें सूचित किया है कि उक्त संपत्ति से संबंधित दो मूल दस्तावेज, अर्थात् दिनांक 07.07.2005 की बिक्री विलेख (पंजीकरण संख्या 4692) तथा दिनांक 30.08.2005 की संशोधन विलेख (पंजीकरण संख्या 5998), गुम/खो गए हैं। उक्त दस्तावेज अब उपलब्ध नहीं हैं और खोजने पर भी प्राप्त नहीं हुए। उक्त दस्तावेजों के गुम होने के संबंध में दिनांक 18.03.2026 को ऑनलाइन एफआईआर (LR No. 174486/2026) दर्ज कराई गई है। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति के विरुद्ध आरबीएल बैंक लिमिटेड, ओखला शाखा, नई दिल्ली द्वारा ऋण प्रस्तावित है। कृपया यह भी अवगत हों कि उक्त संपत्ति पर RBL Bank Ltd., ओखला शाखा, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषण (Finance) किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती पुष्पा राठौर, श्री बलविंदर सिंह राठौर की पत्नी, खसरा संख्या 164 के प्लॉट संख्या 218 पर निर्मित भूतल, जिसका क्षेत्रफल 50 वर्ग गज है, जो ग्राम गुरु नानक, मेजर भूपिंदर सिंह नगर, नई दिल्ली में स्थित है, दिनांक 15.04.1996 के जीपीए के अनु ?सार पंजीकृत है। एसआरओ-दिल्ली कार्यालय में विधिवत पंजीकृत वसीयत, वस्तावल संख्या 27668, पुस्तक संख्या 3, खंड संख्या 2913; पृष्ठ 98, दिनांक 15.04.1996. एस. गुरचरण सिंह पुत्र एस. इंदर सिंह द्वारा निष्पादित की गई है, और उक्त संपत्ति श्री अमनप्रीत सिंह को बेची जानी है तथा इसका वित्तपोषण एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाना है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व हे या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE

It is for general information that I VIJAY KUMAR PRAJAPATI S/o SUKHADEV PRASAD PRAJAPATI , residing at House No. 98/1, Third Floor, Hari Nagar Ashram, Jangpura , South Delhi , Delhi - 110014 declare that the name of mine has been wrongly written as VIJAY PRAJAPATI in my minor Son namely SHIVAM PRAJAPATI aged 13 Years, in his School Record. The actual name of mine is VIJAY KUMAR PRAJAPATI , Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I , RAMA DEVI W/o RAMPAL R/o H - 10/3 C , Gali No - 19 , Jai Prakash Nagar Ghonda , Garhi Mendu , PO : Bhajan Pura , Dist North East , Delhi - 110053 have changed the name of my minor daughter NAMRATA aged 16 years and she shall hereafter be known as NANDNI.

NAME CHANGE

It is for general information that I AAYUSH DUGGAL S/o BRIJ MOHAN DUGGAL R/o Flat No. 83 , Pocket - A , New M.I.G Flats , Mayur Vihar Phase 3 , East Delhi , Delhi - 110096 declare that the name of my Mother has been wrongly written as REKHA in my 10th & 12th Class Educational Documents . The actual name of my Mother is REKHA RANI , Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, RAJ KUMAR S/o HUSHYAR R/o Ilabas , Noida , Gautam Buddha Nagar , Uttar Pradesh - 201301 have changed the name of my minor son YUG aged 16 years and he shall hereafter be known as YUGRAJ.

NAME CHANGE

It is for general information that I SANJAY GUPTA S/o RAMESH CHAND GUPTA R/o H - 3/86 3rd Floor , Sec - 18 Rohini , Sec - 11 , North West Delhi , Delhi - 110085 declare that the name of mine has been wrongly written as SANJAY KUMAR GUPTA in my Service Record. The actual name of mine is SANJAY GUPTA Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as Dharmveer S/O Virendra Singh, R/O Nagla Devhans, Post Dauki, Mewali Khurd, VTC: Fatehabad, PO: Fatehabad, District: Agra, Uttar Pradesh,: 283111, have changed my name and shall hereafter be known as Ramu.

NAME CHANGE

I, IDRIS KHAN S/O HASHAM KHAN Residing at 318 CHIRCHITA CHIRCHITA PO MUKEEMPUR DIST BULANDSHAHR UTTAR PRADESH 203001 have changed my name to IDRIS KHAN S/O HASAM KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I,JEEWAN SINGH YADAV S/O RAM SINGH R/O H.NO -29 THIRD FLOOR BLOCK NO-9 SUBHASH NAGAR DELHI-110027 have changed my name to JIWAN SINGH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I,MANDEEP KAUR YADAV W/O ROHIT YADAV R/O H.NO 29 , THIRD FLOOR SUBHASH NAGAR DELHI-110027 have changed my name minor Daughter AMAIRA TO AMAIRA YADAV Permanently for all Future purpose

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री ब्रह्म दत्त शर्मा के पुत्र श्री मोनू शर्मा, खसरा संख्या 23/17/1 में स्थित निर्मित भूखंड संख्या 1669/ए-1 (पुराना भूखंड संख्या 41), क्षेत्रफल 46 वर्ग गज, ग्राम नजफगढ़ के राजस्व क्षेत्र में, कमला पार्क नामक आबादी, धरमपुरा-1, नजफगढ़, नई दिल्ली-110043 में, श्री जोगेंद्र झा के पुत्र श्री कन्हैया द्वारा दिनांक 03.05.2025 को निष्पादित नोटरीकृत जीपीए, एसपीए, एटीएस और वसीयत के आधार पर, उक्त संपत्ति श्रीमती रश्मी भारद्वाज को बेची जा रही है और इसका वित्तपोषण एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का विवाद है, तो कृपया वर्तमान सूचना के 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में मुझे सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE

I, KUSHBOO PARASHAR W/o SUMIT KAUSHIK R/o H NO 167 A KHIRKI VILLAGE MALVIYA NAGAR HAUZ KHAS SOUTH DELHI, DELHI-110017 I HAVE CHANGED MY NAME KHUSHBOO PARASHAR for future purpose

NAME CHANGE

I, SHIVI KAPOOR W/O PRATEEK ANAND R/O A-330,GROUND FLOOR, SUSHANT LOK PHASE-2, SECTOR-56, GURGAON, HARYANA-122011 HAVE CHANGED MY NAME TO SHIVI ANAND FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, SUMAN is legally mother of No. JC-462665M Rank- NB SUB Name-PATIL SACHIN MARUTI presently residing at VILL- NAGARDALE, POST- KINI, TEH- CHANDGAD, DIST- KOLHAPUR, STATE MAHARASHTRA, PIN-416508, have changed my name from SUMAN to SUMAN MARUTI PATIL and date of birth from 16/05/1958 to 04/06/1954 for all future purposes. Vide affidavit dated 11.02.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, MANISHA is legally Wife of No. JC-462864A Rank- NB SUB NAME-KADUS RAOSAHEB MACHHINDRA Presently resident of VILL SAROLA KASAR, POST-SAROLA KASAR TEH-AHILYANAGAR, DIST-AHILYANAGAR, (MAHARASHTRA)-414005, have changed my name from MANISHA to KADUS MANISHA RAOSAHEB for all future purposes. Vide affidavit dated 21.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, ROHIT is legally son of No. JC-462864A Rank-NB SUB NAME-KADUS RAOSAHEB MACHHINDRA Presently resident at VILL-SAROLA KASAR, POST-SAROLA KASAR TEH-AHILYANAGAR, DIST-AHILYANAGAR, (MAHARASHTRA)-414005, have changed my name from ROHIT to KADUS ROHIT RAOSAHEB for all future purposes. Vide affidavit dated 21.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, MOHD RAFIQ S/o MOHD HANIF , Residing at House No.120 , Block - E , Hari Nagar Extension, Part -3 , Badarpur, South Delhi , Delhi - 110044 have changed the name of my minor Daughter RIYA aged 11 years and she shall hereafter be known as AYESHA.

नाम परिवर्तन

मैं, मोनिका रानी D/O शंभू कुमार, निवासी H.No सी - 123, जवाहर पार्क देवली रोड खानपुर, पुष्पा भवन, जिला- दक्षिण दिल्ली, दिल्ली - 110062, ने भविष्य की सभी काम के लिए अपना नाम मोनिका कुमारी बदल दिया है। मोनिका रानी और मोनिका कुमारी दोनों एक ही व्यक्ति हैं।

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री दीना नाथ कुमार, श्री संजय कुमार ठाकुर से पुराना प्लॉट संख्या 48 एवं नया प्लॉट संख्या 21, क्षेत्रफल 38 वर्ग गज (कुल 60 वर्ग गज में से), जो खसरा संख्या 13/5/2 का हिस्सा है तथा ग्राम रजापुर खुर्द, दिल्ली के क्षेत्र में स्थित है, जो रक्षा एन्क्लेव, मोहन गार्डन, उत्तम नगर, दिल्ली नामक कॉलोनी में स्थित है, क्रय करना चाहते हैं। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री जसवंत सिंह थे, जिन्होंने दिनांक 29.01.2004 को पंजीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA), एग्रीमेंट टू सेल तथा पंजीकृत वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री प्रदीप कुमार गुप्ता को हस्तांतरित की। इसके पश्चात, श्री प्रदीप कुमार गुप्ता ने दिनांक 17.05.2004 को पंजीकृत त्नक्क एग्रीमेंट टू सेल तथा पंजीकृत वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती उग्गम देवी को हस्तांतरित की। तत्पश्चात, श्रीमती उग्गम देवी ने दिनांक 23.05.2014 को नोटराइज्ड त्नक्क एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री पवन सिंह को हस्तांतरित की। इसके बाद, श्री पवन सिंह ने दिनांक 24.11.2020 को नोटराइज्ड GPA, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री अजय कुमार ठाकुर को हस्तांतरित की। तत्पश्चात, श्री अजय कुमार ठाकुर ने दिनांक 24.11.2020 को नोटराइज्ड GPA, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री संजय कुमार ठाकुर को हस्तांतरित की। अतः श्री संजय कुमार ठाकुर उपर्युक्त संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी हैं। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, देयता, प्रभार या अन्य किसी दावे से मुक्त है। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति को Bajaj Housing Finance Ltd., Ghaziabad Branch, Uttar Pradesh के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I hitherto known as Dolly Jain W/o Netra Pal Singh R/o House Number-585, Near Kania Patshla, Village-Razapur, Ghaziabad, PO: Kavi Nagar, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002 have changed my name and shall hereafter be known as Vristi Singh.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री राम नरेश, श्रीमती मोनी से खसरा संख्या 3093 के अंतर्गत स्थित, ग्राम शाहपुर बम्हेटा, परगना दसना, तहसील एवं जिला गाजियाबाद (उ.प्र.) में स्थित 50 वर्ग गज (अर्थात् 41.806 वर्ग मीटर) क्षेत्रफल वाले एक आवासीय भूखंड को क्रय करने का इरादा रखते हैं। उक्त सम्पूर्ण संपत्ति के मूल स्वामी राजस्व अभिलेखों के अनुसार श्री नरेंद्र कुमार थे, जिन्होंने दिनांक 06.06.2003 के पंजीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से यह संपत्ति श्री जगदीश यादव को हस्तांतरित की। तत्पश्चात, श्री जगदीश यादव ने दिनांक 08.08.2003 की विक्रय विलेख के माध्यम से यह संपत्ति श्रीमती विमलेश एवं श्री भूरा सिंह को बेची। इसके बाद, श्रीमती विमलेश एवं श्री भूरा सिंह ने दिनांक 13.04.2016 की विक्रय विलेख के माध्यम से यह संपत्ति श्री निशांत भारद्वाज को बेची। आगे चलकर, श्री निशांत भारद्वाज ने दिनांक 09.07.2021 की विक्रय विलेख के माध्यम से यह संपत्ति श्रीमती मोनी को हस्तांतरित की। उक्त संपत्ति सभी प्रकार के बंधक, देनदारियों, प्रभारों एवं ऋणभारों से मुक्त है। तथापि, श्रीमती मोनी ने सूचित किया है कि उक्त संपत्ति से संबंधित एक मूल दस्तावेज, अर्थात् दिनांक 08.08.2003 की विक्रय विलेख (पंजीकरण संख्या 6175), गुम/लापता हो गई है। उक्त दस्तावेज उपलब्ध नहीं है तथा खोजने पर भी नहीं मिला। इस संबंध में एक ऑनलाइन प्राथमिकी (LAR संख्या 20260000260134) दिनांक 18.03.2026 को दर्ज कराई गई है। कृपया यह भी अवगत हों कि उक्त संपत्ति पर RBL Bank Ltd., इंदिरापुरम गाजियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषण (Finance) किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

THE CITIZEN CO-OPERATIVE BANK LTD.Registration No. 514(U) of 1979 with the Registrar of Co-operative Societies

Registered office:4/3(8750), 1 Floor, D.B. Gupta Road, Paharganj (Near Jindal Hotel), New Delhi-110055

POSSESSION NOTICE (for immovable property)

(As per Appendix IV read with Rule 8 (1) of the Security interest (Enforcement) Rules, 2002)Whereas.

The undersigned being the Authorized Officer of The Citizen Co-Operative Bank Ltd. a Primary Co-operative Bank duly registered under Delhi Co-Operative Societies Act, 1972 and Recognized under Delhi Co-Operative Societies Act, 2003. The Citizens Co-operative bank Ltd. is also a banking company within the meaning of the Banking Regulation Act, 1949 having it's Registered office at 4/3(8750), 1st Floor, D.B. Gupta Road, Paharganj (Near Jindal Hotel), New Delhi 110055 under Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 ("SARFAESI Act") and in exercise of the powers conferred under sections 13(2) and 13(12) read with Rule 8(i) of the Security Interest (Enforcement) Rule, 2002 issued a Demand Notice dated 16th January 2026 which was thereby calling upon the parties 1. Sh. Rajendra Singh S/o Sh. Jiley Singh (Borrower) Having Address At: U-149 First Floor Upadhyay Block Shakarpur Delhi-110092 to repay the amount mentioned in the notice being Rs. 12,33,099.00 (Rupees Twelve Lakh Thirty Three Thousand Ninety Nine Only) towards Loan/LAP/Business Loan on 31th December 2025 together with further interest and other charges thereon on the date of receipt of the Notice. However, no payment was received pursuant to the said Notice dated 16.01.2026 The aforementioned Borrower having failed to repay the amount, notice is hereby given to the Borrower and the public in general that the undersigned has taken Symbolic possession of the property described herein below in exercise of powers conferred on him/her under section 13(4) of the SARFAESI Act read with Rule 8 of the above said Rules on this 18 Day of March of the year 2026.The Borrower/ Co Borrower mentioned herein above in particular and the public in general is hereby cautioned not to deal with the property and any dealings with the property will be subject to the charge of THE CITIZEN CO-OPERATIVE BANK LIMITED, having Registered address at 4/3(8750), 1 Floor, D.B. Gupta Road, Paharganj (Near Jindal Hotel), New Delhi -110055, for an amount of Rs. 12,33,099.00 (Rupees Twelve Lakh Thirty Three Thousand Ninety Nine Only) as on 31 December 2025 together with further interest and other charges thereon at the contractual interest and substitute interest, incidental expenses, costs and charges etc, due from 1th January 2026 till the date of full repayment and / or realization.

DESCRIPTION OF THE IMMOVABLE PROPERTY:

All That Piece and Parcel Property Shop No. U-149 First Floor Upadhyay Block Shakarpur Delhi-110092 Without Roof Right (i.e. Upto Ceiling Level) Measuring Area 100 Sq. Yds..i.e. 83.61Mtrs. owned by Sh. Rajendra Singh S/o Sh. Jiley Singh

Date: 18.03.2026 | **Sd/-, (Authorized officer),**
Place: Delhi | **The Citizens Co-Operative Bank Ltd.**

NAME CHANGE

I Dipesh Devi W/0]Shyam Veer Singh R/0 9963 , 2Nd Floor Gali No 4 Multani Dhanda Pahar Ganj Delhi 110055 Changed my name to Dipesh

NAME CHANGE

I Kavita Kohli D/O Ved Parkash Kohli R/O - 15/19 Ground Floor, Subhash Nagar, New Delhi - 110027 Changed my name to Kavita Arora.

NAME CHANGE

I, KANCHARANA PUSPALATA Wife of No-14836258W Rank-HAV/MT Name-BHUVANESWARA RAO TAVIRI Presently residing at 12-14 11/15, HANUMAN STREET, B C ROAD OPP DHANALATHA HOSPITAL, NEW GAJUWA, ANDHRA PRADESH-530026, have changed my name from KANCHARANA PUSPALATA to T PUSHPA LATHA for all future purposes vide Affidavit dated 19/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, RACHNA ARORA W/O JITENDER GIROTRA residing at C-176, TAGORE GARDEN EXTENSION, DELHI-110027 have changed my name to RASHI GIROTRA for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I, LAKHAN KUMAR S/O BIRENDRA BHAGAT PERMANENT ADDRESS-PENGWARA, SARAUTI, SIWAN, BIHAR-841241 PRESENT ADDRESS-DELHI police housing complex Mandoli J block first floor quarter no 2 declare that name of my father has been wrongly written as VIRENDRA BHAGAT in my PAN Card No-FXMPK1195L, Driving License No-BR29 20220009212 and All Educational Documents. The actual name of my father is BIRENDRA BHAGAT which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I GOURAV JAIN, s/o Late Shri Ram Lal Jain, R/o 2126, Eldeco County, Sec 19, Sonipat,Haryana-131027, have changed my name to GAURAV JAIN for all future purposes.

NAME CHANGE

I MOHD SUHAIL, s/o Mohd islam, R/o J3/58 3rd floor, khirki extension, Malviya nagar Delhi 110019 , have changed my name to MOHD SOHAIL for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Sarika, W/o Sandeep Bahl, R/o S 301, 2nd Floor, Uppal Southend, Sohna Road, Sector 49, Gurugram – 122018, Haryana, have changed my name to Sarika Bahl. Henceforth, I shall be known as Sarika Bahl.

NAME CHANGE

I rajesh panchal s/o Lt. Hem chander R/o - 97, village kirari,kirari suleman nagar,north west delhi, delhi -110086 have changed my name to Rajesh for all future purposes

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

गौरैया का कलरव एवं ऊर्जा का खत्म होना बड़ी चुनौती

विश्व गौरैया दिवस

ललित गर्ग

विश्व गौरैया दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम अपने भीतर झांकें और यह सोचें कि हम प्रकृति के प्रति कितने जिम्मेदार हैं। यह दिन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक संकल्प का दिन होना चाहिए-एक ऐसा संकल्प, जिसमें हर व्यक्ति यह निश्चय करे कि वह अपने स्तर पर प्रकृति और जीवों की रक्षा के लिए प्रयास करेगा। यदि हर घर एक छोटा-सा आश्रय बन जाए, हर आंगन में दाना-पानी की व्यवस्था हो जाए और हर मन में संवेदनशीलता जाग जाए, तो गौरैया फिर से लौट सकती है।

एक समय था जब सुबह की शुरूआत घर-आंगन में चहकती गौरैया की मधुर ध्वनि से होती थी। यह नन्हीं चिड़िया केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि हमारे जीवन, संस्कृति और संवेदनाओं का अभिन्न हिस्सा थी। बच्चों के बचपन की साथी, घरों की रौनक और प्रकृति की जीवंतता का प्रतीक-वही गौरैया आज हमारे आसपास से लगभग लुप्त होती जा रही है। यह केवल एक पक्षी के कम होने की कहानी नहीं, बल्कि मानव और प्रकृति के बीच बिगड़ते संतुलन का संकेत है। विश्व गौरैया दिवस हर वर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है, ताकि इस छोटी-सी चिड़िया के संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक किया जा सके। वर्ष 2026 की थीम व्यापक रूप से 'मानव और प्रकृति का सह-अस्तित्व' की भावना को आगे बढ़ाने वाली मानी जा रही है, जो यह संदेश देती है कि यदि हम प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर नहीं चलेंगे, तो न केवल गौरैया, बल्कि पूरा पारिस्थितिकी तंत्र संकट में पड़ जाएगा। गौरैया का जीवन मनुष्य के बेहद करीब रहा है। उसने हमारे घरों की छतों, खिड़कियों, रोशनदानों और पेड़ों पर अपने घोंसले बनाए। वह हमारी दिनचर्या का हिस्सा बनी रही। लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ ने उसे धीरे-धीरे उसके आश्रयों से बेदखल कर दिया। आज कंक्रीट के जंगलों में न तो उसके लिए घोंसले बनाने की जगह बची है और न ही उसके भोजन के स्रोत।

गौरैया की घटती संख्या के पीछे कई कारण हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है बदलती जीवनशैली। पहले घरों में खुले स्थान होते थे, मिट्टी के आंगन होते थे, छतों पर अनाज सुखाया जाता था और पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था स्वाभाविक रूप से होती थी। आज सब कुछ बंद कमरों और चमचमाती इमारतों में सिमट गया है। इससे गौरैया का प्राकृतिक निवास समाप्त हो गया है। इसके साथ ही कीटनाशकों और रासायनिक पदार्थों का अत्यधिक उपयोग भी एक बड़ा कारण है। गौरैया के बच्चे प्रारंभिक दिनों में कीट-पतंगों पर निर्भर रहते हैं, लेकिन आधुनिक खेती और बागवानी में रसायनों के बढ़ते उपयोग ने इन कीटों को ही समाप्त कर दिया है। परिणामस्वरूप गौरैया के बच्चों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाता और उनका जीवन खतरे में पड़ जाता है। मोबाइल टावरों से निकलने वाली सूक्ष्म तरंगों को भी गौरैया के लिए हानिकारक माना जाता है। ये तरंगें उनके नेविगेशन और प्रजनन क्षमता को प्रभावित करती हैं। यद्यपि इस पर वैज्ञानिक शोध अभी जारी हैं, लेकिन यह निश्चित है कि बढ़ता तकनीकी प्रदूषण पर्यावरण के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। जलवायु परिवर्तन भी गौरैया के अस्तित्व पर गहरा प्रभाव डाल रहा है। असमय वर्षा, अत्यधिक तापमान और मौसम के अनियमित बदलाव उनके जीवन चक्र को बाधित कर रहे हैं। इससे उनके प्रजनन और जीवन की स्थिरता प्रभावित होती है।

गौरैया का संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनहीनता का भी परिणाम है। हम धीरे-धीरे प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। हमारी प्राथमिकताएं बदल गई हैं और हमने अपने आसपास के जीवों के प्रति संवेदनशीलता खो दी है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि जब मनुष्य प्रकृति से कटता है, तो उसका अपना अस्तित्व भी संकट में पड़ जाता है। गौरैया का संरक्षण केवल एक पक्षी को बचाने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह हमारे पर्यावरण, हमारी संस्कृति और हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है। इसके लिए हमें छोटे-छोटे लेकिन प्रभावी कदम उठाने होंगे। सबसे पहले हमें अपने घरों और आसपास ऐसे स्थान बनाने होंगे, जहां गौरैया आसानी से घोंसला बना सके। आज बाजार में कृत्रिम घोंसले उपलब्ध हैं, जिन्हें घरों की बालकनी, दीवारों या पेड़ों पर लगाया जा सकता है। इसके साथ ही हमें नियमित रूप से दाना और पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। यह एक छोटी-सी पहल है, लेकिन इसका प्रभाव बहुत बड़ा हो सकता है। हमें अपने बगीचों और आसपास के क्षेत्रों में देशी पौधों को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि कीट-पतंगों की संख्या बढ़े और गौरैया को प्राकृतिक भोजन मिल सके। जैविक खेती और रसायनों के कम उपयोग को अपनाकर भी हम इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। बच्चों में भी प्रकृति के प्रति प्रेम और संवेदनशीलता विकसित करना आवश्यक है। उन्हें यह समझाना होगा कि पक्षी केवल देखने की वस्तु नहीं, बल्कि हमारे जीवन के साथी हैं। यदि बचपन से ही यह भावना विकसित होगी, तो भविष्य में एक जागरूक और जिम्मेदार समाज का निर्माण संभव होगा। सरकार और सामाजिक संस्थाओं को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। पक्षियों के संरक्षण के लिए ठोस नीतियां बनानी होंगी, शोध को बढ़ावा देना होगा और जन-जागरूकता अभियानों को व्यापक बनाना होगा। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक मंचों पर इस विषय को प्रमुखता से उठाना होगा। गौरैया हमें यह सिखाती है कि जीवन में सरलता, सामंजस्य और संतुलन कितना महत्वपूर्ण है। वह बिना किसी शोर-शराबे के अपने अस्तित्व को बनाए रखने की कोशिश करती है। लेकिन जब उसका अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाए, तो यह हमारे लिए चेतावनी है कि हमने कहीं न कहीं प्रकृति के साथ अन्याय किया है। आज आवश्यकता है कि हम अपनी सोच को बदलें। हम यह समझें कि यह धरती केवल हमारी नहीं है। यह सभी जीवों की साझी धरोहर है। यदि हम इसे केवल अपने स्वार्थ के लिए उपयोग करेंगे, तो एक दिन ऐसा आएगा जब हमारे पास कुछ भी शेष नहीं रहेगा।

विश्व गौरैया दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम अपने भीतर झांकें और यह सोचें कि हम प्रकृति के प्रति कितने जिम्मेदार हैं। यह दिन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक संकल्प का दिन होना चाहिए-एक ऐसा संकल्प, जिसमें हर व्यक्ति यह निश्चय करे कि वह अपने स्तर पर प्रकृति और जीवों की रक्षा के लिए प्रयास करेगा। यदि हर घर एक छोटा-सा आश्रय बन जाए, हर आंगन में दाना-पानी की व्यवस्था हो जाए और हर मन में संवेदनशीलता जाग जाए, तो गौरैया फिर से लौट सकती है। उसकी चहचहाहट फिर से हमारे जीवन में खुशियां भर सकती है। अंततः, गौरैया को बचाना हमारे अपने अस्तित्व को बचाना है। यह एक छोटा-सा कदम है, लेकिन इसके पीछे छिपा संदेश बहुत बड़ा है-प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर ही मानव जीवन सुरक्षित और सुखद हो सकता है। अब समय आ गया है कि हम जागें, समझें और अपने कर्तव्य का निर्वहन करें, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी गौरैया की मधुर चहचहाहट को सुन सकें और प्रकृति की इस अनमोल धरोहर को सहेज सकें।

संपादकीय

बेरोजगार स्नातक

सरकारी नौकरियों की घटती संख्या, निजी क्षेत्र की जरूरतों में बदलाव, बढ़ती आबादी तथा रोजगारपरक शिक्षा के अभाव में देश में रोजगार के अवसर कम हुए हैं। कहा जाने लगा है कि अब केवल शिक्षा ही रोजगार की गारंटी नहीं रह गई है। हाल के कुछ सर्वेक्षण इस बात की पुष्टि करते हैं। पिछले दिनों इस कटु सत्य को बयां करती ह्यस्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 2026ह्व रिपोर्ट आई है। रिपोर्ट बताती है कि देश में चालीस प्रतिशत युवा स्नातकों को बेरोजगार रहना पड़ता है। साथ ही उनमें से केवल सात फीसदी को ही एक वर्ष के भीतर स्थिर वेतन वाली नौकरियां मिल पाती हैं। निस्संदेह, हाल ही में सामने आए ये आंकड़े देश में रोजगार सृजन और उच्च शिक्षा तक पहुंच के बीच के असंतुलन को ही उजागर करते हैं। उल्लेखनीय है कि अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्येक वर्ष करीब पचास लाख स्नातक देश के कार्यबल में प्रवेश करते हैं। लेकिन उनमें से मुश्किल से आधे ही रोजगार पा सकते हैं। इसके साथ ही उन्हें कम सुरक्षित व कम वेतन वाली नौकरियां ही मिलती हैं। निश्चय ही दुनिया की सबसे अधिक युवा आबादी वाले देश के लिये यह सुखद संकेत नहीं कहा सकता है। अन्य शब्दों में कहें तो स्नातक होने और रोजगार के अवसरों के बीच व्याप्त असंतुलन के चलते भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश के कालांतर जनसांख्यिकीय दायित्व में तब्दील होने का खतरा पैदा हो रहा है। जिसे देश के नीति-नियंताओं को गंभीरता से लेना चाहिए। विशेषज्ञों का अनुमान है कि देश में कामकाजी उम्र की आबादी के साल 2030 से पहले चरम पर पहुंचने का आकलन है। इस स्थिति में चिंता जतायी जा रही है कि देश में युवा ऊर्जा के सदुपयोग करने का अवसर तेजी से कम होता जा रहा है। निर्विवाद रूप से यदि भविष्य में पर्याप्त और लाभकारी रोजगार के अवसर पैदा नहीं किए जाते हैं तो देश में बेरोजगारी बढ़ने से युवाओं के कुंठित होने का खतरा पैदा हो सकता है। वहीं दूसरी ओर भारतीय रोजगार परिदृश्य पर नजर रखने वाले विशेषज्ञ चिंता जता रहे हैं कि देश को शिक्षित युवाओं में लगातार बढ़ती निराशा, स्थिर आय और धीमी आर्थिक गतिशीलता जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वास्तव में यहां प्रश्न केवल संख्या का ही नहीं है वरन यह रोजगार की गुणवत्ता का भी सवाल है। देश में कई स्नातक ऐसे संस्थानों से निकलते हैं, जो शिक्षकों की कमी, पुराने पाठ्यक्रम और कमजोर उद्योग संबंधों जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। विडंबना यह भी है कि देश में कुशल श्रम को रोजगार देने में सक्षम क्षेत्र, मसलन विनिर्माण और उच्च मूल्य वाली सेवाएं पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हुई हैं। इसका परिणाम यह है कि डिग्री की संख्या रोजगार बाजार में मांग की संख्या के अनुपात में कहीं अधिक है। वहीं दूसरी ओर, निर्विवाद रूप से देश के रोजगार बाजार में सकारात्मक रूप से भी प्रगति के संकेत मिल रहे हैं। जाति और लिंग से जुड़ी व्यावसायिक बाधाएं धीरे-धीरे कम हो रही हैं। हालांकि, रोजगार सृजन में समांतर वृद्धि के बिना ये उपलब्धियां महत्वहीन ही होंगी। यह भी हकीकत है कि मौजूदा परिदृश्य में देश को नामांकन बढ़ाने की प्राथमिकता से हटकर रोजगार क्षमता बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा।

चिंतन-मनन

कैसे जानेंगे कि आप ताकतवर हैं या कमज़ोर

हमलोगों में एक बड़ी ही अजीब बात है अगर सामने वाला अपने से कमजोर दिखता है तो हम उसकी छोटी सी गलती पर भी भड़क उठते हैं और मार-पीट करने तक के लिए तैयार हो जाते हैं। इसके उलट अगर सामने वाला ताकतवर है तो उसकी बड़ी गलती पर भी खामोश रह जाते हैं। इसकी वजह है हमारी कमजोरी। हम अपनी कमजोरी को छुपाने के लिए ही कमजोर के सामने अपनी ताकत की नुमाईश करते हैं। तकतवर तो वह होता है जो अपनी शक्ति का प्रयोग कमजोर पर नहीं करता है।

इस संदर्भ में एक कथा उल्लेखनीय है। गुरू गोविंद सिंह जी का एक शिष्य था। एक बार वह गुरू जी के पास आकार बोला कि, आज मार्ग में एक दुबले-पतले व्यक्ति ने मेरा अपमान किया। इस पर मैंने उसकी खूब पिटाई की। गुरू जी ने कहा, यह तो तुमने बहुत ही गलत किया। कुछ दिनों बाद वही शिष्य गुरू जी के पास आया और बोला आज एक व्यक्ति ने फिर मेरा अपमान किया, लेकिन मैंने उसे कुछ नहीं कहा।

गुरू जी ने पूछा, वह व्यक्ति कैसा था। शिष्य ने जवाब दिया, काफी हट्ठा-कट्ठा और तंदुरूस्त था। गुरू गोविंद सिंह जी ने कहा कि, तुमने बहुत ही गलत किया जो उसे अपमान का उत्तर नहीं दिया। गुरू का उत्तर सुनकर शिष्य बड़ा हैरान हुआ और कहा कि, पिछली बार जब मैंने अपमान करने वाले की पिटाई की तब भी आपने मुझे गलत कहा था और इस बार जब मैंने अपमान का कोई उत्तर नहीं दिया तब भी आप मुझे गलत कह रहे हैं। आखिर मुझे करना क्या चाहिए? गुरू जी ने शिष्य को समझाया, पिछली बार तुमने एक कमजोर व्यक्ति की पिटाई की थी। इस बार तुम्हारा अपमान एक सबल व्यक्ति ने किया था। तकतवर व्यक्ति की पहचान यही है कि, वह कमजोर पर हाथ न उठाए और सबल व्यक्ति के द्वार किये गये अपमान को सहन न करे। इस बार तुमने एक सबल व्यक्ति द्वारा किये गये अपमान को सहन कर लिया है इसलिए मैंने तुम्हें गलत कहा है।

ईरानी नेताओं की शहादत अब करो या मरो?

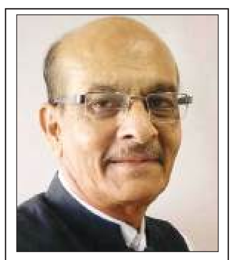

सनत जैन

रमजान के पवित्र महीने में जिस तरह से अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया इस हमले में सेकड़ो बच्चियों की मौत हो गई, ईरान के सुप्रीमो अयातुल्लाह खामेनेई सहित प्रथम पंक्ति के सैकड़ों नेताओं को मारकर जिस तरह से ईरान में तख्ता पलट कराने का जो प्रयास था वह पूरी तरह से विफल हो गया है। ईरान में मोसाद की उपस्थिति ने ईरान के नेताओं को मौत के घाट जरूर उतारा है, लेकिन इसकी प्रतिक्रिया अब दूसरे रूप में देखने को मिल रही है। ईरान में लोग एकजुट होकर इसका विरोध कर रहे हैं। पहली बार यह समझ आ रहा है, ईरान ने अपनी क्रीमी लेयर की जो सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था तैयार की थी इतनी बड़ी संख्या में महत्वपूर्ण व्यक्तियों की मौत हो जाने के बाद भी ईरान कहीं से भी कमजोर नहीं पड़ा है। उल्टे उसके ड्रोन और मिसाइलों ने जिस तरह से अमेरिका और इजरायल के सुरक्षा तंत्र को नुकसान पहुंचाया है इसकी कल्पना अमेरिका और इजरायल ने कभी नहीं की थी। ड्रोन और ईरान के मिसाइल इतने बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा सकते हैं या इतनी बड़ी संख्या में ईरान के पास सैन्य हथियार तकनीकी के साथ उपलब्ध हो सकते हैं इसकी जरा भी जानकारी अमेरिका और इजरायल को होती तो वह ईरान के साथ इस तरह का पंगा नहीं लेते। ईरान ने प्रतिक्रिया स्वरूप पश्चिम एशिया के जिन देशों में अमेरिका के सैन्य अड्डे थे उन्हें नष्ट करने में सफलता हासिल की है। जहां-जहां अमेरिकी सैनिक और दूतावास से उनको नष्ट किया है जिसके कारण अमेरिका को अपने सभी दूतावास बंद करने पड़े। अमेरिकी नौसेना भी कोई कमाल नहीं दिखा सकी उल्टे उनके बड़े-बड़े जहाज पीछे हटने को विवश हुए। अब एक और सबसे बड़ी गलती अमेरिका और इजरायल ने की है। उसने ईरान के गैस एवं पेट्रोल के ठिकानों पर हमला किया है, जिसका जवाब अब ईरान ने देना शुरू कर दिया है। जिसके कारण यह युद्ध अब एक ऐसी दशा में बदल रहा है जिसकी आग में सारी दुनिया के देशों को झुलसना पड़ सकता है। अमेरिका के मित्र देश और नाटो संगठन ने इस युद्ध में उतरने से साफ इनकार कर दिया है। रूस, चीन और उत्तर कोरिया खुलकर ईरान के समर्थन में आकर खड़े हो गए हैं। ईरान अभी तक इस युद्ध में नैतिकता के साथ लड़ाई लड़ रहा था लेकिन अब इस लड़ाई में ईरान भी अपनी नैतिकता छोड़कर अब युद्ध जीतने की लड़ाई लड़ेगा, जिसके कारण यह युद्ध किस रूप में और कहां तक जाएगा इसको लेकर अब तरह-तरह की आशंकाएं सामने आने लगी हैं। दुनिया के सभी देश अपने-अपने क्षेत्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए इस युद्ध से दूर रहते हुए अपनी कूटनीतिक संबंधों को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर सारी दुनिया के देशों को अपने विरोध में खड़ा कर लिया है। जिस तरह से अमेरिका अपना साम्राज्यवाद सारी दुनिया में स्थापित करने का प्रयास कर रहा था उसकी सारी दुनिया के देश विरोध कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप बेहतर राजनेता साबित नहीं हो रहे हैं। उनकी इमेज सारी दुनिया में एक गुंडे के रूप में बन गई है, जिसका खामियाजा अब अमेरिका को भुगतना पड़ेगा। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। इस युद्ध में अमेरिका को जहां आर्थिक रूप से भारी नुकसान हुआ है वहीं सारी दुनिया के देशों से जो संबंध खराब हुए हैं, अमेरिका की विश्वसनीयता खत्म हुई है, उसके दूरगामी परिणाम जल्द ही अमेरिका को भोगने पड सकते हैं। अमेरिका में तो यह चर्चा चल पड़ी है जिस तरह से एपस्टीन फाइल में उनका नाम आ रहा है। जिस तरीके से वह निर्णय ले रहे हैं इतना बड़ा युद्ध उन्होंने बिना कांग्रेस की अनुमति से छेड़ दिया। इसका खामियाजा सबसे पहले डोनाल्ड ट्रंप को ही भुगतना पड़ेगा। इस युद्ध में अमेरिका-इजरायल और ईरान तीनों ही बेलगाम हो चुके हैं। इस युद्ध के परिणाम क्या होंगे इसको लेकर कुछ भी कहना आज की तारीख में बहुत मुश्किल है। ऊर्जा संकट में सारी दुनिया को बड़े संकट में डाल दिया है वहीं आर्थिक मंदी की आशंका से पूरी दुनिया भयाक्रांत है।

बुलेट ट्रेन परियोजना को लगे पंख : गति,समन्वय और आधुनिक शहरी भारत की नई दिशा

बिनोद कुमार सिंह,

भारत आज उस परिवर्तनशील युग के द्वार पर खड़ा है,जहाँ विकास की परिभाषा निरंतर विस्तार पा रही है।अब विकास केवल सड़कों,पुलों और इमारतों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह गति,तकनीकी दक्षता, समन्वित परिवहन और नागरिक सुविधा के व्यापक अनुभव में रूपांतरित हो चुका है।इस बदलती हुई विकास- व्यवस्था का सबसे सशक्त और सजीव प्रतीक यदि कोई है,तो वह देश की बहुप्रतीक्षित बुलेट ट्रेन परियोजना है,जिसने अब वास्तविक रूप से गति पकड़ ली है और जिसके ह्लपंख लगनेह्व की अनुभूति देश के हर कोने में महसूस की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की दूरदर्शिता में यह परियोजना केवल एक हाई-स्पीड रेल सेवा नहीं,बल्कि भारत के शहरी और आर्थिक ढाँचे को पुनर्परिभाषित करने वाली एक क्रांतिकारी पहल बनती जा रही है। यह परियोजना उस भारत का निर्माण कर रही है जो समय की गति के साथ चलने के बजाय उसे नई दिशा देने की क्षमता रखता है।

बुलेट ट्रेन परियोजना का मूल उद्देश्य केवल तेज यात्रा उपलब्ध कराना नहीं है,बल्कि एक ऐसे समेकित परिवहन तंत्र का निर्माण करना है जो आधुनिक शहरी जीवन की आवश्यकताओं के अनुरूप हो। यही कारण है कि इस परियोजना में 'मल्टी-मॉडल इंटीग्रेशन' (टटक) को विशेष महत्व दिया गया है।यह अवधारणा भारतीय परिवहन व्यवस्था में एक मौलिक परिवर्तन का संकेत देती है।अब स्टेशन केवल ट्रेन पकड़ने या उतरने का स्थान नहीं रहेंगे,बल्कि वे एक ऐसे समन्वित केंद्र के रूप में विकसित होंगे जहाँ विभिन्न परिवहन साधन–बस,मेट्रो,टैक्सी,निजी वाहन-एक- दूसरे से सहज रूप से जुड़े होंगे।इस नई व्यवस्था का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि यात्रियों को एक माध्यम से दूसरे माध्यम में जाने के लिए अनावश्यक समय और ऊर्जा खर्च नहीं करनी पड़ेगी।यह न केवल यात्रा को सरल बनाएगा,बल्कि शहरों में बढ़ती भीड़,ट्रैफिक जाम और अव्यवस्थित परिवहन की समस्या को भी काफी हद तक नियंत्रित करेगा।स्टेशन परिसरों का विकास जिस आधुनिक दृष्टिकोण से किया जा रहा है,वह भारत में शहरी नियोजन के नए युग की शुरूआत का संकेत है।चौड़े और सुरक्षित फुटपाथ,सुव्यवस्थित पिकअप एवं ड्रॉप- ऑफ जोन, पर्याप्त पार्किंग,डिजिटल साइन सिस्टम,आधुनिक प्रकाश व्यवस्था और सीसीटीवी आधारित सुरक्षा तंत्र-ये सभी तत्व मिलकर एक ऐसा परिवेश तैयार कर रहे हैं जो न केवल सुरक्षित है,बल्कि यात्रियों के लिए अत्यंत सुविधाजनक और आकर्षक भी है।इसके साथ ही, पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए लैंडस्केपिंग,हरित क्षेत्र और वृक्षारोपण को भी विशेष महत्व दिया जा रहा है।जो दशार्ता है कि यह परियोजना केवल आधुनिकता की ओर अग्रसर नहीं है,बल्कि सतत विकास के सिद्धांतों को भी समान रूप से अपनाती है।

यदि हम इस परियोजना की वर्तमान प्रगति पर दृष्टि डालें,तो स्पष्ट होता है कि यह केवल एक कल्पना नहीं,बल्कि तेजी से साकार होती हुई वास्तविकता है। सूरतबुलेट ट्रेन स्टेशन इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है,जहाँ स्टील संरचना और रूफ शीटिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है और अब फिनिशिंग कार्य तीव्र गति से चल रहा है।प्लेटफॉर्म और कॉन्कोर्स क्षेत्रों में आंतरिक सज्जा का कार्य यह संकेत देता है कि यह स्टेशन शीघ्र ही अपने अंतिम स्वरूप में दिखाई देगा।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में दी गई जानकारी में इस परियोजना की प्रगति को विस्तार से रखते हुए बताया कि मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर पर कार्य अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है। 300 किलोमीटर से अधिक वायाडक्ट का निर्माण पूरा हो चुका है,जबकि पिलर निर्माण,ट्रैक बिछाने और स्टेशन विकास का कार्य लगातार जारी है।यह उपलब्धि न केवल इंजीनियरिंग क्षमता का परिचायक है,बल्कि भारत की कार्यान्वयन दक्षता को भी प्रदर्शित करती है।इस परियोजना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण पहलू है-भारत की पहली अंडरसी रेल सुरंग का निर्माण।यह सुरंग न केवल तकनीकी नवाचार का उदाहरण है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि भारत अब अत्याधुनिक इंजीनियरिंग परियोजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने की क्षमता रखता है।स्टेशन निर्माण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हो रही है।वापी, बिलिमोरा,सूरत और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (इडउ) जैसे प्रमुख स्टेशन तेजी से पूर्णता की ओर अग्रसर हैं।बिलिमोरा स्टेशन पर संरचनात्मक कार्य लगभग पूरा हो चुका है और अब इसे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है।आनंद स्टेशन पर लिफ्ट और एस्केलेटर की स्थापना यह दशार्ती है कि यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।वडोदरा,भरूच और वापी जैसे स्टेशनों पर भी निर्माण कार्य विभिन्न चरणों में प्रगति पर है।यह समग्र विकास इस बात का प्रमाण है कि यह परियोजना केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है,बल्कि क्षेत्रीय संतुलन और व्यापक विकास को भी ध्यान में रखकर आगे बढ़ाई जा रही है।

केद्रीय रेलमंत्री द्वारा संसद में दी जानकारी के अनुसार मुंबई उपनगरीय नेटवर्क को सुदृढ़ करने के लिए 238 नई ट्रेनों का निर्माण किया जा रहा है,जिनमें ऑटोमैटिक डोर क्लोजिंग सिस्टम जैसी आधुनिक सुविधाएँ होंगी।इसके अतिरिक्त, यात्रियों को राहत देने के लिए लगभग 3,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जा रही है।सरकार ने उच्च तकनीकी परियोजनाओं के साथ-साथ आम नागरिकों की दैनिक यात्रा सुविधाओं को भी उतना ही महत्व दे रही है।बुलेट ट्रेन परियोजना का प्रभाव केवल परिवहन तक सीमित नहीं है,बल्कि यह आर्थिक और सामाजिक विकास के नए द्वार भी खोल रही है।स्टेशन क्षेत्रों के आसपास व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि,नए रोजगार के अवसरों का सृजन और रियल एस्टेट के विकास जैसे कई सकारात्मक परिवर्तन इस परियोजना के प्रत्यक्ष परिणाम हैं।

इसके साथ ही,सीमावर्ती क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए नए रेल मार्गों के सर्वे भी किए जा रहे हैं। कच्छ क्षेत्र में देशलपार से हाजीपीर और वायोर से लखपत तक कनेक्टिविटी विकसित करने की योजना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है,जो राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय विकास दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी।आज के समय में जब महानगरों में ट्रैफिक जाम,प्रदूषण और अव्यवस्थित परिवहन जैसी समस्याएँ गंभीर चुनौती बन चुकी हैं, ऐसे में बुलेट ट्रेन परियोजना एक आशा की किरण के रूप में सामने आती है।यह न केवल यात्रा को तेज और सुरक्षित बनाएगी,बल्कि ईंधन की खपत को कम कर पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी।

जब विभिन्न परिवहन साधनों को एकीकृत किया जाता है,तो वह केवल सुविधा ही नहीं बढ़ाता, बल्कि शहरों के समग्र विकास को भी गति देता है।यही कारण है कि बुलेट ट्रेन परियोजना को केवल एक परिवहन परियोजना के रूप में नहीं देखा जा सकता,बल्कि यह एक व्यापक शहरी परिवर्तन का माध्यम है।अगर संक्षेप में कहा जाए तो बुलेट ट्रेन परियोजना आधुनिक भारत के सपनों का साकार रूप है।यह उस भारत की झलक प्रस्तुत करती है जो तेज व तकनीकी रूप से सक्षम और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील है।भविष्य में जब ये स्टेशन पूरी तरह विकसित होकर कार्य करने लगेंगे,तब वे केवल यात्रा के केंद्र नहीं,बल्कि आधुनिक जीवनशैली के प्रतीक बनकर उभरेंगे।वास्तव में,बुलेट ट्रेन आधुनिक भारत को गति देने के साथ-साथ शहरी विकास की एक नई दिशा भी निर्धारित कर रही है-एक ऐसी दिशा,जो भविष्य के भारत को वैश्विक मंच पर और अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनाएगी।

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम एशिया जंग ने रूसी-यूक्रेन वार्ता रोकी : जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि रूस और ईरान नफरत में भाई हैं। उन्होंने ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से मुलाकात करते हुए आग्रह किया कि यूक्रेन पर ध्यान न भटकाया जाए, जबकि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध ने रूस-यूक्रेन वार्ता की गति को प्रभावित किया है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस और ईरान का गठजोड़ न केवल युद्ध में है बल्कि हथियार और तकनीक में भी सहयोग कर रहा है। उन्होंने ब्रिटेन की संसद में कहा हमें नफरत पर आधारित शासन को कभी जीतने नहीं देना चाहिए।

न्यूयॉर्क: पूर्व मेयर एडम्स को कानूनी मदद रोकने की तैयारी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर प्रशासन ने पूर्व मेयर एरिक एडम्स को एक पुराने यौन उत्पीड़न मामले में दी जा रही कानूनी सहायता वापस लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह मामला 1993 से जुड़ा है, जब एडम्स पर एक महिला ने आरोप लगाया था कि उन्होंने करियर में मदद के बदले यौन संबंध की मांग की थी। हालांकि एडम्स ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब मौजूदा मेयर जोहरान ममदानी और एडम्स के बीच पहले से ही राजनीतिक मतभेद चल रहे हैं। शहर प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय कानूनी प्रक्रिया के तहत लिया गया है और इसमें मेयर का सीधा हस्तक्षेप नहीं है।

जॉर्जिया वेटरन्स अफेयर्स क्लिनिक में गोलीबारी : हमलावर ढेर

त्बिलिसी, एजेंसी। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में स्थित एक वेटरन्स अफेयर्स क्लिनिक में मंगलवार दोपहर गोलीबारी की घटना सामने आई। पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ के दौरान हमलावर को मार गिराया गया, जबकि एक कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद घायल कर्मचारी को हेलीकॉप्टर के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने बताया कि दोपहर करीब 1 :30 बजे सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची और क्लिनिक के बाहर ही संदिग्ध का सामना किया, जहां उसे गोली मार दी गई। स्थानीय पुलिस प्रमुख मैट डॉकिंस के अनुसार, हमलावर जैस्पर क्षेत्र का ही रहने वाला था, लेकिन उसके बारे में विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। घटना के कारणों की भी जांच जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गोली चलने की आवाज सुनते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई और उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। इस मामले की जांच अब संघीय जांच एजेंसी और जॉर्जिया ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन मिलकर कर रहे हैं। फिलहाल एहतियात के तौर पर क्लिनिक को पूरे सप्ताह के लिए बंद कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मरीजों की अपॉइंटमेंट दोबारा तय की जा रही हैं और प्रभावित लोगों को काउंसलिंग सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

न्यू मैक्सिको के अमेरिकी वायुसेना बेस पर गोलीबारी, एक की मौत ; एक घायल भी हुआ

अलमोगोर्डो, एजेंसी। न्यू मैक्सिको के एक अमेरिकी वायुसेना बेस पर गोलीबारी की घटना सामने के बाद हड़कंप मच गया। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया है। मिलिट्री अधिकारियों के अनुसार, आलामोगोर्डो के पास स्थित हॉलोमन एयर फोर्स बेस पर मंगलवार शाम करीब 5 :30 बजे गोली चलाने वाला हमलावर (एक्टिव शूटर) की सूचना मिलने के बाद पूरे बेस को लॉकडाउन कर दिया गया था। वहीं इस घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। हालांकि इसके बाद सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और बेस सुरक्षित है। लॉकडाउन भी हटा लिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल कोई खतरा नहीं है और आपातकालीन टीमें मौके पर काम कर रही हैं। फिलहाल, मारे गए और घायल हुए लोगों के नाम या घटना से जुड़ी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। गौरतलब है कि हॉलोमन एयर फोर्स एक बड़ा सैन्य बेस करीब 93 वर्ग मील (240 वर्ग किलोमीटर) में फैला हुआ है। यहां 49वीं विंग तैनात है, जो देश की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण काम करती है और इसमें युद्ध के लिए तैयार सैनिक शामिल होते हैं।

इक्वाडोर राष्ट्रपति ने कोलंबिया पर बमबारी के आरोपों का किया खंडन

क्विटो, एजेंसी। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ ने कोलंबिया में अपने देश द्वारा बमबारी करने के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि उनका देश नार्को आतंकवाद के खिलाफ अपने क्षेत्र में कार्रवाई कर रहा है और केवल इक्वाडोरियन क्षेत्र में ही छिपे नार्को गिरोहों के ठिकानों को निशाना बना रहा है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने सोमवार को दावा किया कि इक्वाडोर ने उनके देश की सीमा पर बमबारी की, लेकिन कोई सबूत पेश नहीं किया। पेट्रो ने अमेरिकी राष्ट्रपति से नोबोआ से संपर्क कर कार्रवाई रोकने का अनुरोध भी किया।

कौन थे ईरानी जनरल अली लारीजानी? हत्या कर इजरायल ने ईरान को दे दिया गहरा जख्म

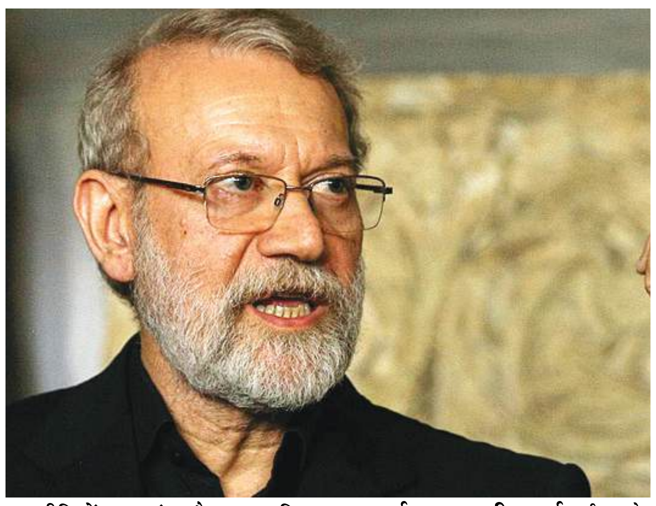

तेहारान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बीते तीन सप्ताह से जारी युद्ध के बीच इजरायल ने ईरान को बहुत गहरा ज़ख्म दे दिया है। इस बार टॉप कमांडरों को निशाना बनाते हुए इजरायल ने ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी और सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी और बासिज प्रमुख गुलामरेजा सुलेमानी की हत्या कर दी है। इजरायली सेना द्वारा मंगलवार को यह दावा किए जाने के बाद ईरान ने बुधवार को इस खबर की पुष्टि कर दी है। जाहिर है यह खबर सामने आते ही ईरान आग बबूला हो गया है। इसकी वजह यह है कि ईरान के लिए अली लारिजानी महज एक सैन्य कमांडर नहीं थे।

लारिजानी को ईरान में सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद सबसे ताकतवर नेताओं में गिना जा रहा था। ईरान परिषद के अनुसार इस हमले में लारीजानी के साथ उनके बेटे और सुरक्षाकर्मियों सहित कई अन्य लोग भी मारे गए हैं। एक बयान जारी कर ईरान ने लारीजानी के लंबे राजनीतिक करियर की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक ऐसी शख्सियत बताया जिसने जिंदगी के आखिरी क्षणों तक ईरान की प्रगति और बाहरी खतरों के खिलाफ एकजुटता के लिए काम किया। 67 साल के लारिजानी को आखिरी बार बीते शुक्रवार को तेहरान में अल-कुद्स डे परेड में सार्वजनिक रूप से देखा गया था।

कौन थे अली लारीजानी : अली लारिजानी दशकों तक ईरान की राजनीति में एक शांत और व्यावहारिक चेहरा माने जाते थे, जो एक तरफ पश्चिम देशों के साथ परमाणु समझौते पर बातचीत करते थे और दूसरी तरफ दर्शनशास्त्र पर किताबें भी लिखते थे। अली लारिजानी का जन्म 3 जून 1958 को इराक के नजफ में हुआ था, लेकिन उनका परिवार ईरान के अमोल शहर से था। उनका परिवार इतना प्रभावशाली था कि 2009 में टाइम मैगजीन ने उन्हें 'ईरान का केनेडी परिवार' बताया था। उनके पिता मिर्जा हाशेम अमोली एक बड़े धार्मिक विद्वान थे। लारिजानी ने 20 साल की उम्र में फरीदेह मोताहरी से शादी की थी, जो इस्लामिक शासन के संस्थापक रुहोल्लाह खोमैनी के करीबी सहयोगी मोर्तेजा मोताहरी की बेटी हैं।

दर्शनशास्त्र की पढ़ाई : ईरान के अन्य नेताओं की तुलना में लारिजानी की पढ़ाई अलग रही। उन्होंने 1979 में शरीफ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी से गणित और कंप्यूटर साइंस में डिग्री ली और बाद में तेहरान यूनिवर्सिटी से पश्चिमी दर्शनशास्त्र में मास्टर्स और पीएचडी की। उन्होंने जर्मन दार्शनिक इमानुएल कांट पर शोध भी किया था।

सरकार में निभाई कई जिम्मेदारियां : 1979 की क्रांति के बाद उन्होंने 1980 के दशक में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स में काम किया और बाद में सरकार में शामिल हुए। 2005 में वह राष्ट्रपति चुनाव लड़े लेकिन सफल नहीं हो सके। उसी साल उन्हें सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल का सचिव और मुख्य परमाणु वार्ताकार बनाया गया। 2020 के बाद उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की कोशिश की, लेकिन 2021 और 2024 में गार्जियन काउंसिल ने उन्हें चुनाव लड़ने से रोक दिया। हालांकि अगस्त 2025 में उन्हें फिर से सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल का सचिव बना दिया गया। इसके बाद उनका रुख और सख्त हो गया। अक्टूबर 2025 में उन्होंने इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी के साथ सहयोग समझौता खत्म कर दिया।

अमेरिका को दी थी धमकी : सख्त रुख के बावजूद लारिजानी को एक व्यावहारिक नेता माना जाता था, जो बातचीत के जरिए समाधान निकालने में भरोसा रखते थे। हाल ही में वह ओमान की मध्यस्थता में अमेरिका के साथ अप्रत्यक्ष बातचीत में भी शामिल थे। उन्होंने कहा था कि बातचीत ही सही रास्ता है, लेकिन अमेरिका-इजरायल के हमलों के बाद उन्होंने साफ कर दिया था कि ईरान अब अमेरिका से बातचीत नहीं करेगा। उन्होंने अमेरिका को चेतावनी दी थी कि अगर अमेरिकी सैनिक ईरान में घुसे तो उन्हें मार दिया जाएगा। 13 मार्च को हमलों के बीच वह तेहरान की सड़कों पर राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के साथ प्रदर्शन में भी शामिल हुए और लोगों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने मुस्लिम देशों की चुप्पी पर भी सवाल उठाए थे।

यूएई ने दक्षिण कोरिया को प्राथमिकता के आधार पर कच्चे तेल की आपूर्ति का किया वादा

सियोल , एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने दक्षिण कोरिया को कच्चा तेल सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ आपूर्ति करने का वचन दिया है। राष्ट्रपति लीजे म्युंग के मुख्य सहयोगी ने बताया कि खाड़ी देश से कुल 24 मिलियन बैरल कच्चा तेल सुरक्षित किया गया है।

राष्ट्रपति के मुख्य सहयोगी कांग हून-सिक ने यूएई यात्रा से लौटने के बाद एक ब्रीफिंग में यह घोषणा की। कांग ने कहा, 'यूएई ने स्पष्ट रूप से हमें वचन दिया कि किसी अन्य देश को दक्षिण कोरिया से पहले कच्चा तेल नहीं मिलेगा और तेल आपूर्ति के मामले में हम 'पहली प्राथमिकता' हैं।' कांग के अनुसार, नवीनतम घोषणा के साथ दक्षिण कोरिया को यूएई से कुल 24 मिलियन बैरल कच्चा तेल प्राप्त होगा, जिसमें पहले से तय 6 मिलियन बैरल भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यूएई में अस्थायी रूप से रहने वाले 3,500 दक्षिण कोरियाई नागरिकों में से 3,000 सुरक्षित रूप से अपने घर लौट आए हैं।

इसी बीच, राष्ट्रपति लीजे म्युंग ने जापान, कतर और सऊदी अरब के नेताओं को पत्र भेजकर मध्य पूर्व से दक्षिण कोरियाई नागरिकों की निकासी में सहयोग के लिए धन्यवाद किया, क्योंकि यूएस-इज़राइल युद्ध ने क्षेत्र में अस्थिरता पैदा कर दी है। ली ने जापानी प्रधानमंत्री सानेई टकाइची को पूर्व दिन भेजे गए पत्र में जापान की सराहना की, जिन्होंने पिछले बुधवार व शुक्रवार को जापानी चार्टर्ड फ्लाइट्स के माध्यम से 16 दक्षिण कोरियाई नागरिकों और उनके परिवार के अन्य राष्ट्रीयताओं के सदस्यों को टोक्यो पहुंचाने में मदद की। राष्ट्रपति प्रवक्ता कांग यू-जंग ने बताया कि ली ने दोनों देशों के बीच नजदीकी द्विपक्षीय समन्वय की भी सराहना की क्योंकि जापानी नागरिकों को सऊदी अरब से दक्षिण कोरिया एक दक्षिण कोरियाई सैन्य विमान के जरिए ले जाया गया।

अमेरिका में रिपब्लिकन वोटिंग बिल बहस : वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में रिपब्लिकन सांसदों ने मंगलवार को सीनेट में मतदान नियमों को कड़ा करने वाले बिल पर बहस शुरू की, जिसे पास कराना मुश्किल है। यह टॉकथॉन कई दिनों या हफ्तों तक चल सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सीनेट नेता जॉन थून पर दबाव डाला है कि वे फिलिबस्टर को खत्म करें या बिल पास करने का कोई रास्ता खोजें, लेकिन थून ने बार-बार कहा कि उनके पास पर्याप्त वोट नहीं हैं।

पाकिस्तान हमलों के बाद अफगानिस्तान का भरोसा टूटा', मुत्ताकी ने उठाए सवाल

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर गहराता नजर आ रहा है। अमीर खान मुत्ताकी ने कहा है कि काबुल पर हालिया हवाई हमलों के बाद अफगानिस्तान का पाकिस्तान की कूटनीतिक मंशा पर से भरोसा पूरी तरह उठ गया है। विदेश मंत्री मुत्ताकी ने काबुल में राजनयिकों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान कहा कि पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाई यह दर्शाती है कि वह विवादों को बातचीत से सुलझाने के बजाय बल प्रयोग का रास्ता अपना रहा है।

अफगान विदेश मंत्री ने कहा कि जब तक पाकिस्तान अपनी आक्रामक कार्रवाई बंद नहीं करता, तब तक किसी भी तरह की बातचीत या समझौता संभव नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान की सेना ने पिछले कुछ वर्षों में कई बार अफगान हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है। मुत्ताकी ने चेतावनी दी कि यह स्थिति केवल अफगानिस्तान तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए खतरा बन सकती है। उन्होंने पड़ोसी देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वे इस मुद्दे पर हस्तक्षेप कर हालात को और बिगड़ने से रोकें।

अंतरिक्ष में लगेंगे 50,000 विशाल दर्पण, रात में भी चमकेगा सूर्य : कैलिफोर्निया, एजेंसी। अंतरिक्ष में 50,000 विशाल दर्पण लगाए जाएंगे। इनके जरिये सौर ऊर्जा फार्मों को 24 घंटे धूप मिलेगी। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित स्टार्टअप रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल ने अंतरिक्ष से पृथ्वी पर सूर्य की रोशनी भेजने की एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। कंपनी का लक्ष्य पृथ्वी की कक्षा में 50,000 विशाल दर्पण स्थापित करना है, जो रात के अंधेरे में भी सौर ऊर्जा फार्मों और विशिष्ट क्षेत्रों को रोशन कर सकेंगे। हॉथोर्न स्थित इस कंपनी ने एक प्रोटोटाइप तैयार किया है, जो एक छोटे फ्रिज के आकार का उपग्रह है। इसमें 60 फीट चौड़ा एक मुड़ने वाला दर्पण लगा है। यह दर्पण अंतरिक्ष से सूर्य की किरणों को परावर्तित कर जमीन पर लगभग तीन मील चौड़े क्षेत्र में रोशनी फैलाएगा।

अमेरिका में हिंदूफोबिया के खिलाफ प्रस्ताव को मिल रहा समर्थन

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में हिंदूफोबिया और हिंदू-विरोधी कट्टरता की निंदा करने वाला एक प्रस्ताव जोर पकड़ रहा है। 400 से ज्यादा समुदाय के सदस्यों ने इस कदम का समर्थन किया है और कानून बनाने वाले हिंदू अमेरिकियों को निशाना बनाने वाली बढ़ती घटनाओं पर गवाहों के बयान सुन रहे हैं।

मिनेसोटा सीनेट में 9 मार्च को पेश किए गए इस प्रस्ताव का मकसद हिंदू अमेरिकियों के साथ होने वाले भेदभाव को औपचारिक रूप से मान्यता देना और धार्मिक स्वतंत्रता, बहुलवाद व आपसी सम्मान के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दोहराना है। 'कोएलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका' (सीओएचएनए), जिसने इस मुहिम की अगुवाई की है, ने कहा कि यह पहल मान्यता और सुरक्षा हासिल करने के लिए हिंदू समुदाय के लगातार प्रयासों को दर्शाती है। समुदाय के नेताओं ने मिनेसोटा सीनेट की न्यायपालिका और सार्वजनिक सुरक्षा समिति के सामने गवाही दी और राज्य व देशभर में सामने आई घटनाओं का जिक्र किया। इनमें एदिना में एक मंदिर को निशाना बनाकर की गई नफरती बयानबाजी, मेपल ग्रोव में पुजारियों के घरों में हुई चोरियां और अतीत में हिंदू संस्थानों पर हुए तोड़फोड़ और डराने-धमकाने के मामले शामिल थे। सीओएचएनए के मिनेसोटा चैप्टर की निदेशक नेहा मरकंडा ने समिति से कहा, 'जिस नफरत का कोई नाम नहीं होता, उसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। मिनेसोटा के कानून बनाने वालों से संस्थागत मान्यता मिलना इसलिए बहुत जरूरी है ताकि व्यापक समुदाय को यह भरोसा दिलाया जा सके कि उनके दर्द को देखा जा रहा है और यह कि हम सब मिलकर हर मिनेसोटावासी की सुरक्षा और गरिमा के वादे को पूरा करेंगे।' हिंदू समुदाय के सदस्यों द्वारा सौंपे गए एक पत्र में कानून बनाने वालों से इस प्रस्ताव का समर्थन करने की अपील की गई। एक मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार, कुछ ही दिनों के भीतर 400 से ज्यादा मिनेसोटावासियों द्वारा हस्ताक्षरित इस पत्र में हिंदूफोबिया के बारे में ज्यादा जागरूकता फैलाने, नफरती घटनाओं की रिपोर्टिंग के बेहतर तंत्र बनाने, और भेदभाव-विरोधी व विविधता से जुड़ी पहलों में हिंदू समुदायों को ज्यादा मजबूती से शामिल करने की मांग की गई है।

इस प्रयास को अन्य धार्मिक समूहों से भी समर्थन मिला है। 'यहूदी समुदाय संबंध परिषद' के उप-कार्यकारी निदेशक एथन रॉबर्ट्स ने कानून बनाने वालों से कहा कि धार्मिक नफरत का सामना करने के लिए उसे स्पष्ट रूप से स्वीकार करना जरूरी है।

बमबारी रुकी तो ही करेंगे मदद: फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मंगलवार को साफ किया कि मौजूदा युद्ध जैसी परिस्थितियों में फ्रांस होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा में किसी भी तरह की सैन्य भूमिका नहीं निभाएगा। उन्होंने यह बयान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस अपील के जवाब में दिया, जिसमें उन्होंने सहयोगी देशों से इस रणनीतिक जलमार्ग की सुरक्षा में मदद मांगी थी।

रक्षा परिषद की बैठक में इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फ्रांस इस संघर्ष का हिस्सा नहीं है और इसलिए वर्तमान हालात में जलडमरूमध्य को खोलने या सुरक्षित करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं करेगा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जब स्थिति सामान्य हो जाएगी और संघर्ष का तीव्र चरण समाप्त हो जाएगा, तब फ्रांस अन्य देशों के साथ मिलकर जहाजों को सुरक्षा देने में भूमिका निभा सकता है।

बमबारी और सैन्य अभियानों से अलग हो यह मिशन :मैक्रों इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि इस तरह के किसी भी मिशन के लिए ईरान के साथ तनाव कम करने और बातचीत की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि यह ईरान में चल रहे सैन्य अभियानों और बमबारी से पूरी तरह अलग होना चाहिए। दुनिया में करीब 20 प्रतिशत समुद्री तेल की आपूर्ति करने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य फिलहाल पश्चिम एशिया संघर्ष के चलते प्रभावित है। पिछले सप्ताह मैक्रों ने संकेत दिया था कि फ्रांस और उसके सहयोगी इस जलमार्ग को फिर से खोलने के लिए एक रक्षात्मक मिशन की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन यह तभी संभव होगा जब हालात में सुधार होगा। ट्रंप ने जताई थी नाटो से नाराजगी इमैनुएल मैक्रों के बयान से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो पर निशाना साधते हुए कहा कि संगठन ईरान के मुद्दे पर बड़ी गलती कर रहा है और अमेरिका को किसी मदद की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके अधिकांश सहयोगियों ने जहाजों की सुरक्षा के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि उनका देश सहयोगियों के साथ मिलकर होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की व्यवहारिक योजना पर काम कर रहा है, लेकिन उन्होंने नाटो मिशन से इनकार कर दिया। जर्मनी के अधिकारियों ने भी स्पष्ट किया कि यह युद्ध नाटो का विषय नहीं है।

1957 के बाद पहली बार उत्तर कोरियाई चुनाव अलग कैसे?

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया में 2026 के संसदीय चुनावों ने एक बार फिर वैश्विक ध्यान खींचा है। सरकारी मीडिया केसीएनए के अनुसार, देश के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन और उनकी वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया ने एक बार फिर लगभग सभी वोट और सभी सीटें अपने नाम करते हुए भारी बहुमत से जीत हासिल की। 15 मार्च को आयोजित इन चुनावों में 15वीं सर्वोच्च जनसभा के सदस्यों का चयन हुआ। मतदान प्रतिशत लगभग पूर्ण रहा, जिससे सरकार ने इसे जनता के समर्थन का प्रतीक बताया। चूकी किम जोंग उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता हैं और वहां लोकतंत्र नहीं है, तो जाहिर सी बात है कि जीत उनकी ही होनी थीं। हालांकि इन सभी चिजों के बीच ध्यान खींचने वाली बात यह है कि किम की पार्टी और उसके सहयोगी दलों को 99.93 प्रतिशत वोट मिले। इसके बाद सवाल यह उठ रहा है कि आखिर 0.7 प्रतिशत मतदाता कौन हैं, जिन्होंने किम जोंग या उनकी पार्टी को वोट नहीं दिया। ये बात सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा में है।

किम को क्यों नहीं पड़े 0.7 प्रतिशत वोट : 0.7 प्रतिशत मतदाओं की बात को ऐसे समझा जा सकता है कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पंजीकृत मतदाताओं में से 99.99% लोगों ने वोट डाला। केवल 0.0037% लोग विदेश में होने या समुद्र में काम करने के कारण मतदान नहीं कर सके, जबकि सिर्फ 0.00003% लोगों ने वोट डालने से परहेज किया। मतदान करने वालों में से 99.93% ने उम्मीदवारों का समर्थन किया, जबकि 0.07% ने विरोध में वोट दिया।

1957 के बाद पहली बार हुआ ऐसा : चुनाव विशेषज्ञों के अनुसार, इस चुनाव की एक खास बात यह रही कि 1957 के बाद पहली बार राज्य मीडिया ने यह स्वीकार किया कि कुछ वोट उम्मीदवारों के खिलाफ भी पड़े हैं। हालांकि यह संख्या बेहद कम (0.07%) है, फिर भी यह विरोध का आंकड़ा उत्तर कोरिया जैसे देश में असामान्य रूप से उल्लेखनीय माना जा रहा है। इस चुनाव के तहत कुल 687 प्रतिनिधि चुने गए, जिनमें कामगार, किसान, बुद्धिजीवी, सेवा कर्मी और सरकारी अधिकारी शामिल हैं। हर निर्वाचन क्षेत्र में केवल एक ही उम्मीदवार होने के कारण, कई आलोचक इसे दिखावटी चुनाव मानते हैं। यानी, यह चुनाव आम तौर पर केवल सरकारी या पार्टी के फैसलों को औपचारिक रूप देने का तरीका माना जाता है। चुनाव और मतगणना के बाद पूरी बात को ऐसे समझा जा सकता है कि उत्तर कोरिया में 2026 के संसदीय चुनावों में किम जोंग उन और उनकी वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया ने पूर्ण बहुमत के साथ जीत हासिल की है।

पाकिस्तान की मदद को आगे आया रूस, सस्ते तेल देने की पेशकश

इस्लामाबाद, एजेंसी। रूस ने पाकिस्तान को सस्ते तेल की पेशकश की है। यह खबर ऐसे समय में आई है जब मध्य पूर्व में जारी जंग के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हो रही है और पाकिस्तान में ईंधन की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। पाकिस्तान में रूस के राजदूत अल्बर्ट खोरेव ने कहा है कि उनका देश पाकिस्तान को रियायती (डिस्काउंटेड) दरों पर तेल की आपूर्ति करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने पाकिस्तान से इस अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

मंगलवार को इस्लामाबाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, खोरेव ने स्पष्ट किया कि यदि इस्लामाबाद इस मामले पर औपचारिक रूप से उनके देश से संपर्क करता है, तो रूस पाकिस्तान को सस्ता तेल बेचेगा। हालांकि, राजदूत ने यह भी बताया कि इस संबंध में अभी तक कोई औपचारिक संपर्क नहीं किया गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऊर्जा क्षेत्र दोनों देशों के द्विपक्षीय सहयोग का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ बना हुआ है और इस क्षेत्र में कोई भी प्रगति इस्लामाबाद द्वारा की जाने वाली पहल और बातचीत पर निर्भर करेगी।

मध्य पूर्व संकट और पाकिस्तान पर असर : दुनिया भर की कई अर्थव्यवस्थाओं की तरह, पाकिस्तान भी मध्य पूर्व में जारी युद्ध और तनाव के कारण सप्लाई चेन के बाधित होने से ईंधन की बढ़ती कीमतों से जूझ रहा है। अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमलों के जवाब में ईरान द्वारा रास्ता रोके जाने के बाद, वैश्विक तेल परिवहन के लिए एक प्रमुख मार्ग- होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से होने वाला शिपिंग यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है। इस भारी व्यवधान के बीच, पाकिस्तान ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 20% की भारी वृद्धि की है। हालांकि, वहां के केंद्रीय मंत्रियों का कहना है कि यह वृद्धि अस्थायी है और संघर्ष शांत होने के बाद इसे वापस ले लिया जाएगा। गौरतलब है कि पाकिस्तान पहले भी रूस से छूट वाले कच्चे तेल का आयात कर रहा है, हालांकि यह मात्रा सीमित रही है। पाकिस्तान अपनी कुल तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा सऊदी अरब, यूएई जैसे खाड़ी देशों से पूरा करता है, लेकिन हालिया वैश्विक संकट ने सप्लाई चैन को प्रभावित किया है। हाल ही में रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान को मार्च 2026 में रूसी तेल का एक बड़ा शिपमेंट मिलने की उम्मीद है। हालांकि, पाकिस्तान की रिफाइनरियां ज्यादातर हल्के क्रूड के लिए डिजाइन की गई हैं, जबकि रूसी उराल्स क्रूड भारी होता है, जिससे तकनीकी चुनौतियां भी हैं।

अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और ईरान पर रूस का रुख : रूसी राजदूत ने कहा कि मध्य पूर्व में ईरान की प्रतिक्रिया खाड़ी के जलक्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर केंद्रित थी, लेकिन मौजूदा अनिश्चितता का हवाला देते हुए उन्होंने इस पर अधिक टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। खोरेव ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य कार्रवाइयों से दुनिया हैरान रह गई है। उन्होंने मौजूदा स्थिति को जटिल और अप्रत्याशित बताते हुए कहा कि यह कहना बहुत मुश्किल है कि वर्तमान तनाव कैसे और कब समाप्त होगा।

ईरान में स्कूल पर हमले की निंदा और अमेरिका-इजरायल की आलोचना : रूसी राजदूत ने ईरान में लड़कियों के एक स्कूल पर हुए हमले की भी कड़ी निंदा की, जिसमें 170 बच्चों की जान चली गई। इसे अत्यंत निंदनीय बताते हुए उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने का आग्रह किया। उन्होंने तनाव में शामिल सभी पक्षों से बल प्रयोग से बचने और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत राजनीतिक और कूटनीतिक तरीकों से मुद्दों को हल करने का आह्वान किया। इसके अलावा, रूसी दूत ने अमेरिका और इजरायल की कार्रवाइयों की तीखी आलोचना की।

एक्ने बचाव जरूरी

स्ट्रेस का हमारे एडरेनल ग्लैंड्स पर असर पड़ता है, जो स्किन के नेचुरल ऑयल को सेक्रेट कर देता है, जिस कारण एक्ने निकल आता है। एक्ने की शुरुआत ब्लैकहेड से होती है। एक्ने में बैक्टीरियल एक्टिविटी भी होती है।

एक्ने ऑयली स्किन पर ही होता है। किशोरावस्था में यह आम है, जब शरीर हार्मोनल एक्टिविटी में गुजर रहा होता है, जो ऑयल ग्लैंड्स को भी एक्टिवेट कर देता है। हालांकि कई बार अधिक उम्र में भी एक्ने हो जाता है। स्ट्रेस का हमारे एडरेनल ग्लैंड्स पर असर पड़ता है, जो बदले में स्किन के नेचुरल ऑयल को सेक्रेट कर देता है और एक्ने निकल आता है। एक्ने की शुरुआत ब्लैकहेड से होती है। एक्ने में बैक्टीरियल एक्टिविटी भी होती है।

एक्ने से बचाव के लिए क्लींजिंग जरूरी है ताकि ऑयलीनेस कम हो जाए। हालांकि जरूरत से ज्यादा साबुन और पानी का इस्तेमाल स्किन को हद से ज्यादा एल्केलाइन कर देता है और एक्ने के लिए परिस्थिति पैदा कर देता है। मेडिकेटेड सोप, क्लींजर या लोशन का प्रयोग दिन में दो बार केवल सुबह और रात करना चाहिए। रात में क्लींजिंग बहुत जरूरी है। रोज बेस्ड स्किन टॉनिक या एस्ट्रिंजेंट लोशन का प्रयोग क्लींजिंग के बाद चेहरे को पोंछने के लिए करें। दिन में भी स्किन को रीफ्रेश करने के लिए इसका प्रयोग कर सकती हैं। नॉन-ऑयली डे क्रीम या प्रोटेक्टिव क्रीम का प्रयोग दिन में करना चाहिए। सैंडलवुड क्रीम को डे क्रीम के साथ मिलाकर लगा सकती हैं। ऑयली क्रीम और मॉयश्चराइजर नहीं लगाना चाहिए। रात में क्लींजिंग के बाद एंटी- एक्ने लोशन फोड़े- फुंसियों पर ही लगाएं। एक्ने के मार्क पर एंटी ब्लेमिश प्रिपरेशन लगाएं। यदि एक्ने है, तो रात में ऑयली स्किन वालों को नाइट क्रीम या मॉयश्चराइजर नहीं लगाना चाहिए। एक्ने हो, तो स्क्रब और ग्रेनी मास्क न लगाएं।

एक्ने वालों को ऐसी डाइट लेनी चाहिए, जो पूरे सिस्टम को क्लीन करे और टॉक्सिन व वेस्ट को बाहर करे। फाइबर और विटामिन-मिनरल युक्त डाइट लेनी चाहिए। फ्रेश फ्रूट व जूस, क्लीयर सूप, लस्सी, सलाद, स्प्राउट, होलग्रेन, दही का सेवन करें। लो फैट डाइट सही रहेगा। रोजाना 6 से 8 गिलास पानी पिएं और सुबह-सुबह लेमन जूस के साथ एक गिलास पानी पिएं। तला हुआ भोजन, मिठाई और चॉकलेट से परहेज करें।

पुरुषों की त्वचा महिलाओं की त्वचा से अधिक मोटी होती है। ऑयल प्रोड्यूसिंग ग्लैंड्स भी ज्यादा होता है इसलिए मेल स्किन अधिक ऑयली और बड़े पोर्स होते हैं। पोर्स पर ऑयल जल्दी जम जाता है औ र पिंपल्स व एक्ने हो जाता है। सुबह स्किन को क्लीन करने के बाद हर्बल शेविंग क्रीम से शेव करें। एस्ट्रिंजेंट लोशन से स्किन को पोछें। आफ्टर शेव लोशन इंफेक्शन से बचाता है।

घरेलू इलाज

- एक्ने एरप्शन पर सैंडलवुड पेस्ट लगाएं।
- दालचीनी पाउडर और मेथी पाउडर को मिला लें। इसमें लेमन जूस और शहद मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। एक्ने पर लगाएं और एक-दो घंटे के लिए छोड़ दें।
- नीम की पत्तियों को धीमी आंच पर उबालें। ठंडा होने पर निथार लें। पत्तियों का पेस्ट बनाएं और रोज लगाएं। आधे घंटे बाद धो लें।
- दही में चुटकीभर हल्दी मिलाएं और चेहरे पर लगाएं। पंद्रह मिनट बाद पानी से धो लें।

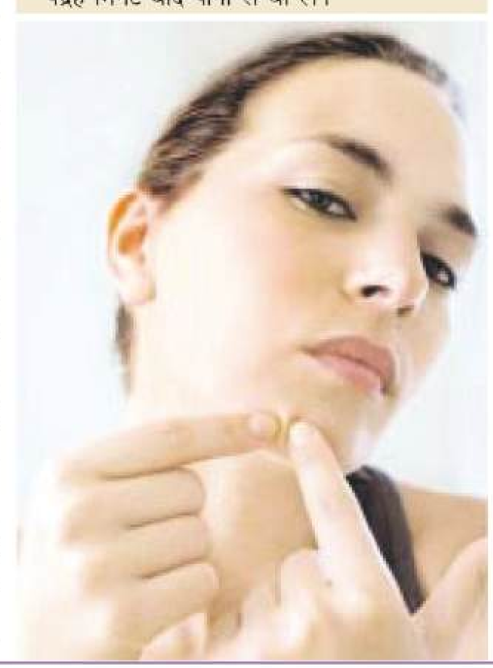

एग्जॉटिक फ्लावर्स से सजाएं घर

गर्मी के मौसम में आप अपने घर को एग्जॉटिक फ्लावर्स के गार्डन में तब्दील कर सकती हैं। ये फ्लावर्स विदेशी होते हैं, जो महंगे होते हैं लेकिन हमारे घर के पूरे डेकोरेशन को बदल डालते हैं। ऑर्किड, हेलिकॉनियाज, प्रोटिया जैसी विदेशी मेहमान के अलावा डिफरेंट टाइप के मनी प्लांट्स से भी घर को डेकोरेट कर सकती हैं

टिकाऊपन

ऑर्किड, हेलिकॉनियाज, अनथिरियम, प्रोटिया, बर्डस ऑफ पैराडाइस और जिंजर ऐसे विदेशी फूल हैं, जिनकी ठीक से देखभाल की जाए तो ये एक महीने तक फ्रेश दिखते हैं। इनका आकार काफी बड़ा और कलर बेहद हसीन होता है। चाहें तो एक तरह के ही फ्लावर्स को बंच में सजाएं या फिर दो-तीन फ्लावर्स को साथ में।

वाइब्रेंट कलर्स

ये फूल रेड, ऑरेंज, यलो, पिंक जैसे बोल्ड कलर्स में मिलते हैं। आर्किड के साथ आप ग्रीन और पर्पल कलर के एक्सेसरीज मिला लें तो आंखों को काफी सूदिंग लगता है। इनके शेड्स बहुत खुशगवार होते हैं। ये ट्रॉपिक के शेड्स हैं और समर कलर्स भी। इन फूलों को मुरझाने से बचाने के लिए हर हफ्ते इन पर पानी का छिड़काव करें।

ग्रीनरी का जलवा

इस गर्म मौसम में ग्रीन कलर न केवल आंखों को बल्कि मन को भी ठंडक पहुंचाते हैं। हमारे यहां तो ग्रीन कलर के केवल पत्ते ही होते हैं लेकिन ट्रॉपिकल ग्रीनरी हर शेप और साइज में उपलब्ध है। दो या तीन टी लीव्स या फिलाडेंड्रन लीव्स एग्जॉटिक ग्रीनरी को बेहतरीन टच दे सकता है।

आर्टिस्टिक प्लेसमेंट

फूल आपकी अरेंजमेंट का मेन फोकस रहना चाहिए। इसलिए ऐसे फूल का चुनाव करें, जिसकी मोटी सी स्टेम हो। जैसे- हेलिकॉनिया या बर्ड ऑफ पैराडाइज। इन्हें पहले वास में रखें। इसके बाद दूसरे फूलों को सजाएं, हाइट को कम करते हुए। ग्रीनरी को अंतिम में प्लेस करें। ध्यान रखें कि ग्रीनरी किसी भी फूल को छिपाएं नहीं।

सजाएं कुछ यूं

ऑर्किड, हेलिकॉनियाज, अनथिरियम, प्रोटिया, बर्डस ऑफ पैराडाइस, ब्रोमिलियाड, काला लिलीज और जिंजर को फ्लावर वास में अपने हिसाब से सेट कीजिए। इनके डेकोरेशन में बैंबू स्टिक, आर्टिफिशियल बेल्स और रिबन्स का भी प्रयोग कर सकती हैं। फूलों के बेल के अलावा मनीप्लांट से भी घर सजा सकती हैं। इससे घर का लुक यूनीक दिखेगा।

मेथी फ्रैंकी

सामग्री: आटा 1/2 कप, बेसन 1 कप, मेथी पत्ता 1/2 कप बारीक कटा हुआ, दही 1 टेबलस्पून, 2 प्याज बारीक कटा, 2 हरी मिर्च बारीक कटी, अजवायन 1/4 टीस्पून, हल्दी पाउडर 1/4 टीस्पून, तेल 1 टीस्पून, 2 टमाटर बारीक कटा, बीन स्प्राउट 1 कप, चाट मसाला 1/2 टीस्पून

विधि: बाउल में आटा और बेसन डालकर मिक्स करें। फिर उसमें मेथी पत्ता, दही, आधा प्याज और हरी मिर्च, अजवायन, हल्दी पाउडर डालें और अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद पानी डालकर गूंथ लें। गूंथे हुए आटे को गीले कपड़े से ढंक कर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। स्टफिंग के लिए, नॉन स्टिक पैन में तेल गर्म करें। बचा हुआ प्याज, हरी मिर्च, टमाटर डालकर दो-तीन मिनट तक भूनें। बीन स्प्राउट, चाट मसाला भी डाल दें और पैन आंच से उतार दें। गूंथे हुए आटे को आठ बराबर भागों में बांट कर रोटी की तरह बेल लें। तावा गर्म कर एक-एक कर रोटियां सेंकें। वर्क टॉप पर सभी रोटी को रखें और स्टफिंग मिक्सचर को रोटी में भरकर टाइटली रोल करें। तिरछे टुकड़ों में काटकर हरी चटनी के साथ गर्मागरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली - 2022

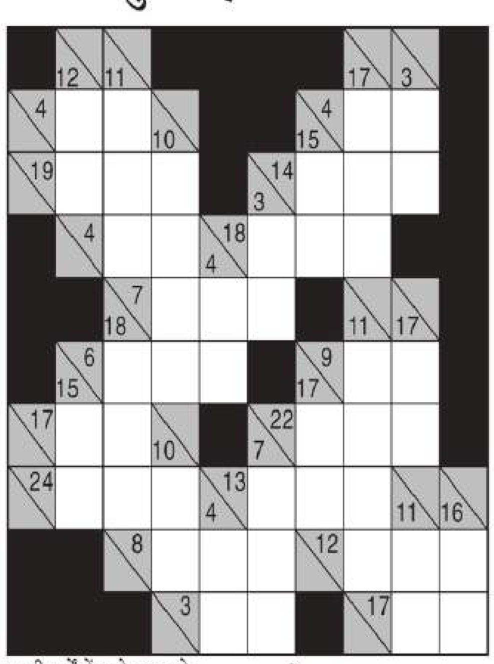

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

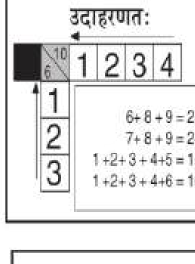

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2021 का हल

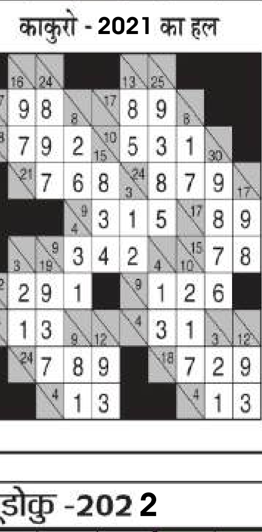

लॉफिंग ज़ोन

रमन और चमन दवा बेचने का काम करने लगे।

चमन- यह दवा ले लीजिए, इसे खाने वाला सदा जवान रहता है, कभी बूढ़ा नहीं होता। मुझे देखिए अभी मेरी उम्र अभी सिर्फतीन सौ साल है।

दुकानदार (पास खड़े व्यक्ति से बोला)- क्या तुम्हें ये तीन सौ साल के लगते हैं।

रमन- यह मैं कैसे बताऊँ! मैं तो इनके साथ डेढ़ सौ साल से हूँ।

□ □ □

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2022

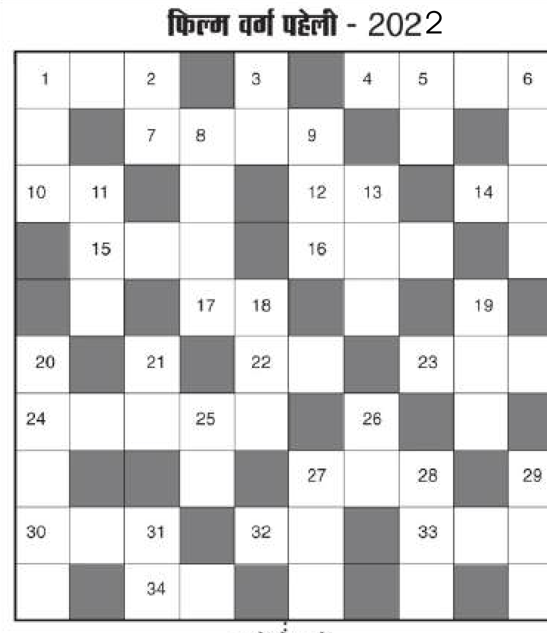

बायें से दायें:-

१. 'तू सामने जब आता' गीत वाली शाहरुख, माधुरी की फिल्म-३
४. शाहरुख, ट्विंकल की 'आशिक हूँ मैं कातिल भी' गीतवाली फिल्म-४
७. 'आके चली बांके चली' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. 'दिल चीज क्या है' गीत वाली 'उमराव जान' की नायिका-२
१२. राजेंद्र कुमार, माला की 'जिसके सपने हमें' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'मैं तुझ से मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
१५. अक्षयकुमार, रवीना की 'टिप टिप बरसा पानी' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'संभाला है मैं ने' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१७. जैकी, रति अग्निहोत्री की 'छोड़ो मुझे छोड़ों' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'हुतुतू' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-२
२३. 'ये रेशमी जुल्फे' गीत वाली राजेश, मुमताज की फिल्म-१,२
२४. मिथुन, चंकी, रितुपर्णा, सोमी अली की १९९४ की एक फिल्म-३,२
२७. 'बनाके क्यूँ बिगाड़ा रे' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
३०. जीतेंद्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीतवाली फिल्म-३
३२. 'एक लड़की जिसके होठों' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा की फिल्म-२
३३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
३४. 'तू प्यार का सागर है तेरी इक बूंद के प्यासे हम' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तन्हा तन्हा दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कहना है तुमसे कहना' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
३. फिल्म 'मिलन' में मनीषा कोईराला के साथ नायक का नाम-२
५. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दिया की फिल्म-२
६. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
८. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा की फिल्म-४
९. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, वहीदा की फिल्म-३
१३. 'हसीना गोरी गोरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'खानदान' की नायिका कौन थी-३
१९. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३
२०. 'हम साथ साथ हैं' में सोनाली के पिता की भूमिका किसने की थी?-३,२
२१. 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली राजेश, सुलक्षण की फिल्म-२
२५. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की एक सस्पेंस फिल्म-२
२६. 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२८. 'गोरी जो मटके' गीत वाली फिल्म-३
२९. सनी, मीनाक्षी की 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीवकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की १९८१ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2021

कु	बाँ	न		च	जू	द		आ	शा
बाँ		सी	मा		ही	रा		शि	
नी	ल	म		ग		र	क्ष	क	
	म्हे		खु	दा	र		त्रि		अ
स		ग	द	र		ज	य	श	ज
हे	मा		ग		सो	मी		जा	न
ली		क	र्ज			र	त्रि		बी
	ज	या		म	धु		दा	ग	
ब		म	र्या	दा		भा	ई		जू
जी	न	त		री		भी		डो	ली

सूडोकु -2022

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -202 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्द पहेली - 2022

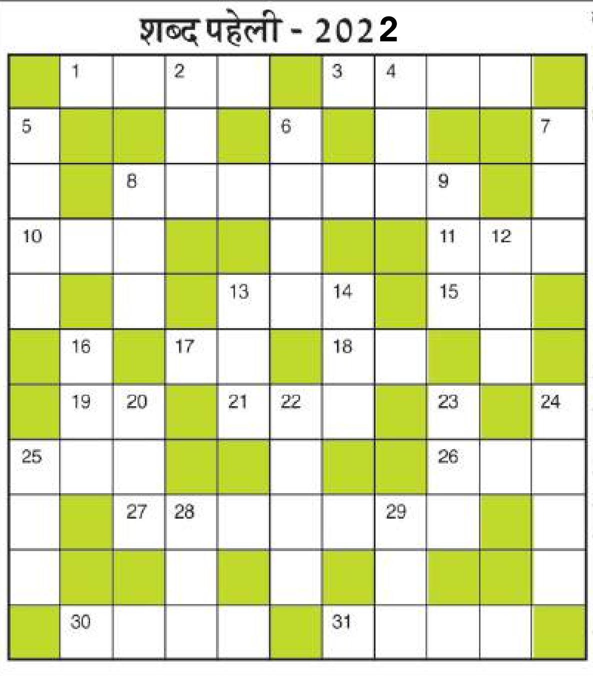

बाएँ से दाएँ

1.मरघट,कब्रिस्तान-4
3.पागल,बुद्धिहीन-4
8.भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10.डांटना,दुत्कार-3
11.तरुण,किशोर-3
13.ओट,घूँघट-3
15.तपस्या-2
17.पराया,अजनबी-2
18.आनंद,मौज-2
19.सूर्य,भास्कर-2
21.चिंतन,सोच विचार-3
25.वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26.वैद्य-3
27.आभास करना-4,3
30.शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31.युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2.कवि,गजलकार-3
4.भारत का झंडा-3
5.ईश्वर,भगवान-4
6.गुरुवार-4
7.दुर्ज,पापी,भूत-3
8.शरण,आश्रय-3
9.चांदी-3
12.उत्तराधिकारी-3
13.उत्कृष्ट,प्रधान-3
14.आंचल-3
16.कमल-3
20.रुकना,अंत, ठहराव-3
22.उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23.बर्दाश्त करना, निभाना-3
24.आय, कमाई-4
25.उष्ण-3
28.पराजित करना-3
29.उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली -2021 का हल

रा	ऊ	ल	के	ला			क	स	क	
ह	जाँ		श		श	त्रु	ता		न्या	य
गु			ही	र	क		र			म
ज	ला	ब	न			गं		अ	नु	ज
र		ब		बे	ल	गा	म		की	
	शा	न		क		ज		ब	ला	
	य		श	रा	र	त		न्द		त
म	द	द		र			अ	र	मा	न
श			स		शा	य	र			ब
क	म		न	र	म		मा		मा	द
	जा	न	म			म	न	मो	ह	न

पलवल के गदपुरी में आईटीआई खोलने की मांग सदन में उठी

एजेंसी

पलवल। पृथला विधानसभा क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा के विस्तार को लेकर कांग्रेस विधायक रघुबीर तेवतिया ने हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में गदपुरी गांव में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) स्थापित करने की जोरदार मांग उठाई। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष के माध्यम से मुख्यमंत्री के समक्ष यह मुद्दा रखते हुए कहा कि क्षेत्र के युवाओं को तकनीकी शिक्षा के लिए दूर-दराज जाना पड़ता है, जिससे उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विधायक तेवतिया ने कहा कि हरियाणा सरकार की नीति के अनुसार प्रत्येक ब्लॉक में एक आईटीआई स्थापित की जानी है, लेकिन पृथला ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले 36 गांवों में अभी तक एक भी आईटीआई नहीं है। उन्होंने बताया कि गदपुरी गांव नेशनल हाईवे-19 पर स्थित है, जो इस दृष्टि से उपयुक्त स्थान है। ग्राम पंचायत द्वारा आईटीआई निर्माण के लिए 5 एकड़ भूमि देने का प्रस्ताव भी पास किया जा चुका है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि गदपुरी में आईटीआई स्थापित कर क्षेत्र के युवाओं को स्थानीय स्तर पर तकनीकी शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएं। तेवतिया ने कहा कि इससे क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी। इस पर हरियाणा सरकार की ओर से राज्य मंत्री गौरव गौतम ने सदन में जवाब देते हुए कहा कि यदि ग्राम पंचायत 33 वर्ष के लिए 1 रुपये की लीज पर 5 एकड़ जमीन उपलब्ध कराती है, तो सरकार गदपुरी में आईटीआई स्थापित करने के लिए तैयार है।

सुवेंदु अधिकारी का दावा, भवानीपुर से ममता बनर्जी 25-30 हजार वोटों से हारेंगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। दो चरण में होने वाले मतदान को लेकर टीएमसी-भाजपा-कांग्रेस के साथ अन्य राजनीतिक दलों ने अपनी कमर कस ली है। भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा ने सुवेंदु अधिकारी को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। यह सीट हाई प्रोफाइल बन गई है, क्योंकि इसी सीट से प्रदेश की सीएम ममता बनर्जी भी चुनाव लड़ने वाली हैं। गुरुवार को भाजपा प्रत्याशी सुवेंदु अधिकारी भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र पहुंचे। यहां क्षेत्र के लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। जनता का भरपूर समर्थन पाकर सुवेंदु अधिकारी भी काफी खुश दिखाई दिए। यह उनका निर्वाचन क्षेत्र में उम्मीदवार घोषित होने के बाद पहला दौरा है। मीडिया से बातचीत के दौरान सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि आज शुरुआत हो गई है। 'ममता का जाना तय है। आने वाले दिनों में वोटिंग की यह हवा एकदम सुनामी होगी। ममता बनर्जी 25,000 से 30,000 वोटों से हार जाएंगी। उन्होंने कहा कि भवानीपुर ही नहीं, बल्कि पूरा बंगाल भगवामय हो रहा है। पीएम मोदी की नीतियों की लहर चल रही है। भाजपा की परिवर्तन की लहर चारों तरफ देखने को मिल रही है।

केदारनाथ धाम में फिर बदला मौसम, रुक-रुक कर बर्फबारी जारी

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों के पवित्र संगम पर स्थित रुद्रप्रयाग में गुरुवार को मौसम ने अचानक करवट ली है। सुबह से ही बाबा केदारनाथ धाम में रुक-रुक कर बर्फबारी हो रही है। ये बर्फबारी न सिर्फ मौसम को ठंडा बना रही है, बल्कि प्रशासन की चिंताएं भी बढ़ा रही है। केदारनाथ, जिसे 11वें ज्योतिर्लिंग के रूप में जाना जाता है, वहां इस हफ्ते में तीसरी बार बर्फबारी हो रही है। मार्च के महीने में इस तरह की लगातार बर्फबारी को थोड़ा असामान्य माना जा रहा है। आमतौर पर इस समय तक मौसम थोड़ा साफ होने लगता है, लेकिन इस बार ठंड अभी भी बनी हुई है और ऊंचाई वाले इलाकों में तापमान लगातार गिर रहा है। दिलचस्प बात ये है कि जब देश के कई हिस्सों में लोग गर्मी से राहत पाने के तरीके ढूंढ रहे हैं, तब उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में लोग ठंड और बर्फबारी से जूझ रहे हैं। रुद्रप्रयाग जिले के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लगातार बर्फ गिर रही है, जिससे जनजीवन भी प्रभावित हो सकता है। अब सबसे बड़ी चिंता ये है कि आगामी 22 अप्रैल को केदारनाथ मंदिर के कपाट खुलने हैं। हर साल लाखों श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं। ऐसे में अगर मौसम इसी तरह खराब बना रहा, तो यात्रा की तैयारियों में दिक्कत आ सकती है। प्रशासन के सामने चुनौती ये है कि समय रहते रास्तों को साफ किया जाए और सभी जरूरी इंतजाम पूरे किए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो।

ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर लगाए गंभीर आरोप, बताया- अघोषित आपातकाल जैसे हालात

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग की कार्रवाई पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल को निशाना बनाकर अभूतपूर्व और चिंताजनक कदम उठा रहा है। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए कहा कि चुनाव की औपचारिक घोषणा से पहले ही राज्य के 50 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों को अचानक और मनमाने तरीके से हटा दिया गया, जिनमें मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी, एडीजी, आईजी, डीआईजी, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक शामिल हैं। उन्होंने इसे प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि उच्च स्तर की राजनीतिक दखलअंदाजी बताया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि निष्पक्ष रहने वाली संस्थाओं का राजनीतिकरण किया जा रहा है, जो संविधान पर सीधा हमला है।

चीन में भारत के राजदूत नियुक्त हुए विक्रम दोराईस्वामी, कई देशों में संभाल चुके हैं जिम्मेदारी

एजेंसी

नई दिल्ली । 1992 बैच के आईएफएस अधिकारी विक्रम दोराईस्वामी को चीन में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। गुरुवार को विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी में बताया गया कि विक्रम दोराईस्वामी अभी ब्रिटेन में भारत के हाई कमिश्नर हैं और उन्हें चीन में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। उम्मीद है कि वह जल्द ही यह काम संभाल लेंगे। दोराईस्वामी 1992 में भारतीय विदेश सेवा में शामिल हुए। उससे पहले, उन्होंने एक साल तक पत्रकारिता की। विदेश मंत्रालय के मुताबिक उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से इतिहास में मास्टर डिग्री ली। 1992-1993 में नई दिल्ली में अपनी इन-सर्विस ट्रेनिंग पूरी करने के बाद दोराईस्वामी मई 1994 में हांगकांग में भारतीय दूतावास में थर्ड सचिव नियुक्त हुए। उन्होंने हांगकांग के चीनी विश्वविद्यालय के न्यू एशिया येल-इन-

एशिया लैंग्वेज स्कूल से चीनी भाषा में डिप्लोमा पूरा किया। सितंबर 1996 में उन्हें बीजिंग में भारतीय दूतावास में नियुक्त किया गया, जहां उन्होंने लगभग चार साल तक जिम्मेदारी संभाली। फिर 2000 में नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय में लौटने पर, दोराईस्वामी ने डिप्टी चीफ ऑफ प्रोटोकॉल (ऑफिशियल) नियुक्त की भूमिका निभाई। दो साल बाद उन्हें प्रधानमंत्री के ऑफिस में प्रमोट किया गया। बाद में उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री के निजी सचिव के तौर पर काम किया। 2006 में दोराईस्वामी ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में राजनीतिक सलाहकार के तौर पर और अक्टूबर 2009 में जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) में भारत के महावाणिज्य दूत के तौर पर कार्यभार संभाला। जुलाई 2011 में दोराईस्वामी नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय में वापस आ गए, जहां उन्होंने साउथ एशियन एसोसिएशन फॉर रीजनल कोऑपरेशन (एसएआरसी) विभाग का नेतृत्व किया। इस दौरान वे मार्च 2012 में नई दिल्ली में चौथे ब्रिक्स समिट के कोऑर्डिनेटर भी थे। फिर अक्टूबर 2012 से अक्टूबर 2014 तक दोराईस्वामी विदेश मंत्रालय के अमेरिकी विभाग में संयुक्त सचिव थे। अप्रैल 2015 में कोरिया में भारत के राजदूत नियुक्त होने से पहले वे अक्टूबर 2014 में उज्बेकिस्तान में भारत के राजदूत बने।

सांप के ज़हर मामले में यूट्यूबर एल्विश यादव को बड़ी राहत, कोर्ट ने रद्द की आपराधिक कार्यवाही

एजेंसी

मुंबई । यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी विनर एल्विश को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी रहत दे दी है। कोर्ट ने यूट्यूबर के खिलाफ सांप के जहर की तस्करी और उसके सेवन से जुड़े मामले में चल रही आपराधिक कार्रवाही को रद्द कर दिया। कोर्ट का कहना है कि दर्ज की गई शिकायत में प्रक्रियात्मक खामियां थी, हालांकि कोर्ट ने अधिकारियों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत नए सिरे से शिकायत दर्ज करने और जांच की अनुमति दी है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एम. एम. सुंदरेश और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने मामले पर सुनवाई करते हुए कहा, 'जिस तरह से शिकायत दर्ज की गई थी, उसमें प्रक्रियात्मक खामियां थीं और कानून की नजर में यह शिकायत टिक नहीं सकती। कोर्ट ने कहा कि हम इसमें उठाए गए अन्य मुद्दों पर विचार नहीं करेंगे, हालांकि साथ ही दोबारा नए सिरे से शिकायत दर्ज करवाने और जांच के मार्ग को खुला रखा है। कोर्ट की तरफ से कहा गया कि अधिकारियों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत नए सिरे से शिकायत दर्ज करने या जांच करने की अनुमति है।' कोर्ट ने यह भी माना कि एल्विश पर लगाए गए आरोपों को साबित करने के लिए ठोस सबूत भी मौजूद नहीं है। इसके बाद कोर्ट ने मामले में चल रही आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने का फैसला किया। नोएडा पुलिस ने नवंबर 2023 में एक रेव पार्टी में कथित तौर पर सांपों के जहर के इस्तेमाल के आरोप में एल्विश यादव और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री के संसद भवन के कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का पुष्प-गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। प्रधानमंत्री मोदी को उन्होंने स्मृति स्वरूप श्रीलंका से लाई हुई भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंट की।

प्रधानमंत्री मोदी को राज्यपाल पटेल ने भारतीय प्रतिनिधि मण्डल के साथ श्रीलंका से पवित्र बौद्ध अवशेषों को भारत वापस लाने की अपनी यात्रा के संबंध में जानकारी दी। प्रधानमंत्री को यात्रा के विवरण पर आधारित पुस्तक बुद्ध धरोहर की सांस्कृतिक यात्रा भारत से श्रीलंका भेंट की। प्रधानमंत्री मोदी को उन्होंने राज्य की प्रगति से अवगत कराया तथा विकास के विभिन्न आयामों पर चर्चा की। इससे पहले राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने राष्ट्रपति भवन पहुंचकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से

शिष्टाचार भेंट की। राष्ट्रपति को पुष्पगुच्छ भेंट कर राज्यपाल पटेल ने उनका अभिनंदन किया। राष्ट्रपति को राज्यपाल पटेल ने भारतीय प्रतिनिधि मण्डल के साथ श्रीलंका से पवित्र बौद्ध अवशेषों को भारत वापस लाने की अपनी यात्रा के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने राष्ट्रपति को राज्य की प्रगति से अवगत कराया तथा विकास के विभिन्न आयामों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री योगी से कनाडा के उच्चायुक्त ने की मुलाकात, यूपी में निवेश एवं टेक्नोलॉजी सहयोग पर जोर

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कनाडा के उच्चायुक्त क्रिस्टोफर कूटर ने भेंट कर उत्तर प्रदेश में निवेश, प्रौद्योगिकी सहयोग और कौशल विकास के क्षेत्रों में साझेदारी को आगे बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की।

उच्चायुक्त क्रिस्टोफर कूटर ने भारत-कनाडा के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की व्यापक संभावनाओं पर जोर देते हुए उत्तर प्रदेश को एक उभरते निवेश और नवाचार केंद्र के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश में हुए व्यापक परिवर्तन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि राज्य ने बीते वर्षों में आधारभूत संरचना, नीतिगत सुधार और सुशासन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिससे यह वैश्विक निवेशकों के लिए एक विश्वसनीय और आकर्षक गंतव्य बनकर उभरा है।

भेंट के दौरान उच्चायुक्त ने ग्रीन एनर्जी, एलएनजी/एलपीजी, क्रिटिकल मिनरल्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उन्नत प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने में गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में साझेदारी को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि कनाडा के अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों और उत्तर प्रदेश के बीच सहयोग से कौशल विकास, नवाचार और वैश्विक प्रतिभा विनिमय को नई गति मिल सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश की मजबूत आधारभूत संरचना, बेहतर कनेक्टिविटी और निवेश-अनुकूल नीतियां इसे वैश्विक कंपनियों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाती हैं।

उच्चायुक्त ने यह भी कहा कि कनाडाई कंपनियां उत्तर प्रदेश में दीर्घकालिक निवेश और तकनीकी साझेदारी के लिए सक्रिय रूप से अवसरों का आकलन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सतत ऊर्जा, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण के क्षेत्रों में कनाडा की विशेषज्ञता, उत्तर प्रदेश की विकास आकांक्षाओं के साथ स्वाभाविक रूप से मेल

खाती है, जिससे दोनों पक्षों के बीच एक मजबूत साझेदारी विकसित की जा सकती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में उपलब्ध निवेश-अनुकूल वातावरण, औद्योगिक विकास और नीतिगत सुधारों का संक्षिप्त उल्लेख करते हुए कनाडा की कंपनियों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

खरगे के बयान पर देवेगौड़ा का पलटवार, कांग्रेस से रिश्ते को बताया 'जबरन शादी ', कहा- 2019 में गठबंधन तोड़ा गया

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के अध्यक्ष एच. डी. देवेगौड़ा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की आज संसद में की गई टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। देवेगौड़ा ने कांग्रेस के साथ अपने पुराने गठबंधन को 'जबरन शादी' करार देते हुए कहा कि परिस्थितियों के चलते उन्हें 'तलाक' लेना पड़ा। देवेगौड़ा ने जारी अपने बयान में कहा कि मेरे प्यारे और पुराने दोस्त, मल्लिकार्जुन खरगे ने आज संसद में मेरे बारे में एक मज़ाकिया टिप्पणी की थी कि वह पहले कांग्रेस के साथ 'प्रेम' में थे, लेकिन बाद में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा से 'शादी' कर ली। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें इसका कारण नहीं पता कि मैंने ऐसा क्यों किया।

देवेगौड़ा ने कहा कि वह उस समय सदन में मौजूद नहीं थे, क्योंकि उन्हें उगादी समारोह में शामिल होने के लिए बेंगलुरु जाना था। उन्होंने उसी शैली में जवाब देते हुए कहा, 'अगर मैं अपने दोस्त को शादी वाली

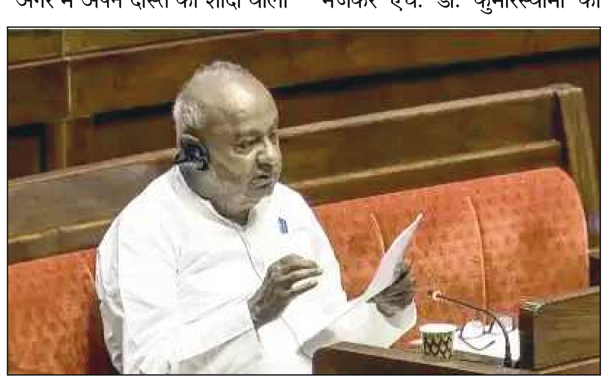

भाषा में ही जवाब दूं, तो मैं यह कहना चाहूंगा कि कांग्रेस के साथ मेरी 'ज़बरन शादी' हुई थी, लेकिन मुझे उनसे 'तलाक' लेना पड़ा, क्योंकि वह एक ज़्यादती भरा रिश्ता था। 'देवेगौड़ा ने 2018 के घटनाक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस ने गुलाम नबी आजाद को भेजकर एच. डी. कुमारस्वामी को मुख्यमंत्री बनाने का प्रस्ताव दिया था, जिसे उन्होंने स्वीकार नहीं किया था। उन्होंने कहा कि उन्होंने उस समय खरगे को मुख्यमंत्री बनाने की वकालत की थी और इस दौरान सिद्धारमैया भी मौजूद थे, लेकिन अंततः कुमारस्वामी के नेतृत्व पर जोर दिया गया। पूर्व प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि 2019 में कांग्रेस ने गठबंधन को तोड़ दिया और कई कांग्रेस विधायकों के भाजपा में शामिल होने की घटनाएं सामने आईं। उन्होंने कहा कि यह अब सार्वजनिक जानकारी है कि इन दलबदल के पीछे कौन था।

देवेगौड़ा ने कहा, 'अगर उस समय कांग्रेस ने दलबदल को बढ़ावा देने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की होती, तो आज मेरे मित्र खरगे की स्थिति पार्टी अध्यक्ष के तौर पर कहीं बेहतर होती। ' पूर्व प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि उन्होंने कांग्रेस गठबंधन नहीं छोड़ा था, बल्कि कांग्रेस ने ही उन्हें छोड़ दिया था। ऐसे में उन्होंने कांग्रेस से 'तलाक' लेकर एक 'स्थिर गठबंधन' की तलाश करनी पड़ी।

अमित शाह और नितिन गडकरी समेत कई नेताओं ने चैत्र नवरात्रि पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई बड़े नेताओं ने नवरात्रि के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि की भी कामना की है। नवरात्रि के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'जय माता दी। चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। मां भगवती से आपके उत्तम स्वास्थ्य, समृद्धि और वैभवपूर्ण जीवन की कामना करता हूं।' केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'समस्त देशवासियों को चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। मां दुर्गा की शक्ति और साहस और वसंत ऋतु की शुरुआत के प्रतीक का यह मंगल पर्व सभी को सुख-शांति और समृद्धि प्रदान करें। ' केंद्रीय संसदीय और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लिखा, 'हिंदू नववर्ष, गुड़ी पड़वा, उगादी और चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर मां शैलपुत्री से कामना है कि यह नवसंवत्सर हम सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और नई आशाओं का संचार करे। ' केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पोस्ट किया, 'वन्दे वाञ्छितलाभाय चन्द्रार्धकृतशेखराम्। वृषारूढां शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीम्। चैत्र नवरात्र के पावन प्रथम दिवस मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री के चरणों में प्रणाम और यही प्रार्थना कि हे मैया सम्पूर्ण जगत का मंगल और कल्याण करो। चहुंओर सुख एवं समृद्धि का वास हो। जय मां शैलपुत्री। '

मप्र के मुख्यमंत्री से मिले नेशनल डिफेंस कॉलेज के ट्रेनी ऑफिसर्स

एजेंसी

भोपाल। भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के अधीन नेशनल डिफेंस कॉलेज में ट्रेनिंग ले रहे पांच देशों के ट्रेनी ऑफिसर्स ने मध्य प्रदेश के प्रवास के दौरान शाम भोपाल में मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर समत्व भवन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की।

इस अवसर पर बताया गया कि रक्षा मंत्रालय के मेजर जनरल पवनपाल सिंह एवं समकक्ष कुनाल सत्यार्थी के नेतृत्व में फ्रांस, यूएई, भूटान, नेपाल एवं म्यांमार (बर्मा) का 16 सदस्यीय प्रशिक्षण दल 15 से 20 मार्च तक मध्य प्रदेश प्रवास पर आया हुआ है। गुरुवार, 19 मार्च को यह प्रशिक्षण दल भोपाल जिले के होम स्टे ग्राम खारी सहित उज्जैन एवं इंदौर जिले के प्रवास पर रहेगा।

बताया गया कि बीते तीन दिनों में इस दल ने राज्यपाल मंगुभाई पटेल एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भेंट सहित भोजपुर मंदिर, वन विहार, भीमबैठका गुफाएं, राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, जनजातीय संग्रहालय सहित अन्य स्थलों का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रशिक्षण दल का मध्य प्रदेश की धरती पर स्वागत करते हुए कहा कि आप सब देश के सबसे हरे-भरे एवं घने वन वाले प्रदेश और टाइगर स्टेट में हैं।

भोपाल ऐसी जगह है, जहां प्रायः सड़कों पर बाघ घूमता दिखाई दे जाता है। यह मनुष्य और वन्य प्राणियों के साहचर्य जीवन का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भोपाल के बड़े तालाब का निर्माण करीब 1000 साल पहले और श्रीमहाकालेश्वर मंदिर का निर्माण सैकड़ों साल पहले हुआ था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे वन, जंगली वन्य जीवों से भरे पड़े हैं। हमारे यहां 100 से ज्यादा हाथी हैं और 25 मार्च को ही असम से लाए हुए जंगली भैंसे बालाघाट जिले के जंगल में छोड़ने जा रहे हैं। इससे हमारे वन और भी समृद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में 250 से अधिक नदियां बहती हैं। जल की कोई कमी नहीं है और यही कारण है कि मध्य प्रदेश में बेरोजगारी दर देश में सबसे कम (2 प्रतिशत से भी कम) है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े धार्मिक मेले सिंहस्थ : 2028 के आयोजन के लिए हमारी तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी हैं। सिंहस्थ के दौरान एक दिन में पांच करोड़ से अधिक श्रद्धालु शिप्रा में स्नान कर पुण्य लाभ ले सकें, हम ऐसे प्रबंधन करने जा रहे हैं। उज्जैन भ्रमण के दौरान प्रशिक्षण दल इन तैयारियों का भी मुआयना करे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देशों के बीच इस तरह से मिलने-जुलने का सिलसिला जारी रहना चाहिए। इससे एक-दूसरे के पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रशिक्षण दल के साथ समूह चित्र भी क्लिक करवाये।

इस अवसर पर आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल के संचालक मुजीबुर्रहमान खान एवं प्रशिक्षण संचालक डॉ. अनुपमा रावत सहित ट्रेनी ऑफिसर्स उपस्थित थे।

हुमायूं कबीर की पार्टी 182 सीटों पर लड़ेगी चुनाव, ममता के खिलाफ उम्मीदवार का ऐलान

एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित विधायक हुमायूं कबीर ने अपनी नई पार्टी जनता उन्नयन पार्टी के 15 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। उन्होंने घोषणा किया कि उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 182 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कहा कि उनकी पार्टी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ भवानीपुर सीट से एक मुस्लिम उम्मीदवार उतारेगी।

पिछले वर्ष तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित किए गए विधायक हुमायूं कबीर हाल के महीनों में मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद बनाने की अपनी योजना को लेकर चर्चा में रहे हैं, जिस पर राज्य की राजनीति में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली थीं। संवाददाता सम्मेलन में कबीर ने कहा कि हम 182 सीटों पर उम्मीदवार दे रहे हैं। आज हम मालदा और मुर्शिदाबाद के उम्मीदवारों की घोषणा कर रहे हैं। पूरी सूची रविवार को दोपहर एक बजे जारी की जाएगी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि उनकी पार्टी के साथ तालमेल में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) भी कुछ सीटों पर चुनाव लड़ सकती है।

भूतड़ी अमावस्या पर उज्जैन में 52 कुंड पर स्नान करने पहुंचे हजारों

लोग विधायक कबीर ने बताया कि उनकी पार्टी दक्षिण कोलकाता की हाई प्रोफाइल भवानीपुर सीट से ममता बनर्जी के खिलाफ पूनम बेगम को उम्मीदवार बनाएगी, जो गैर-बंगाली मुस्लिम उम्मीदवार हैं। भवानीपुर सीट इस बार भी सबसे चर्चित मुकाबलों में से एक मानी जा रही है, जहां ममता बनर्जी का मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी से होने की संभावना है। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में भी इन दोनों नेताओं के बीच कड़ा राजनीतिक मुकाबला देखने को मिला था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भवानीपुर से मुस्लिम उम्मीदवार उतारने का फैसला तृणमूल कांग्रेस के अल्पसंख्यक वोट बैंक में सेंध लगाने की रणनीति भी हो सकती है, भले ही इसका प्रभाव सीमित ही क्यों न हो।

हुमायूं कबीर स्वयं मुर्शिदाबाद जिले की रेजिनगर और नौदा सीट से चुनाव लड़ेंगे। इससे पहले वह भरतपुर सीट से तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीत चुके हैं। दो सीटों से चुनाव लड़ने के उनके फैसले को लेकर राजनीतिक हलकों में अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं। पार्टी द्वारा घोषित अन्य उम्मीदवारों में पूर्व बर्दवान की पूर्वस्थली उत्तर सीट से बापन घोष, कांदी से यासीन हैदर, बेलडांगा से सैयद अहमद कबीर शामिल हैं।

मालदा जिले में रतुआ से रॉयल इस्लाम, मालतीपुर से अब्दुल मिनाज शेख, बैष्णवनगर से मुस्कुरा बीबी, मानिकचक से अबू शहीद और सुजापुर से नसीमुल हक को उम्मीदवार बनाया गया है।

इसके अलावा भरतपुर से सैयद खुबैब अमीन, बेहाला पूर्व से अनुपम रोहदगीर, फरक्का से इम्तियाज मोल्ला और हरिहरपाड़ा से बिजॉय शेख को भी टिकट दिया गया है।

राष्ट्रपति मुर्मु और उपराष्ट्रपति ने चैत्र शुक्लादि, उगादी और गुड़ी पड़वा पर्वों पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली । देशभर में नववर्ष और आस्था के कई पर्वों का उल्लास एक साथ देखने को मिल रहा है। गुरुवार को चैत्र शुक्लादि, उगादी, गुड़ी पड़वा, चेती चांद, नवरेह और साजिबु चेरोबा जैसे पर्व मनाए जा रहे हैं। इस शुभ अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने देशवासियों को बधाई देते हुए सुख, समृद्धि और नई ऊर्जा की कामना की है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'चैत्र शुक्लादि, उगादी, गुड़ी पड़वा, चेती-चांद, नवरेह और साजिबु-चेरोबा के पावन अवसर पर सभी देशवासियों को मैं हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। देश के विभिन्न क्षेत्रों में नववर्ष के आगमन के स्वागत में मनाए जाने वाले ये उत्सव भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता के उल्लासपूर्ण प्रतीक हैं। मेरी मंगलकामना है कि ये सुखद पर्व सभी के जीवन में समृद्धि और नई आशाओं का संचार करें।' उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने पोस्ट किया, 'नव संवत्सर, चैत्र शुक्लादि, उगादी, गुड़ी पड़वा, चेती-चांद, नवरेह, साजिबु-चेरोबा और चैत्र नवरात्रि के शुभारंभ के शुभ अवसर पर मैं सभी देशवासियों को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। 'उन्होंने आगे लिखा, 'हमारे देश के विभिन्न हिस्सों में मनाए जाने वाले ये त्योहार पारंपरिक नव वर्ष की शुरुआत का प्रतीक हैं, वसंत ऋतु के आगमन की घोषणा करते हैं, और नवीनीकरण तथा नई शुरुआत की भावना को दर्शाते हैं, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और 'विविधता में एकता' की भावना को परिलक्षित करते हैं। कामना है कि ये आनंदमय अवसर सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और नई आशा का संचार करें। ' इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अलग-अलग पोस्ट में उत्सवों को लेकर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने नवरात्रि को लेकर लिखा, 'देशभर के मेरे परिवारजनों को नवरात्रि की हार्दिक मंगलकामनाएं। शक्ति की आराधना का यह दिव्य अवसर आप सभी के लिए सुख, सौभाग्य, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए। शक्तिस्वरूपा मां दुर्गा की असीम कृपा से सबका कल्याण हो, जिससे विकसित भारत के हमारे संकल्प को भी नई ऊर्जा मिले। जय अंबे जगदंबे मां। ' पीएम मोदी ने गुड़ी पड़वा की भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, 'गुड़ी पड़वा के पावन अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। यह सुंदर त्योहार नए वर्ष के आगमन का प्रतीक है, जो अपने साथ नई ऊर्जा, आशा और नए अवसरों का संदेश लेकर आता है। कामना है कि आने वाला वर्ष आप सभी के लिए खुशियों, सफलता और उत्तम स्वास्थ्य से भरा हो।

अहमदाबाद में खुलने जा रही सचिन तेंदुलकर की वर्ल्ड-क्लास स्पोर्ट्स एकेडमी

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में जमीनी स्तर के खेलों के विकास में एक बड़ा बदलाव आने वाला है। सचिन तेंदुलकर द्वारा समर्थित SRT10 अल्टेवोल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी शुरू होने जा रही है जो एक हाई-परफॉर्मेंस ट्रेनिंग सेंटर है। 10 अप्रैल से शुरू होने वाली इस एकेडमी का लक्ष्य 5 साल और उससे अधिक उम्र के उभरते खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय क्रिकेट ट्रेनिंग उपलब्ध कराना है। हालांकि इसके लॉन्च की योजना पिछले साल ही बना ली गई थी, लेकिन अब यह एकेडमी तकनीक, फिटनेस और भविष्य की तैयारी पर केंद्रित ट्रेनिंग मॉड्यूल के साथ अपना कामकाज शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

यह विशाल 40,000 स्क्वायर यार्ड का स्पोर्ट्स कैंपस खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए एक संपूर्ण इकोसिस्टम के रूप में तैयार किया गया है। यहां व्यवस्थित कोचिंग प्रोग्राम के साथ-साथ विश्व स्तरीय बुनियादी सुविधाएं मौजूद हैं, जिनमें प्रोफेशनल क्रिकेट नेट्स, मैच के लिए तैयार अपना निजी मैदान, हाई-परफॉर्मेंस जिम और एक रनिंग ट्रैक शामिल है-ये ऐसी सुविधाएं हैं जो आमतौर पर केवल एलीट ट्रेनिंग सेंटर्स में ही देखने को मिलती हैं। अहमदाबाद में इसकी शुरुआत स्वप्न10 के उस मजबूत आधार पर टिकी है, जिसकी पहचान नवी मुंबई के डी.वाई. पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में बनी इसकी मुख्य एसआरटी10 ग्लोबल एकेडमी से है।

यह सेंटर पहले से ही खेल ट्रेनिंग के लिए एक बेहतरीन जगह बन चुका है। यहाँ इंटरनेशनल लेवल की सुविधाओं और एक खास ट्रेनिंग कोर्स का मेल है, जिसका मकसद न केवल अच्छे खिलाड़ी तैयार करना है, बल्कि बच्चों का हर तरह से विकास करना भी है। यह विस्तार एसआरटी10 की उस बड़ी योजना का हिस्सा है, जिसके तहत प्रोफेशनल स्पोर्ट्स ट्रेनिंग को बड़े महानगरों से बाहर ले जाया जा रहा है। इसका मकसद भारत को खेलों की दुनिया में एक मजबूत देश बनाना है। यह नया सेंटर न केवल अहमदाबाद के युवाओं को, बल्कि आस-पास के इलाकों के उन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी आकर्षित करेगा जो अच्छी और व्यवस्थित ट्रेनिंग की तलाश में हैं।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य बेहतरीन ट्रेनिंग सिस्टम के ज़रिए युवा प्रतिभाओं को निखारना और उन्हें आगे बढ़ने के मौके देना है। एकेडमी का ट्रेनिंग प्रोग्राम सिर्फ 'खेल की तकनीक पर ही नहीं, बल्कि अनुशासन, मैच की समझ, फिटनेस और मानसिक मज़बूती पर भी ध्यान देता है। टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी और फर्स्ट-क्लास क्रिकेटर्स इन युवा खिलाड़ियों को रास्ता दिखाएंगे। यहाँ के कोचों को खास तौर पर एसआरटी10 के तरीके से ट्रेनिंग दी गई है, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर की कोचिंग दे सकें। इस पूरे प्रोग्राम की कमान डॉ. अतुल गायकवाड़ (ग्लोबल हेड कोच, SRT10) के हाथों में है, जिन्हें क्रिकेट की हाई-परफॉर्मेंस ट्रेनिंग का गहरा अनुभव है।

इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए डॉ. गायकवाड़ ने कहा, 'सचिन सर के सफर से प्रेरित होकर, हम यहां सिर्फ एक कोचिंग सेंटर नहीं, बल्कि एक गंभीर ट्रेनिंग का माहौल तैयार कर रहे हैं। हमारा पूरा ध्यान इस बात पर है कि बच्चे शुरुआत से ही बुनियादी चीज़ों को सही से सीखें, उन्हें मैच की असली स्थितियों का अनुभव मिले और वे खेल को सिर्फ 'खेलें' नहीं, बल्कि उसकी बारीकियों को समझें। समय के साथ, यही व्यवस्थित और निरंतर ट्रेनिंग ही एक साधारण खिलाड़ी और एक मंझे हुए खिलाड़ी के बीच का अंतर तय करती है। हमारा लक्ष्य अहमदाबाद के युवा खिलाड़ियों को पहले दिन से ही वह बढ़त दिलाना है।'

अहमदाबाद में यह एकेडमी बच्चों और खेल प्रेमियों के लिए इसी गहरे दृष्टिकोण को शहर और उसके बाहर तक फैलाती है। इसमें शामिल होने के लिए पहले से किसी अनुभव की जरूरत नहीं है; यह प्रोग्राम पूरी तरह से तकनीक, फिटनेस मैच की समझ और मानसिक मजबूती पर ध्यान केंद्रित करता है।

गंभीर ने दिल्ली हाईकोर्ट में अपील कर एआई और डीप फेक से सुरक्षा देने मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने दिल्ली हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर एआई और डीप फेक के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की है। गंभीर का कहना है कि एआई के जरिये उनकी आवाज और चेहरे के गलत इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने अदालत से इसको लेकर सुरक्षा की मांग की गई है। गंभीर की याचिका में कहा गया है कि इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब, और फेसबुक पर उनको लेकर नकली डिजिटल कंटेंट तेजी से बढ़ा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फेस-स्वैपिंग और वॉइस-क्लोनिंग तकनीक का इस्तेमाल कर उन्हें ऐसे बयान देते हुए गलत तरीके से दिखाया गया जो उन्होंने कभी दिए ही नहीं थे। इसमें एक बार तो उनके इस्तीफ की घोषणा भी दिखायी गयी थी जबकि उन्होंने दिया ही नहीं। इसे 29 लाख से ज्यादा बार देखा गया। वहीं एक नकली क्लिप में उन्हें सीनियर क्रिकेटरों के विश्व कप में हिस्सा लेने के बारे में टिप्पणी करते हुए दिखाया गया था, इसे 17 लाख से ज्यादा बार देखा गया। सोशल मीडिया के अलावा, बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म बिना किसी इजाजत के उनके नाम और तस्वीर वाले पोस्टर की मदद से सामान बेच रहे हैं। गंभीर ने कहा, मेरी पहचान, मेरा नाम, मेरा चेहरा, मेरी आवाज को गुमनाम अकाउंट्स ने गलत जानकारी फैलाने और पैसा कमाने के लिए हथियार बनाया है।

यह मुकदमा 16 डिफेंडेंट के खिलाफ दायर किया गया है। इनमें कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स जैसे जैनकी फेम्स, भूपेंद्र पेंटोला, लीजेंड्स रेवोल्यूशन, आदि शामिल हैं। इसके अलावा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म में एमेजॉन और फ्लिपकार्ट का नाम है। वहीं टेक कंपनियों में मेटा प्लेटफॉर्म, एक्स, गूगल, यूट्यूब, आदि के नाम शामिल हैं। गंभीर ने 2.5 करोड़ हर्जाना, सभी अकाउंट्स को हटाने, परमानेंट रोक लगाने और सभी उल्लंघन करने वाले कंटेंट को हटाने की मांग की है। उन्होंने भविष्य में अपना नाम, चेहरा और आवाज का इस्तेमाल नहीं किए जाने की मांग की भी की है। इस मामले में उन्होंने कोर्ट से आरोपियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के लिए पेश की नई जर्सी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के 19 सत्र से पहले अपनी नई जर्सी लांच की है। इस दौरान कप्तान रियान पराग, आक्रामक सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और स्पिनर रवि बिश्नोई भी उपस्थित थे। आईपीएल में इस नई जर्सी से टीम नये उत्साह से उतरेगी। 28 मार्च से शुरू हो रहे इस सत्र के लिए टीम नये कप्तान पराग के साथ जीत के इरादे से उतरेगी। राजस्थान ने सोशल मीडिया पर अपनी नई जर्सी लॉन्च किसे जाने की घोषणा भी की है। इस नई जर्सी में नीले और गुलाबी रंग को मिलाया गया है। जर्सी की तस्वीरों के साथ ही रॉयल्स ने लिखा, 'नया लुक, वही हल्ला बोल जर्सी, लॉन्च हो गई।'रॉयल्स 30 मार्च को पांच बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। रॉयल्स अपने शुरुआती तीन घरेलू मैच अपने वैकल्पिक मैदान गुवाहाटी में खेलेगी। बीसीसीआई टूर्नामेंट के शेष मुकाबलों का कार्यक्रम भी जारी करेगी। वैभव राजस्थान रॉयल्स की नई जर्सी की लॉन्चिंग के समय पराग के साथ नजर आये।

उसे अपना पहला मैच चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेलना है। इसके बाद टीम 4 अप्रैल को गुजरात टाइटंस से खेलेगी। इसके बाद राजस्थान रॉयल्स की टीम गुवाहाटी 7 अप्रैल को पांच बार के विजेता मुंबई इंडियंस और 10 अप्रैल को मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलेगी। राजस्थान रॉयल्स के शुरुआती चार में से तीन मैच घरेलू मैदान पर हैं। ऐसे में राजस्थान रॉयल्स शुरुआती बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी। पिछले सत्र में टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और वह 9वें पायदान पर रही थी।

मुख्य चयनकर्ता अगरकर ने बीसीसीआई से कार्यकाल बढ़ाने की मांग की

–2027 तक पद पर बने रहना चाहते हैं

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर साल 2027 तक अपने पद पर बने रहना चाहते हैं। अगरकर ने इसी को लेकर बोर्ड से कार्यकाल बढ़ाने की मांग की है। एक रिपोर्ट के अनुसार अगरकर ने टीम के टी20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद ही बीसीसीआई से मुख्य चयनकर्ता के रूप में अपना कार्यकाल बढ़ाने की मांग की थी। अगरकर 2027

एकदिवसीय विश्व कप तक इस पद पर बने रहना चाहते हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अगरकर के अनुरोध पर विचार कर रहा है। वहीं मुख्य चयनकर्ता के रूप में अगरकर की जगह लेने के लिए एक पूर्व भारतीय क्रिकेटर का नाम भी उछला है हालांकि इसपर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है।

अगरकर जून 2023 में चयन समिति के प्रमुख बने थे। इसके बाद उनका कार्यकाल जून 2026 तक बढ़ा दिया गया है। मुख्य चयनकर्ता के रूप में अगरकर का कार्यकाल काफी अच्छा रहा है। उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने दो टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता है। इसके अलावा साल 2023 और 2025 का एशिया कप भी भारतीय टीम ने जीता था। टेस्ट में हालांकि भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के फाइनल में जगह नहीं बना पायी। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में टीम को करारी हार मिली।

अगरकर के मुख्य चयनकर्ता रहते भारतीय टीम ने सीमित ओवरों की क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है, इससे भी उनका कार्यकाल आगे बढ़ाने जाने की संभावना बढ़ गयी है।

पंड्या ने खरीदी नई फरारी , गर्लफ्रेंड माहिका आरती उतारती दिखीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतयीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने नई फरारी कार खरीदी है। इसी की आरती उतारते हुए उनकी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा नजर आयी हैं। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर छाए हुआ है। ये नई कार फरारी 12 सिलिंड्री है। इसमें वह माहिका के साथ घूमते भी दिखे थे। सोशल मीडिया पर आये वीडियो में माहिकाको नई कार की पारंपरिक पूजा करते हुए देखा गया। इस दौरान एक पुजारी भी वहां था। इसका एक वीडियो भी पंड्या ने साझा किया है। इसमें हार्दिक कार के अंदर से वीडियो बनाते दिखे, जबकि माहिका पूजा करती दिखीं। माहिका ने इस नई कार की पूजा करते हुए कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं। हार्दिक विलासिता पूर्ण जीवनशैली लिए जाने जाते हैं। महंगी घड़ियां और गाड़ियां उन्हें बेहद पसंद है। उन्होंने टी20 विश्व कप जीतने के बाद Ferrari की सबसे नई फ्रंट-इंजन वी12 ग्रैंड टूरर, फरारी को खरीदा। ये मॉडल हाल ही में भारत में हाल ही में लांच किया गया था। इसकी कीमत करीब 8.50 करोड़ रुपये से शुरु होती है।

अगले साल 29 अक्टूबर से शुरू होंगे राष्ट्रमंडल युवा खेल

नई दिल्ली । राष्ट्रमंडल युवा खेलों का आठवां चरण अगले साल 29 अक्टूबर से चार नवंबर तक माल्टा और गोजो में आयोजित किया जाएगा। उद्घाटन समारोह 29 अक्टूबर को होगा जिसके बाद 30 अक्टूबर से चार नवंबर तक स्पर्धायें होंगी। इन खेलों में आठ स्पर्धाएं तैराकी और पैरा तैराकी, एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स, नेटबॉल, सेलिंग, स्क्वाश, ट्रायथलॉन, वॉटर पोलो और भारोत्तोलन शामिल हें। राष्ट्रमंडल खेलों की मुख्य कार्यकारी केटी सैडलियर ने बृहस्पतिवार को एक विज्ञप्ति में कहा, 'माल्टा 2027 एक रोमांचक और प्रतिस्पर्धी माहौल का वादा करता है। विश्व स्तर की सुविधाएं हमारे युवा खिलाड़ियों को अच्छा अनुभव देंगी जिससे कल के सितारों को प्रेरित करने और उन्हें विकसित करने में मदद मिलेगी।'

आईपीएल में अभिषेक बना सकते हैं कई रिकार्ड

नई दिल्ली। युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में एक साथ कई रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। आईपीएल की शुरुआत 28 मार्च से हो रही है और इसी दिन अभिषेक सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से अपने पहले मुकाबले में उतरेंगे। अभिषेक इस बार चार छक्के लगाते ही अपने छक्कों का शतक पूरा कर सकते हैं। उनके नाक अब तक 96 छक्के हैं। चार छक्के और लगाते ही वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे बल्लेबाज बन जाएंगे। अब तक केवल डेविड वॉर्नर के नाम ही आईपीएल में 100 छक्के हैं। वार्नर ने कुल 143 छक्के लगाये हैं। वहीं हेनरिक क्लासेन 88 छक्के के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं। वहीं अभिषेक के पास इस सत्र में अपने 2000 रन पूरे करने का भी अवसर है। अभिषेक ने अब तक 77 आईपीएल मैचों की 73 पारियों में 1816 रन बनाये हैं। ऐसे में वह 184 रन बनाते है वह इस टूर्नामेंट में 2000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हो जाएंगे। अभिषेक ने सनराइजर्स के लिए अब तक 1753 रन बनाए हैं। वह 2,000 रन करते ही सनराइजर्स के लिए ये उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज़ बन जाएंगे। इससे पहले डेविड वॉर्नर ने 4014, शिखर धवन ने 2768) और केन विलियमसन ने 2101 रन बनाये हैं। अभिषेक ने पिछले दो सत्र में हर बार 400 रन बनाये हैं। आईपीएल 2024 में उन्होंने 204.21 के स्ट्राइक रेट से 484 रन, वहीं, पिछले सत्र में 193.39 के स्ट्राइक रेट से 439 रन बनाए थे। ये भी एक रिकार्ड है क्योंकि अबतक किसी भी अन्य बल्लेबाज ने 190 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 400 से अधिक रन नहीं बनाये हैं। अभिषेक आईपीएल इस बार भी 400 से अधिक रन बनाने में सफल रहे तो ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बन सकते हैं। अभिषेक ने पिछले सत्र में पंजाब किंग्स के खिलाफ केवल 55 गेंदों में 141 रन बनाए थे। ये इस लीग में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे अधिक स्कोर है। वहीं टी20 क्रिकेट में ये चौथी बार है जब उन्होंने 135 से अधिक रन बनाये हैं। उनके अलावा उपलब्धिक केवल क्रिस गेल के पास है गेल ने भी इतने ही बार 135 से धिक रन बनाये हैं।

विश्व कप की तैयारियों पर फुल्टन ने कहा, विस्तृत रणनीति के साथ तैयार रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच क्रेग फुल्टन ने इस साल के आखिर में होने वाले विश्व कप में कड़े प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ विशेष और विस्तृत रणनीति तैयार करने की बात कही। उन्होंने साथ ही मौजूदा समय में संघर्ष कर रही टीम का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि वे सही समय पर अच्छी फॉर्म में आ जाएंगे।

भारत ने इस सत्र में अब तक सिर्फ एक मैच जीता है जो होबार्ट में खेला गया एफआईएच प्रो लीग मैच था जिसमें उसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की थी। नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 अगस्त से शुरू होने वाले विश्व कप के पूल डी में भारत का सामना शीर्ष वरीय इंग्लैंड, अपने पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान और मजबूत वेल्स से होगा। ग्रुप चरण के सभी मैच नीदरलैंड के एमस्टेलवीन में स्थित वैगेनर हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

हॉकी इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति में फुल्टन के हवाले से कहा गया, 'हम अपनी रणनीति, दबाव बनाने की रणनीति और अपनी 'फिनिशिंग' (गोल करने की क्षमता) पर कड़ी मेहनत करेंगे। ये वे छोटी-छोटी बातें हैं जो इस स्तर पर मैचों का नतीजा तय करती हैं। इस पूल में शामिल हर विरोधी टीम की अपनी अलग-अलग ताकत हैं इसलिए हमारी तैयारी भी हर टीम के हिसाब से खास और विस्तृत होगी। अगले कुछ महीने हमारे लिए सबसे अहम हैं क्योंकि हमें ठीक सही समय पर अपनी बेहतरीन फॉर्म में आना है।'

ड्रॉ होने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए फुल्टन ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी टीम इस चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा, 'हम बहुत उत्साहित हैं। यह एक बहुत मजबूत ग्रुप है लेकिन विश्व कप में आप यही तो चाहते हैं कि आपका मुकाबला दुनिया की सबसे बेहतरीन टीमों से हो ताकि आपकी असली परीक्षा हो सके। टीम के शिविर में इस समय माहौल बहुत ही सकारात्मक है। खिलाड़ी पूरी तरह से प्रेरित और जोश से भरे हुए हैं। अब जब हमें अपनी विरोधी टीमों के बारे में पता चल गया है तो हमारी तैयारियों को लेकर हमारे मन में पूरी स्पष्टता और एक निश्चित लक्ष्य है।'

फुल्टन ने इस बात पर जोर दिया कि हर टीम की खेलने की अनोखी शैली के हिसाब से अपनी रणनीति में बदलाव करने और उनका सम्मान करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड एक बहुत ही व्यवस्थित और शारीरिक रूप से मज़बूत टीम है। हमारे पूल में वह शीर्ष वरीय भी है। पाकिस्तान की टीम अपने खेल में एक अलग ही अंदाज और अप्रत्याशितता लेकर आती है। साथ ही हॉकी के खेल में उनका बहुत ही समृद्ध इतिहास रहा है इसलिए उन्हें कभी भी हल्के में नहीं लिया जा सकता।'

फुल्टन ने कहा, 'वेल्स की टीम भी अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही है और वह भी पूरी ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ मैदान में उतरेगी।' उन्होंने कहा, 'हम इस पूल में हर प्रतिद्वंद्वी टीम का सम्मान करते हैं लेकिन हमें उनके खिलाफ मुकाबले में खुद पर भरोसा है।' भारतीय टीम 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

भारत के पूल डी मैचों का कार्यक्रम (भारतीय समयानुसार)

15 अगस्त : भारत बनाम वेल्स
17 अगस्त : भारत बनाम इंग्लैंड
19 अगस्त : भारत बनाम पाकिस्तान

कमिंस शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे, ईशान करेंगे कप्तानी, अभिषेक को मिली उपकप्तान की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल के 19 सत्र के शुरुआती मैचों में युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की कप्तानी में खेलेगी। नियमित कप्तान पैट कमिंस के पूरी तरह से फिट नहीं होने से ईशान को कप्तानी सौंपी गयी है। वहीं युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा उप–कप्तानी करेंगे। सनराइजर्स हैदराबाद के अनुसार जैसे ही कमिंस वापसी करेंगे। वह टीम की कप्तानी संभाल लेंगे। अभी यह पता नहीं चला है कि कमिंस कितने मैच नहीं खेलेंगे पर माना जा रहा है कि वह 23 मार्च को टीम से जुड़ेगे। वह फ्रेंचाइजी के साथ रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजरने के दौरान सत्र के पहले तीन मैचों से बाहर रहेंगे। टीम अपना शुरुआती मुकाबला 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ करेगी। वहीं वह 2 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स जबकि 5 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलेगी। कमिंस दिसंबर से ही खेल से दूर हैं। पीठ की पुरानी चोट के कारण वह एशेज से भी बाहर रहे थे। उन्होंने हाल में टी20 विश्व कप भी नहीं खेला था। उन्हें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आईपीएल अनुबंध के तहत खेलने की अनुमति दे दी है। हालांकि उन्हें वापसी करने में कुछ समय लग सकता है। कमिंस ने सनराइजर्स की कप्तानी करते हुए 30 मैच खेले हैं, जिनमें से 15 में टीम जीती है जबकि 14 में हारी है। वहीं एक मैच का परिणम नहीं निकला। साल 2024 में, उनकी कप्तानी में टीम फाइनल तक पहुंची थी पर वहां उसे कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। ईशान को कप्तानी इसलिए दी गयी है क्योंकि उन्हें इसका अनुभव है पहले भी वह कई अवसरों पर कप्तानी करते दिखे हैं। घरेलू क्रिकेट में भी उन्होंने कप्तान की भूमिका निभाई है। एसआरएच प्रबंधन हमेशा से इस बात को लेकर स्पष्ट था कि कमिंस की अनुपस्थिति में ईशान ही टीम की कप्तानी करेंगे।

मेस्सी ने 900वां गोल किया, रोनाल्डो के क्लब में शामिल हुए

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका) (एजेंसी)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी ने अपने करियर का 900वां गोल करके अपनी कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों में एक और अध्याय जोड़ दिया। मेस्सी ने इंटर मियामी की तरफ से खेलते हुए बुधवार की रात को नैशविले के खिलाफ कॉनकाफ चैंपियंस कप राउंड ऑफ 16 मैच के शुरुआती मिनटों में गोल करके यह उपलब्धि हासिल की।

लगातार दो बार मेजर लीग सॉकर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, आठ बार बैलोन डीओर विजेता और विश्व कप चैंपियन मेस्सी ने हमेशा की तरह अपने बाएं पैर से यह गोल किया। उन्हें खेल के सातवें मिनट में बॉक्स के बीच में पास मिला, उन्होंने गेंद को नियंत्रित किया और डिफेंडरों के बीच से उसे गोल पोस्ट के अंदर पहुंचा दिया।

आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार क्रिस्टियानो रोनाल्डो एकमात्र ऐसे पुरुष खिलाड़ी हैं जिन्होंने 900 से अधिक गोल किए हैं। रोनाल्डो ने यह उपलब्धि हासिल करने में मेस्सी से लगभग 100 मैच अधिक खेले। रोनाल्डो ने सितंबर 2024 में अपने करियर के 900 गोल पूरे किए। उस समय उनकी उम्र 39 वर्ष थी जबकि मेस्सी जून में 39 वर्ष के होंगे। इस ऐतिहासिक गोल ने फुटबॉल जगत से बाहर के सितारों का भी ध्यान आकर्षित किया।

बास्केटबॉल हॉल ऑफ फेमर मैजिक जॉनसन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि मेस्सी का 900 गोल तक पहुंचना 'अविश्वसनीय उपलब्धि है।' कुछ लोगों का मानना है कि ब्राजील के दिग्गज पेले ने अपने करियर में 1,000 गोल का आंकड़ा पार कर लिया था, हालांकि आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार उन्होंने लगभग 800 गोल किए थे। विभिन्न स्रोतों के अनुसार पेले ने लगभग 1300 गोल किए थे। इनमें से कुछ गोल उन्होंने निचले स्तर की टीमों के खिलाफ किए थे।

पेले ने लीग मैचों में लगभग 650 गोल किए थे। नैशविले ने हालांकि मेस्सी को इस उपलब्धि का जश्न नहीं मानने दिया क्योंकि उसने इंटर मियामी को 1-1 से ड्रॉ पर रोका और अपने प्रतिद्वंद्वी के घरेलू मैदान पर गोल करने के आधार पर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पिछले हफ्ते नैशविले में राउंड ऑफ 16 के पहले चरण में गोलरहित ड्रॉ खेला था। यह उपलब्धि मेस्सी के करियर में अनगिनत पुरस्कारों और उपलब्धियों में शामिल हो गई है।

इनमें ला लीगा के शीर्ष स्कोरर के रूप में आठ ट्रॉफी, छह बार ला लीगा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार, तीन बार सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार, तीन बार यूईएफए पुरुष प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार, दो फीफा विश्व कप गोल्डन बॉल और 15 बार अर्जेंटीना का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जाना शामिल हैं।

मेस्सी ने क्लब और देश के लिए 47 ट्रॉफियां जीती हैं जिनमें अर्जेंटीना के लिए 2022 विश्व कप और इंटर मियामी के साथ पिछले सत्र का MLS खिताब शामिल है। इस तरह वह पुरुष फुटबॉल के इतिहास में सबसे अधिक खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। मेस्सी लगभग दो दशक तक बार्सिलोना की तरफ से खेलते रहे और उन्होंने अपने आधे से अधिक गोल स्पेन के इस क्लब की तरफ से ही किए हैं।

आईपीएल में इस बार अपने गेंदबाजी कौशल को निखारने पर रहेगा ध्यान : वैभव अरोड़ा

कोलकाता । युवा तेज गेंदबाज वैभव अरोड़ा 28 मार्च से शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलते नजर आयेंगे। वैभव का लक्ष्य इस आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन के साथ ही अपने गेंदबाजी कौशल को बेहतर बनाना है। वैभव ने साल 2023 में आईपीएल में पदार्पण के बाद से ही लगातर अपने प्रदर्शन को सुधारा है। इस क्रिकेटर ने कुल 32 मुकाबलों में 36 विकेट लिए हैं। आईपीएल 2024 में केकेआर की खिताबी जीत में भी वैभव की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। तब वैभव ने 10 मुकाबलों में 11 विकेट हासिल किए थे। अब इस बार भी इस गेंदबाज का लक्ष्य टीम की जीत में योगदान देना रहेगा। इसके को देखते हुए वह अभ्यास सत्र में पूरी ताकत लगा रहे हैं। इसके अलावा अपनी गेंदबाजी को बेहतर बनाने के लिए सभी क्षेत्रों पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर, मेरी तैयारी काफी अच्छी है। मैंने नेट्स में अपनी गेंदबाजी को पहले से बेहतर बनाया है। साथ ही कहा कि हर तेज गेंदबाज अपने को लगातार बेहतर बनाने और गेंदबाजी में विविधता लाने में लगा रहता जिससे अपनी गेंदबाजी से असर डाला जा सके। अरोड़ा का कहना है कि उन्हें इस दौरे में उन्हें न्यूजीलैंड के दिग्गज गेंदबाज टिम साउदी जो अब टीम के कोच हैं उनसे भी काफी कुछ सीखने को मिलेगा। साउदी इस सत्र में टीम के साथ गेंदबाजी कोच के तौर पर जुड़े हैं। साउदी काफी अनुभवी गेंदबाज हैं जिन्होंने 700 से ज्यादा विकेट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लिए हैं। वह साल 2021 से 2023 के बीच तीन सत्र तक केकेआर की ओर से खेले भी हैं। इसी को देखते हुए वैभव ने कहा, साउदी एक दिग्गज खिलाड़ी हैं और उनके पास बहुत लंबा अनुभव है। साल 2023 में इसी लीग में जब वह खेल रहे थे तब मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा था।

इंडस्ट्री के लोग समझते थे नीचा; 'अक्सर 2' विवाद पर की बात

सलमान खान के साथ 'वीर' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली जरीन खान की तुलना कटरीना कैफ से की जाती थी। हालांकि, जरीन का करियर कटरीना जैसा सफल नहीं रहा। जबकि 'हाउसफुल 2' और 'हेट स्टोरी 3' जैसी कमर्शियल फिल्मों का भी हिस्सा रहीं। लेकिन 2017 में आई 'अक्सर 2' बाद में विवादों में घिर गई। जरीन का दावा है कि उन्हें अपनी ही फिल्म के प्रीमियर में आमंत्रित तक नहीं किया गया था।

'अक्सर 2' को लेकर हुए विवाद पर की बात

हाल ही में मैमोथ मीडिया एशिया पॉडकास्ट पर पूजा भट्ट के साथ बातचीत के दौरान जरीन खान ने इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की। 'हेट स्टोरी 3' के बाद के दौर को याद करते हुए उन्होंने कहा कि 'हेट स्टोरी' करने के बाद बहुत से लोग खासकर फिल्म इंडस्ट्री के लोग मुझे नीची नजरों से देखने लगे। वे कहते थे, 'क्योंकि वह अभिनय नहीं कर सकती, इसलिए उसने कपड़े उतारने का फैसला किया।' जरीन ने अनंत महादेवन के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए कहा कि मेकर्स ने शुरू में इस प्रोजेक्ट को एक स्टाइलिश नॉयर फिल्म के रूप में पेश किया था। उन्हें आश्वासन दिया था कि इसमें 'हेट स्टोरी 3' की तरह बोल्ड सीन नहीं होंगे। उन्होंने बड़ी ही सधी हुई अंग्रेज़ी में स्क्रिप्ट सुनाई और कहा, 'हम कोई नफरत की कहानी नहीं बना रहे हैं। हम एक जॉनर नॉयर बना रहे हैं।' मैंने सोचा, ठीक है। लेकिन सेट पर पहुंचते ही, हर दूसरा सीन या तो किस के साथ खत्म होता।

मेकर्स जानबूझकर इंटिमेसी सीन करने को कहने लगे

अभिनेत्री ने आगे बताया कि मैंने उनसे कहा, 'मुझे इंटिमेट सीन करने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन आपने मुझे बिल्कुल अलग ब्रीफ दिया था। अब सिर्फ इसलिए कि आपने वह फिल्म देखी है, आप ये सब जोड़ना चाहते हैं।' बाद में मुझे एहसास हुआ कि निर्देशक रीढ़विहीन थे। वह निर्माताओं को कहानी का एक संस्करण बताते थे और मुझे और मेरे कॉस्ट्यूम डिजाइनर शाहिद आमिर को दूसरा। जैसे-जैसे फिल्म आगे बढ़ी, टीम के सदस्यों के बीच मतभेद बढ़ते गए। मेकर्स अचानक मुझसे लगभग हर सीन में ब्रा वाला सीन, किसिंग सीन या कुछ उत्तेजक करने को कहने लगे। वो भी सिर्फ इसलिए कि मैंने पहले ऐसी एक फिल्म की थी। यह ठीक नहीं है।

इसलिए पूरी की फिल्म

हालांकि, बढ़ते तनाव के बावजूद जरीन ने फिल्म पूरी की। उनका कहना है कि मैं नखरे दिखाने वाली नहीं हू। मुझे पता है कि लोगों का पैसा दांव पर लगा है, इसलिए मैं हमेशा बातचीत करके बीच का रास्ता निकालने की कोशिश करती हूं। लेकिन फिल्म पूरी होते-होते हालात इतने बिगड़ गए थे कि मुझे अपनी ही फिल्म की स्क्रीनिंग में भी नहीं बुलाया गया। जरीन ने यह भी आरोप लगाया कि उस समय की मीडिया रिपोर्ट्स में उन्हें काम करने में मुश्किल व्यक्ति के रूप में गलत तरीके से पेश किया गया था।

करण जौहर ने 'सूबेदार' को बताया शानदार

एक्शन-ड्रामा फिल्म 'सूबेदार' ओटीटी रिलीज के बाद काफी चर्चा में है। हर कोई अनिल कपूर के एक्शन अवतार और फिल्म की कहानी की जमकर तारीफ कर रहा है। अब इस कड़ी में फिल्ममेकर करण जौहर का नाम जुड़ गया है। करण जौहर ने शनिवार को इंस्टाग्राम के जरिए अनिल कपूर के काम की जमकर सराहना की। उन्होंने अनिल कपूर के एक्शन अवतार की तस्वीर शेयर की। इसके साथ ही करण जौहर ने लिखा, 'मैं इस शानदार और दमदार फिल्म को देखने के लिए देर से पहुंचा था। क्या कमाल की फिल्म है और अनिल कपूर ने कितनी मजेदार और शानदार परफॉर्मेंस दी है कि वह सच में कमाल हैं।' इसी के साथ करण ने पूरी स्टार कास्ट की जमकर सराहना करने के साथ बधाई भी दी। करण ने लिखा, 'पूरे कास्ट, सुरेश और प्राइम वीडियो को इतनी बेहतरीन और शानदार फिल्म बनाने के लिए बधाई।' सुरेश त्रिवेणी द्वारा निर्देशित एक्शन और ड्रामा से भरपूर फिल्म 'सूबेदार' में अनिल कपूर के अलावा, राधिका मदान, मोना सिंह, अदित्य रावल और सौरभ शुक्ला जैसे मंझे हुए कलाकार अहम किरदार में हैं। एक्शन-ड्रामा फिल्म 'सूबेदार' में अनिल कपूर ने अर्जुन मौर्य नाम के रिटायर्ड फौजी का किरदार निभाया है, जो स्थानीय रेत माफिया और भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी बेटी (राधिका मदान) के साथ मिलकर जंग लड़ता है। यह एक हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म है, जो अपनी दमदार एक्टिंग के लिए चर्चा में है। फिल्म की कहानी एक रिटायर्ड सूबेदार अर्जुन मौर्य की है, जो अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद बेटी श्यामा (राधिका मदान) के साथ रिश्ते सुधारने और शांतिपूर्ण जीवन के लिए घर लौटता है, लेकिन स्थानीय रेत माफिया के आतंक और अपनी कार को हुए नुकसान के बाद वह उनके खिलाफ खड़ा हो जाता है। फिल्म की स्टार कास्ट काफी दमदार है, जिसकी हर जगह सराहना हो रही है।

'ज़िंदगी न मिलेगी दोबारा' के सीक्वल की सही समय पर घोषणा करेंगी जोया अख्तर

निर्माता-निर्देशक जोया अख्तर का मानना है कि रोमांटिक फिल्में जल्द ही हिंदी सिनेमा में फिर से प्रमुखता हासिल कर सकती हैं। उनका कहना है कि कहानी कहने के रुझानों का एक साइकिल होता है, जो घूमकर वापस आता है। उनके अनुसार, विभिन्न शैलियां अक्सर सेचुरेशन के दौर से गुजरती हैं, जिसके बाद दर्शक उनकी अपील को फिर से पहचानते हैं। यही कारण है लव स्टोरी भी फिर से वापस लौटेंगी। जोया अख्तर ने बताया कि वह कहानियों को लिखने और विकसित करने के लिए किस तरह का दृष्टिकोण अपनाती हैं। उन्होंने कहा कि मैं उस तरह से काम नहीं करती। जैसे, मैं यह नहीं सोचती कि 'अब लोग यह ढूंढ रहे हैं, तो चलो मैं यह लिखती हूं।' लेकिन अगर आप पिछले 10-15 साल पर नजर डालें, तो बदलाव आया है। सब कुछ बदलता है। अगर आप इसे चक्रीय रूप से देखें, तो शायद प्रेम कहानियां फिर से लौट आएंगी।अपने आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में बात करते हुए जोया ने बताया कि हमारी फिल्म 'दहाड़ 2' की शूटिंग चल रही है। रीमा कागती इसकी शूटिंग कर रही हैं। मैं अपने लिए दो स्क्रिप्ट लिख रही हूं। रीमा के लिए हमने एक स्क्रिप्ट पूरी कर ली है। हम फिलहाल अन्य निर्देशकों के साथ मिलकर कई स्क्रिप्ट्स पर काम कर रहे हैं, ताकि उन्हें तैयार करके निर्माण कर सकें। बातचीत के दौरान जोया अख्तर से उनकी सुपरहिट फिल्म 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' के सीक्वल को लेकर चल रही चर्चा के बारे में पूछा गया। इस पर ज्यादा कुछ बोलने से बचते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी आधिकारिक जानकारी सही समय आने पर ही दी जाएगी।

एक इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट में साथ आएंगे मोहित रैना और प्रियामणि

मोहित रैना और साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि जल्द ही एक साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। 'देवों के देव महादेव' से घर-घर में पहचान बनाने वाले मोहित की नई फीचर फिल्म की जिम्मेदारी निर्माता हर्ष महादेश्वर ने उठाई है। यह एक इंडो-हॉलीवुड प्रोजेक्ट होगा, जिसका टाइटल फिलहाल तय नहीं किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म अमेरिकी प्रोडक्शन कंपनी रेड बाइसन प्रोडक्शंस और मुंबई स्थित एज्योर एंटरटेनमेंट के बीच रचनात्मक सहयोग का नतीजा है। कहानी एक वास्तविक अप्रवासी परिवार से प्रेरित बताई जा रही है, जो अमेरिका में अपनी सांस्कृतिक पहचान और अपनेपन की तलाश में संघर्ष करता है। भावनात्मक और सांस्कृतिक टकराव इस फिल्म का सेंटर पॉइंट होंगे। फिल्म की शूटिंग अप्रैल 2026 में शुरू होने की योजना है। अधिकांश फिल्मांकन न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में किया जाएगा, जबकि कुछ अहम हिस्से दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में भी शूट होंगे।

'धुरंधर 2' में कैमियो करने वाले थे अनिल कपूर फिर क्यों नहीं किया काम?

फिल्म 'धुरंधर 2' की रिलीज नजदीक आ रही है। फैंस इसे लेकर उत्साहित हैं। वह इससे जुड़े अपडेट जानना चाहते हैं। ऐसे में अनिल कपूर ने फिल्म को लेकर एक जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि फिल्म में कैमियो रोल के लिए आदित्य धर ने उनसे संपर्क किया था। हालांकि उन्हें एक बड़ी वजह के चलते इसे ठुकराना पड़ा। अनिल कपूर ने खुलासा किया है कि उन्हें दूसरे प्रोजेक्ट में काम करने की वजह से 'धुरंधर 2' में कैमियो रोल को ठुकराना पड़ा। इंडिया टुडे से बातचीत में अनिल कपूर ने कहा 'धुरंधर 2 के लिए आदित्य धर मेरे पास आए थे। वह चाहते थे कि मैं फिल्म में एक छोटा कैमियो करूं। अनिल कपूर ने आगे बताया कि वह पहले वाला प्रोजेक्ट नहीं छोड़ना चाहते थे, हालांकि वह 'धुरंधर 2' में कैमियो करना चाहते थे। उन्होंने कहा 'उन तारीखों में मैं दूसरे फिल्ममेकर के साथ काम कर रहा था। मैंने आदित्य से कहा मैं यह कैमियो करना पसंद करूंगा, लेकिन मैंने पहले ही किसी से वादा किया है। वह फिल्म को रिलीज करने वाले हैं। यह अच्छी फिल्म है। इसमें मेरा घाटा है लेकिन कोई बात नहीं।' 'धुरंधर 2' में रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, राकेश बेदी और सारा अर्जुन मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसके निर्देशक आदित्य धर हैं। अनिल कपूर हाल ही में फिल्म 'सूबेदार' में नजर आए थे। इसका निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया था और इसमें राधिका मदान और खुशबू सुंदर भी उनके साथ थीं।

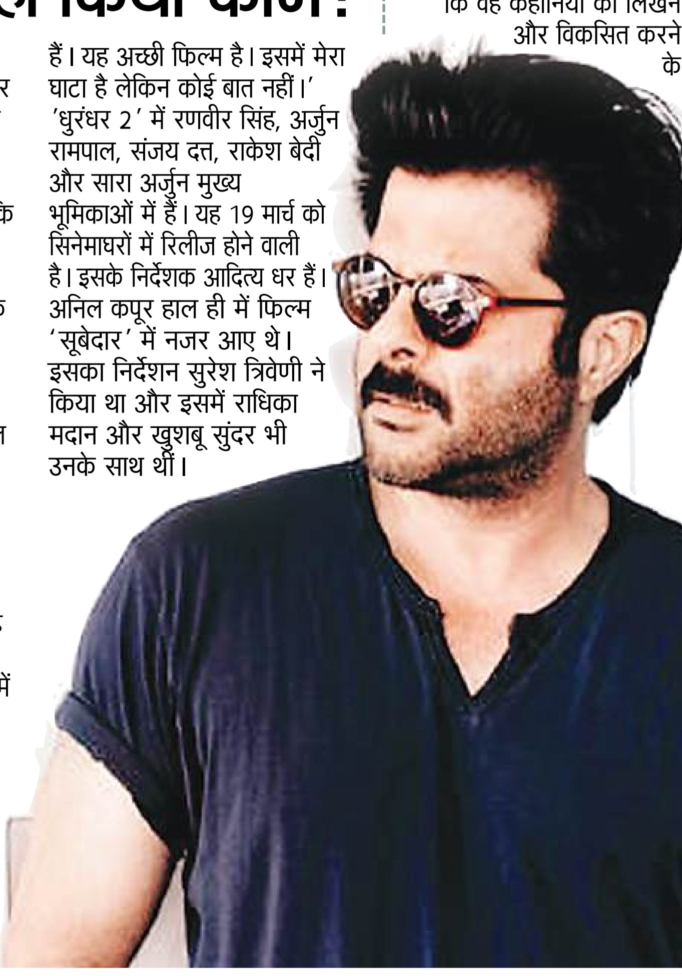

अपनी बायोपिक बनाने पर बोले राजपाल यादव

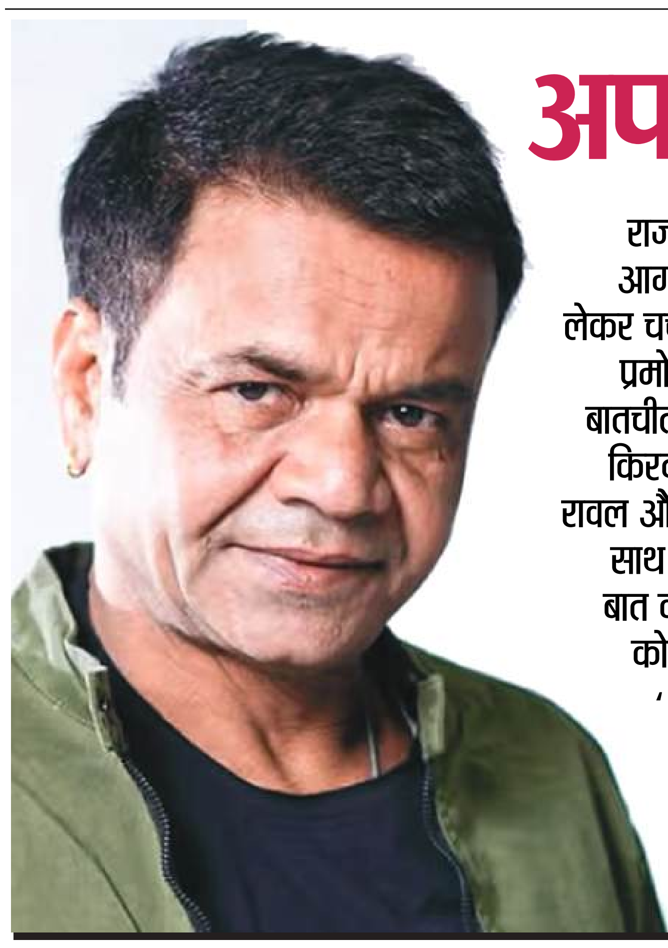

राजपाल यादव इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चाओं में हैं। एक्टर फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान बातचीत में उन्होंने फिल्म में अपने किरदार और अक्षय कुमार, परेश रावल और असरानी जैसे दिग्गजों के साथ काम करने के अनुभवों पर बात की। उन्होंने अपनी बायोपिक को लेकर भी अपनी राय रखी।

'भूत बंगला' का हिस्सा बनना सौभाग्य की बात

'भूत बंगला' को एक शानदार फिल्म बताते हुए राजपाल ने कहा, 'भूत बंगला की कहानी बहुत दिलचस्प है और मुझे इसमें एक अच्छे कॉन्सेप्ट के साथ शानदार किरदार निभाने का मौका मिला है। मैं इसके लिए पूरी टीम का धन्यवाद देता हूं। यहां आपको स्लैपस्टिक कॉमेडी के साथ भरपूर मनोरंजन मिलेगा। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।' अपने किरदार के बारे में उन्होंने कहा कि प्रियदर्शन की खासियत है कि वे मुझसे अलग-अलग तरह के कॉमन मैन के किरदार करवाते हैं। हर फिल्म में किरदार की मानसिकता अलग होती है और यही चीज मुझे सबसे ज्यादा पसंद आती है।

हर फिल्म अलग होती है

हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया' से इसकी तुलना पर राजपाल कहते हैं, 'पिछले सौ साल के सिनेमा में आगे के सिनेमा की झलक आती है। अब तक कई हॉरर फिल्में बनी हैं और सबकी अपनी क्वालिटी है। यह नई फिल्म है। यह अपने आप में एक अलग कहानी है वो भी बिल्कुल अलग ट्रीटमेंट के साथ। दिग्गजों के साथ काम करने का अनुभव राजपाल आगे कहते हैं, 'अक्षय भाई, परेश भाई और दिवंगत असरानी सर...ये सभी दिग्गज कलाकार हैं। इनके साथ काम करना हमेशा सीखने जैसा होता है। पिछले 20 साल से कई फिल्मों में साथ काम करते हुए एक अच्छा बॉन्ड बन गया है।' अक्षय कुमार के बारे में उन्होंने कहा कि अक्षय में कूट-कूटकर एनर्जी भरी है। उनके साथ काम करते हुए हमेशा कुछ नया सीखने को मिलता है।

असरानी के साथ खास यादें

दिवंगत अभिनेता असरानी के साथ काम करने का अनुभव बताते हुए राजपाल भावुक हो गए। वो बोले- 'हमने बचपन में उनकी फिल्मों पर तालियां बजाई हैं। उनके साथ काम करना अपने आप में एक अनुभव है। शूटिंग के दौरान एक शाम हम साथ बैठकर गाजर का हलवा खा रहे थे और बातचीत कर रहे थे। वो पल मेरे लिए बहुत खास है।'

सीन कटने की चिंता नहीं

मल्टीस्टार फिल्मों में सीन कट होने के डर पर राजपाल यादव का कहना है कि ये सब डायरेक्टर का इंटरप्रिटेशन होता है। एक अभिनेता को इस बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहिए कि उसका सीन रहेगा या कट जाएगा। फिल्म अपने आप में एक विज्ञान है और उसमें एडिटिंग के दौरान बहुत चीजें बदलती रहती हैं

मुझे जानने के लिए मुझे पढ़ना पढ़ेगा

अंत में अपनी बायोपिक के सवाल पर राजपाल मुस्कुरा दिए। बोले- 'राजपाल की बायोपिक बनने से पहले राजपाल को पढ़ना पड़ेगा। मेरी 40 साल की कहानी को दो मिनट में बताना आसान नहीं है।'

अपनी इमेज से खुश हूं

अपनी इमेज पर एक्टर ने कहा कि मैं अपनी बनी हुई इमेज से खुश हूं। मेरी कोशिश हमेशा यही रही है कि हर किरदार की मानसिकता नई हो। मैंने कभी भी अपने किरदारों को रिपीट नहीं किया। मुझे सिनेमा से प्यार है और मैं हर तरह की फिल्म में खुद को फिट करने की कोशिश करता हूं।

सिनेमा समय के साथ चलता है

सिनेमा में बदलाव और कॉमेडी फिल्मों पर अभिनेता ने कहा कि समय के साथ सिनेमा भी बदलता है। पहले कॉमेडी फिल्मों का दौर अलग था। अब सोशल मीडिया और न्यूज चैनल्स के दौर में चीजें बदल गई हैं। लेकिन सिनेमा हमेशा समय के साथ चलता है।

डिजिटल दौर में इस तरह बन सकते हैं स्मार्ट वर्कर

फ्री सॉफ्टवेयर और टूल्स की मदद से ऑफिस में न सिर्फ स्मार्ट तरीके से काम कर सकते हैं, बल्कि कीमती समय भी बचा सकते हैं। आज का डिजिटल दौर 'हार्ड वर्क' के बजाय 'स्मार्ट वर्क' का है। कुछ फ्री सॉफ्टवेयर और टूल्स की मदद से आप ऑफिस में न सिर्फ स्मार्ट तरीके से काम कर सकते हैं, बल्कि अपना कीमती समय भी बचा सकते हैं। जानते हैं ऐसे ही कुछ सॉफ्टवेयर और टूल्स के बारे में।

पोर्टेबल ऐप्स

अगर आप ऑफिस में डेस्कटॉप का इस्तेमाल करते हैं, तो हो सकता है कि सिक्योरिटी सेटिंग्स की वजह से अपना कीमती समय बचाने के लिए एडिशनल सॉफ्टवेयर, एक्सटेंशन आदि को इंस्टॉल न कर पाएं। ऐसे में सबसे आसान तरीका है पोर्टेबल ऐप्स का इस्तेमाल। इसके लिए www.portableapps.com से इंस्टॉलर अपने यूएसबी फ्लैश ड्राइव में सेव कर सकते हैं। उसके बाद आप इस साइट पर उपलब्ध 300 से अधिक ऐप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। इन ऐप्स को इंस्टॉल करने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि ये फ्लैश ड्राइव से ही रन करते हैं। आप इसे किसी भी कम्प्यूटर पर एक्सेस कर सकते हैं।

ऐप लॉन्चर्स

अगर आप अपने कम्प्यूटर (विंडोज, मैक या लिनक्स) पर तेज और स्मार्ट तरीके से काम करना चाहते हैं, तो लॉन्ची (www.launchy.net) की मदद ले सकते हैं। यह एक ओपन सोर्स कीस्ट्रोक लॉन्चर है। इसकी मदद से आप कुछ सेकंड में ही अपने प्रोग्राम्स को स्टार्ट कर सकते हैं। यह आपके सभी प्रोग्राम्स, फोल्डर्स और डॉक्यूमेंट्स का ऑटो इंडेक्स शो करता है, इसलिए आप बहुत ज्यादा सोचे बिना ही जान सकते हैं कि आपके प्रोग्राम्स, फोल्डर्स आदि कहां हैं। अगर आप इसका विकल्प चाहते हैं, तो रॉकेटडॉक (www.rocketdock.com) आजमाएं। इसमें आप अपने हिसाब से चीजों को कस्टमाइज कर सकते हैं।

स्पैम सॉल्यूशन

अगर आप लंबे समय से किसी ईमेल सर्विस का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो दिन-प्रतिदिन स्पैम की संख्या भी बढ़ती चली जाती है। स्पैम से छुटकारा पाने के लिए आप अनरोल (www.unroll.me) सर्विस का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपके इनबॉक्स को कुछ ही मिनिट में स्कैन कर देता है। इसके बाद आपको उन ईमेल सब्सक्रिप्शन को दिखाता है, जो आपको लगातार स्पैम भेजते हैं। आप इस सर्विस का इस्तेमाल स्पैम को तत्काल अनसब्सक्राइब करने के लिए कर सकते हैं।

स्मार्ट कीबोर्ड

स्मार्टफोन का इस्तेमल हम कम्युनिकेशन के साथ-साथ कई दूसरे छोटे-मोटे कामों के लिए भी करते हैं, जैसे किसी को ईमेल टाइप करके भेजना आदि। आप चाहें, तो कम्प्यूटर की तरह स्मार्टफोन पर भी तेजी से टाइप कर सकते हैं। एंड्रॉयड और आईओएस के लिए कुछ ऐसे ही थर्ड पार्टी ऐप्स उपलब्ध हैं, जिनकी मदद से आप न सिर्फ अपना कीमती समय बचा सकते हैं, बल्कि आपको बेहतर वर्ड प्रिडिक्शन, स्वाइपिंग टेक्स्ट और कस्टमाइजेबल शॉर्टकट्स की सुविधा भी मिलती है। स्विफ्टकी एंड्रॉयड और आईओएस के लिए उपयोगी कीबोर्ड ऐप है। आप ईमेल और सोशल मीडिया पर कैसे टाइप करते हैं, यह उसे जान लेता है, फिर आपको पर्सनलाइज्ड प्रिडिक्शन ऑफर करता है, जिससे आप तेजी से टाइप कर सकते हैं। इसकी खासियत यह है कि आप अपने हिसाब से इसे रीसाइज भी कर सकते हैं।

फास्ट टाइपिंग

आजकल अधिकतर काम कम्प्यूटर पर ही होते हैं। ऐसे में टाइपिंग की स्पीड अच्छी न हो, तो काम करने में काफी समय लग जाता है। अगर आप अपनी टाइपिंग स्पीड सुधारना चाहते हैं, या फिर टाइपिंग सीखना चाहते हैं, तो कीबर (www. keybr.com) की मदद ले सकते हैं। यह न सिर्फ आपकी टाइपिंग स्पीड को दिखाएगा, बल्कि टाइपिंग के दौरान आपने कितनी गलतियां कीं, उसके बारे में भी बताएगा। इसके अलावा, एक और वेबसाइट है www.typing-web .com जहां टाइपिंग सीखने के लेसंस दिए गए हैं। अगर आप सॉफ्टवेयर के साथ ज्यादा सहज महसूस करते हैं, तो www.nchsoftware.com साइट से कीब्लेज टाइपिंग ट्यूटर सॉफ्टवेयर की मदद ले सकते हैं। यह फ्री सॉफ्टवेयर विंडोज और मैक के लिए उपलब्ध है। यहां पर फिंगर गाइड दिया गया है, जो आपको बताता है कि किस अंगुली की इस्तेमाल किस की के लिए करना है। यहां आप अपनी टाइपिंग स्पीड और एक्यूरेसी की जांच कर सकते हैं।

ई-बिजनेस में बनाएं करियर

ये होनी चाहिए स्किल्स

ई-बिजनेस ने दुनियाभर के विक्रेताओं और ग्राहकों को एक-दूसरे के नजदीक ला दिया है। जानते हैं कैसे ई-बिजनेस में बढ़िया करियर बनाया जा सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक बिजनेस, जिसे ई-बिजनेस भी कहा जाता है, टेक्नोलॉजी के उपयोग से बिजनेस को बेहतर बनाता है। ई-बिजनेस का विकास काफी तेजी से हो रही है क्योंकि अब ज्यादातर बिजनेस गतिविधियां और लेनदेन इंटरनेट पर किए जाने लगे हैं। ऐसे में इन गतिविधियों के लिए क्वॉलिफाइड प्रोफेशनल्स की जरूरत है।

क्या है ई-बिजनेस?

आज के दौर में इंटरनेट ने उपभोक्ता और बिजनेस के बीच की दूरी को कम करके उनके बीच व्यवहार को आसान बना दिया है। ई-बिजनेस से खरीद-फरोख्त वैश्विक, प्रतिस्पर्धी और आसान बन गई है। एक बिजनेस अगर अपने उत्पादों को ऑनलाइन बेचता और खरीदता नहीं भी है लेकिन अपने बिजनेस से संबंधित गतिविधियां ऑनलाइन करता है, तो भी उसे ई-बिजनेस कहा जाएगा।

कैसी स्किल्स चाहिए?

आप इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में परफेक्ट होने चाहिए। वेबसाइट का लेआउट डिजाइन करने के लिए क्रिएटिविटी जरूरी होती है, इसलिए क्रिएटिव एस्पेक्ट भी वांछित है। ई-बिजनेस की रणनीति में परिवर्तन लाने या उसे रीइवैल्यूएट करने के लिए दूसरों से परामर्श लेते रहें। मार्केट रिसर्च, ऑनलाइन एडवरटाइजिंग, ब्रांडिंग, मीडिया प्लानिंग में भी आपकी रुचि हो।

कौन-से कोर्स?

ई-बिजनेस में कई तरह के कोर्स उपलब्ध हैं और हर कोर्स अलग जरूरत पर फोकस करता है। ये कोर्स ऑनलाइन बिजनेस स्ट्रैटेजी, मार्केटिंग, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, ई-कॉमर्स मैनेजमेंट पर फोकस करते हैं। ये कोर्स ऑनलाइन भी उपलब्ध हैं। ई-बिजनेस का कोर्स करके उम्मीदवार को प्रोडक्ट मैनेजर की पोस्ट भी ऑफर की जाती है। हालांकि यह कंपनी के स्ट्रक्चर पर निर्भर करता है।

एलिजिबिलिटी

बैचलर्स डिग्री प्रोग्राम में एडमिशन लेने के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार ने 12वीं 50 प्रतिशत अंकों के साथ पास की हो। कोर्स की अवधि तीन साल होगी। पोस्टग्रेजुएट कोर्स करने के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार ने किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएशन किया हो। इस कोर्स की अवधि दो साल की होगी।

पे स्केल

शुरुआती स्तर पर सैलेरी पैकेज ढाई से तीन लाख रुपए प्रति वर्ष के बीच होता है। सैलेरी पैकेज इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप किस संस्थान में और किस पोजिशन पर काम कर रहे हैं।

नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदल सकती है म्यूजिक थेरेपी

आज की भागदौड़ भरी जिदंगी में लोगों को डिप्रेशन जैसी कई मानसिक समस्याओं से जूझना पड़ता है और म्यूजिक थेरेपी इन सबसे उबरने में मददगार साबित हो सकती है। भारत में म्यूजिक थेरेपी का प्रचलन बहुत ज्यादा तो नहीं है क्योंकि इस पर बहुत खर्च आता है लेकिन इसके असरदार परिणामों को देख अब यह भारत में भी लोगों के बीच लोकप्रिय हो रही है। म्यूजिक थेरेपी का प्रभाव बहुत गहरा होता है। यह नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदल सकती है। अगर आपको संगीत से प्यार है और आपका बैकग्राउंड भी म्यूजिकल है तो आप इस क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। संगीत थेरेपी में विकारों को दूर करने के लिए इंसान के स्वभाव और समस्या के अनुसार संगीत तैयार करना होता है। इसके लिए आर्केस्ट्रा और अन्य कई इक्विप्मेंट्स का इस्तेमाल किया जाता है। जैसे-जैसे मरीज की हालत में सुधार आता है संगीत में उसके अनुसार बदलाव किया जाता है। इसके जरिए इलाज के लिए ऐसे संगीत का इस्तेमाल किया जाता है जिससे व्यक्ति को चैन मिल सके। इससे मरीज की निराशा, व्यवहार और भावनात्मक समस्याओं में कमी लाई जा सकती है। म्यूजिक थेरेपी को आजकल डॉक्टर भी बढ़ावा दे रहे हैं क्योंकि यह काम के बोझ के तले दबे लोगों के लिए काफी कारगर साबित हो रही है। यही कारण है कि इंजीनियर, आईटी प्रोफेशनल्स, कॉल सेंटरकर्मियों से लेकर मीडियाकर्मी तक इस थेरेपी का सहारा ले रहे हैं। जहां दवाएं काम नहीं करतीं, वहां संगीत अपना असर दिखा सकता है।

ये हैं कोर्स

हालांकि इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए कोई विशिष्ट योग्यता की आवश्यकता नहीं है लेकिन संगीत थेरेपी में कोई भी कोर्स करने के लिए बारहवीं उत्तीर्ण होना बुनियादी आवश्यकता है। इसके अलावा अगर आपने ये कोर्स किए हुए हों तो इस क्षेत्र में प्रवेश करना आपके लिए और आसान हो जाता है।

एडवांस्ड लेवल म्यूजिक थेरेपी कोर्स
सर्टिफिकेट इन म्यूजिक थेरेपी
पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्लीनिकल म्यूजिक थेरेपी
प्रोफेशनल पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन म्यूजिक थेरेपी